■ नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज - 07

■ श्रम कानून नियोक्ताओं के हित में, सिर्फ संगठित क्षेत्र के 15 प्रतिशत कर्मियों को ही लाभ- 10

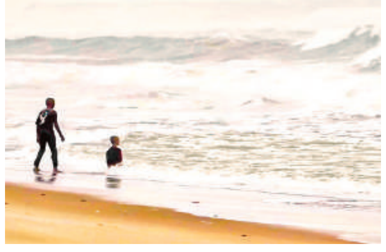

■ तमिलनाडु में चक्रवात दितवा के कारण भारी बारिश में तीन की मौत, जलभराव - 11

■ त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीता - 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|लखनऊ|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी 07:01 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 1 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 302, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

संसद का शीतकालीन सत्र आज से एसआईआर पर चर्चा को अड़ा विपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

● सर्वदलीय बैठक के बाद रीजीजू बोले यह शीतकालीन सत्र है, सबको ठंडे दिमाग से काम करना चाहिए

सोमवार से शुरू हो रहा संसद का शीतकालीन सत्र हंगामेदार होने के आसार हैं। इसमें गतिरोध पैदा होने के आसार रविवार को उस वक्त दिखाई दिए जब सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एक सुर में यह मांग उठाई कि एसआईआर पर चर्चा कराई जानी चाहिए। सरकार ने हालांकि कहा कि संसद की कार्यवाही अच्छी तरह चलनी चाहिए और वह गतिरोध की स्थिति को टालने के लिए विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी रखेगी।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने चुटीले अंदाज में यह भी कहा, यह शीतकालीन सत्र है और इसमें सबको ठंडे दिमाग से काम करना चाहिए। कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में एसआईआर के साथ ही दिल्ली विस्फोट की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही, उन्होंने वायु प्रदूषण, विदेश नीति, किसानों की स्थिति, महंगाई, बेरोजगारी और कुछ अन्य विषयों पर सत्र के दौरान चर्चा कराने का आग्रह किया। बिहार चुनाव में राजग की प्रचंड जीत से उत्साहित केंद्र सरकार इस सत्र में 14 विधेयक पेश कर सकती है। इस सर्वदलीय बैठक में 36 राजनीतिक दलों के 50 नेता शामिल हुए। बैठक में सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए।

रोहित-कोहली ने रचा इतिहास

क्रिकेट का सुपर संडे

रांची। क्रिकेट के लिहाज से रविवार का दिन बेहद शानदार रहा। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने न सिर्फ खुद को साबित किया बल्कि कई रिकॉर्ड भी बना डाले। रांची में कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शतक जमाया। कोहली ने इस मैच में 135 रनों की पारी खेली। उन्होंने वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शतक लगाकर किसी एक फॉर्मेट में सबसे अधिक शतक लगाने के सचिन तेंदुलकर के कीर्तिमान को ध्वस्त कर दिया। यह विराट कोहली का 52वां वनडे शतक है। उनका ये इंटरनेशनल क्रिकेट में 83वां शतक है। किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने टेस्ट मैचों में 51 शतक लगाए थे। वहीं, पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने तीन छक्के लगाकर वनडे में सबसे ज्यादा छक्का लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। रोहित शर्मा के अब 277 वनडे मैचों में 352 छक्के हो गए हैं। इससे पहले पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी के नाम यह रिकॉर्ड था।

रोहित ने 277 मैचों में लगाए 352 छक्के

वनडे में कोहली ने लगाया 52वां शतक

रोहित ने वनडे में सबसे ज्यादा छक्के मारने का बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ा

विराट कोहली ने किसी भी एक फॉर्मेट में सर्वाधिक शतक बनाकर सचिन को पीछे छोड़ा

अभिषेक ने 12 गेंदों में जड़ा संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक

भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने रविवार को हैदराबाद में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के खिलाफ पंजाब के मैच में नाबाद 148 रन बनाने के दौरान संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। टी20 की एक पारी में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। अभिषेक ने पांच छक्के और इतने की चौके की मदद से सिर्फ 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया जो किसी भारतीय द्वारा संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी है।

ब्रीफ न्यूज

रैगिंग के आरोप में चार मेडिकल छात्र निलंबित

हैदराबाद। तमिलनाडु में द्वितीय वर्ष के चार मेडिकल छात्रों को कनिष्ठ छात्रों की कथित तौर पर रैगिंग करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना लगभग 15 दिन पहले हुई। आरोप है कि वरिष्ठ छात्रों ने कनिष्ठ छात्रों को छात्रावास में उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया। एक कनिष्ठ छात्र द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद, कॉलेज के अधिकारियों ने तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले के सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रारंभिक जांच की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रैगिंग रोधी समिति की बैठक के बाद चार वरिष्ठ छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई और उन्हें दो महीने के लिए कक्षाओं से प्रतिबंधित किया गया है।

37 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में रविवार को 37 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से 27 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम घोषित था। दंतेवाड़ा के एसपी ने बताया कि 12 महिलाओं समेत इन नक्सलियों ने पूना मारगेम पहल के तहत पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। बस्तर रेंज के पुलिस द्वारा शुरू की गई यह पहल बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए एक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में उभर रही है।

एसआईआर के लिए 7 दिन बढ़े

निर्वाचन आयोग ने जारी किए आदेश, अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को

● 12 राज्यों में वोटर वेरिफिकेशन 11 दिसंबर तक चलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के पूरे कार्यक्रम को रविवार को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया। आयोग ने यह कदम विपक्षी दलों के इन आरोपों के बीच उठाया कि 'कम समय-सीमा' लोगों और जमीनी स्तर के चुनाव अधिकारियों के लिए समस्याएं पैदा कर रही है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि गणना प्रपत्र वितरण अब चार दिसंबर के बजाय 11 दिसंबर तक जारी रहेगा। मसौदा मतदाता सूची अब नौ दिसंबर की जगह 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी के स्थान पर 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि आयोग ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ आंतरिक चर्चा के आधार पर एसआईआर के सभी चरणों की समय-सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है जहां यह प्रक्रिया जारी है। विपक्षी दलों ने एसआईआर के दौरान कम से कम 40 बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की मौत होने का दावा करते हुए, मतदाता सूची में संशोधन किए जाने के समय पर सवाल उठाया है। उन्होंने दावा किया किया इनमें से ज्यादातर ने कम समय सीमा होने के कारण तनाव में आकर आत्महत्या की। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। एसआईआर कार्यक्रम में संशोधन के निर्वाचन आयोग के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि निर्वाचन आयोग को पता था कि समय-सीमा व्यावहारिक नहीं थी। एसआईआर कार्यक्रम में बदलाव का फैसला सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र की पूर्व संध्या पर लिया गया है। पिछले सत्र में विपक्ष द्वारा एसआईआर पर चर्चा की मांग से संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई थी। उस समय बिहार में एसआईआर की कवायद की जा रही थी। सर्वदलीय बैठक से बाहर आते हुए, विपक्षी नेताओं ने सत्र के सुचारू संचालन पर कहा कि वे एसआईआर पर चर्चा के लिए दबाव डालेंगे।

दबाव में न आएं बीएलओ : रिणवा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि एसआईआर की तिथियों में संशोधन करते हुए अवधि एक सप्ताह बढ़ा दी है। उन्होने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि समयावधि बढ़ने के बाद बीएलओ पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक दबाव न डाला जाए। जिन बीएलओ को किसी कारणवश कार्य में कठिनाई हो रही है, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए ताकि प्रक्रिया सुचारु रूप से पूर्ण हो सके। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में 10 .75 करोड़ यानी 70 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन संपन्न हो चुका है। प्रदेश के 9177 मतदेय स्थलों पर बीएलओ गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर चुके हैं।

इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर जारी

छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप में एसआईआर जारी है। इनमें तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होंगे। अधिकांश राज्यों ने मतदाता सूची का पिछला एसआईआर 2002 और 2004 के बीच किया था, और उन्होंने अपने-अपने राज्यों में हुए पिछले एसआईआर के अनुसार वर्तमान मतदाताओं की मैपिंग पूरी कर ली है। मतदाताओं की मैपिंग से तात्पर्य वर्तमान मतदाताओं को मतदाता सूची में उनकी पिछली प्रविष्टियों से जोड़ने, पते का सत्यापन करने तथा बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन के माध्यम से विसंगतियों को ठीक करने की प्रक्रिया से है।

धर्मांतरण व नशे के जरिये फिर वार करेंगी विदेशी ताकतें: योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/झज्जर

● कहा,सनातन पर कोई प्रहार स्वीकार नहीं धर्मांतरण, लव जिहाद व नशे के खिलाफ उठाएं आवाज

● कबलाना में प्राण प्रतिष्ठा व भंडारे में बोले सीएम योगी, बंटेंगे तो कटेंगे, एकजुट रहना ही सनातन की रक्षा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का जब भी स्वर्णयुग आता है, बाहरी हमले बढ़ते हैं। विदेशी ताकतें समाज को नशे और धर्मांतरण के जरिए कमजोर करने की कोशिश करेंगी। उन्होंने संतों और योगेश्वरों से जनजागरण करने और हर आयोजन में धर्मांतरण, लव जिहाद, नशे के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया। योगी ने फिर दोहराया कि बंटेंगे तो कटेंगे, एकजुट रहना ही सनातन की रक्षा है।

वे रविवार को हरियाणा के झज्जर जिले के कबलाना गांव में आयोजित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और आठमान भंडारे में लोगों को संबोधित कर रहे थे। यहां योगी पूरी तरह गोरक्षपीठाधीश्वर की भूमिका में नजर आए। यहां सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ, बाबा पालनाथ, उनके गुरु भाई व इस परिवार से जुड़े योगेश्वरों, शिव परिवार, बजरंग बली की भव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। योगी ने साधु-संतों और योगेश्वरों के समक्ष दो बातें रखीं और समाज को चेताया। आगाह किया कि जब स्वर्णयुग आता है तो चैतन्य व सतर्क रहने की प्रेरणा देता है। जब भारत का स्वर्णयुग आया था तब विदेशी हमले होने भी प्रारंभ हो गए थे। हमें फिर से सतर्क रहना होगा। आज भी धर्मांतरण व नशा के माध्यम से हमला होगा और इसके पीछे विदेशियों का हाथ होगा। कोई भी सनातन विरोधी कार्य स्वीकार नहीं होना चाहिए। भारत, विश्व मानवता और चराचर जगत की रक्षा के लिए सनातन धर्म की रक्षा आवश्यक है। योगी ने कहा कि सनातन तभी सुरक्षित रहेगा, जब हम एक रहेंगे। बंटना नहीं है, बंटेंगे तो कटेंगे। जब-जब बंटे हैं, तब-तब यही हुआ है। जाति, तुष्टिकरण, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बंटना नहीं है, बल्कि अयोध्या रामजन्मभूमि पर जैसे धर्मध्वजा फहरा रही है, वैसे ही एकजुट होकर भारत के सनातन धर्म की ध्वजा पताका हर सनातनी के घर पर लहराती दिखनी चाहिए। योगी ने यह भी कहा कि देश में भारत की सोच के अनुरूप सरकारें हैं। हरियाणा में भी डबल इंजन सरकार है।

इस दौरान बाबा मस्तनाथ पीठ रोहतक के महंत व विधायक योगी बालक नाथ, महंत नरहरिनाथ जी महाराज, महंत चेताईनाथ जी महाराज, महंत राजनाथ जी महाराज, लहरनाथ जी महाराज, पूर्णनाथ जी महाराज आदि मौजूद रहे।

रोडवेज बस ने टेंपो को मारी टक्कर, 6 लोगों की गई जान

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● रविवार दोपहर नेशनल हाईवे पर हुआ हादसा वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे सभी

अमृत विचार: कटघर थाना क्षेत्र के मुरादाबाद-रामपुर नेशनल हाईवे पर रविवार की दोपहर रोडवेज ने टेंपो में टक्कर मार दी जिससे छह लोगों की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए। ये सभी वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

कुंदरकी थाना क्षेत्र के अब्दुल्लापुर गांव निवासी करन सिंह मूंढा पांडे ब्लॉक के गांव रफातपुर में फुफेरे भाई धर्मपाल की बेटी की शादी में शामिल होने परिवार सहित जा रहे थे। उनके साथ बहनोई मुरारी का भी परिवार था। सभी 11 लोग गांव के ही संजू पुत्र मुन्ना के टेंपो से निकले। नेशनल हाईवे पर रामगंगा पुल के पास मुरादाबाद से जा रही मेरठ डिपो की बस ने पीछे से टेंपो में टक्कर मार दी। बस की टक्कर से टेंपो के परखच्चे उड़ गए। टेंपो में बैठे अभय पुत्र ओमवीर, सीमा पत्नी करन सिंह, आरती पुत्री मुरारी लाल, टेंपो चालक संजू और सुमन पत्नी हरदीप निवासी मनदोई की मौके पर ही मौत हो गई। करन सिंह, अनन्या, रानी, झलक, अंशु, अनुष्का गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां अनन्या ने भी दम तोड़ दिया।

रोडवेज बस ने नगर निगम महिला कर्मी को रौंदा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

संगीता

● चारबाग फुट ओवरब्रिज के पास हुआ हादसा

● उन्नाव निवासी महिला कानपुर में थीं कार्यरत, बच्चों संग आई थीं कार्यक्रम में

अमृत विचार : चारबाग रेलवे स्टेशन के सामने फुट ओवरब्रिज के पास रविवार सुबह चारबाग डिपो की रोडवेज बस ने सड़क पार कर रही कानपुर नगर निगम कर्मी संगीता रावत (40) को रौंद दिया। उन्नाव निवासी संगीता की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब वह अपने तीन बच्चों के साथ पैतृक आवास उन्नाव लौट रही थीं। राहगीरों ने चालक को पकड़कर पीटा और पुलिस को सौंप दिया। हुसैनगंज पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर बस को कब्जे में ले लिया है।

एसओ हुसैनगंज शिवमंगल सिंह के अनुसार, संगीता रावत उन्नाव के गंगाघाट शुक्लागंज स्थित आदर्श नगर की निवासी थीं। वह कानपुर नगर निगम में कर्मचारी थीं। शहीद पथ किनारे यूनानी अस्पताल के पास रहने वाली मौसेरी बहन के गृह प्रवेश कार्यक्रम में वह परिवार संग आई थीं। रविवार सुबह करीब 10 बजे वह दो बेटों राहुल, आदी और बेटी जाह्नवी के साथ वापस उन्नाव जा रही थीं। चारबाग में फुट ओवरब्रिज के पास सड़क पार करते समय रोडवेज बस ने जोरदार ठोर मार दी। ठोकर लगते ही संगीता सड़क पर गिरीं और बस का पहिया ऊपर से गुजर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसओ ने बताया कि संगीता की बेटी जाह्नवी वर्मा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी चालक मुकेश कुमार सैनी उन्नाव के पुरवा मिश्रीकला का निवासी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज चेककीजारहीहै।

मुरादाबाद में बीएलओ ने फंदा लगा की आत्महत्या, सुसाइड नोट छोड़ा

संवाददाता, भोजपुर (मुरादाबाद)

अमृत विचार: एसआईआर ड्यूटी में लगे बीएलओ ने सुसाइड नोट लिखकर अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। उन्होंने सुसाइड नोट में एसआईआर का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाने की वजह से परेशान होने की बात लिखी।

सर्वेश कुमार

थाना भोजपुर क्षेत्र के गांव बहेड़ी ब्राह्मन निवासी सर्वेश कुमार (40) गांव जाहिदपुर में कंपोजिट विद्यालय में सहायक शिक्षक थे। एसआईआर के लिए उन्हें बूथ नंबर 406 का बीएलओ बनाया गया था। शनिवार की रात को शिक्षक सर्वेश दूसरी मंजिल पर सो रहे थे। नीचे कमरे में पत्नी बबली, चार बेटियां सो रहीं थीं। रविवार की सुबह पत्नी उन्हें जगाने गईं तो कमरे में पति का शव फंदे पर लटका देख उनकी चीख निकल गई। जानकारी पर पुलिस पहुंची और मौका मुआयना किया। मेज पर तीन पन्ने का सुसाइड नोट रखा मिला जिसमें शिक्षक सर्वेश ने लिखा है कि 14-15 वर्ष में पहली बार बूथ संख्या 406 पर बीएलओ की ड्यूटी लगी है।

मां की गोद से मासूम को उठा ले गया तेंदुआ, शव मिला

संवाददाता, बलरामपुर

● गांव में वन विभाग की टीम तैनात कर जांच तेज की गई

अमृत विचार: सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग के बनकटवा रेंज अंतर्गत रेहारपुरवा झौहना गांव में शनिवार की रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक तेंदुआ घर में घुसकर मां की गोद से डेढ़ वर्षीय मासूम को छीन ले गया। काफी खोजबीन के बाद मासूम का क्षत-विक्षत शव मिला। इस हादसे से पूरा गांव दहशत में है। वन विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

बरहवा ग्राम पंचायत के गुरदासपुरवा की निवासी चनावती अपने नंदोई भगवत राम के घर मांगलिक कार्यक्रम लड़की के गौना में शामिल होने आई थीं। शनिवार रात करीब दो बजे वह अपने मासूम रोहित को साथ लेकर कमरे में सो रही थी। अचानक तेंदुआ घर में घुसा और पास लेटे बच्चे को मुंह में दबाकर भाग निकला। चनावती और घर की महिलाओं ने चीखते हुए पीछा किया, परंतु तेंदुआ अंधेरे में गायब हो गया। घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों संग संयुक्त खोज में मासूम का शव गांव से डेढ़ सौ मीटर दूर मिला।

मन की बात | प्रधानमंत्री ने कहा- नए साल की खरीदारी में वोकल फॉर लोकल अपनाएं, कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना शानदार

युवाओं की लगन विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अंतरिक्ष निर्माण से लेकर कृषि तक विभिन्न क्षेत्रों में हाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की लगन विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। मोदी ने अपने मासिक मन की बात रेडियो संबोधन में नवंबर माह की प्रेरणादायक घटनाओं में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने, सेंट्रल हॉल में संविधान दिवस समारोह और अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा के आरोहण को सूचीबद्ध किया।

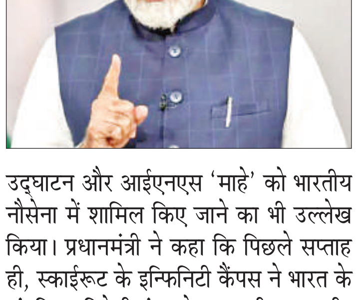

उन्होंने इसके साथ ही हैदराबाद में दुनिया की सबसे बड़ी लीप इंजन एमआरओ इकाई का उद्घाटन और आईएनएस 'माहे' को भारतीय नौसेना में शामिल किए जाने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सप्ताह ही, स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस ने भारत के अंतरिक्ष परिवेशी तंत्र को एक नयी उड़ान दी। ये भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। मोदी ने सोशल मीडिया पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित एक अनोखी ड्रोन प्रतियोगिता के वीडियो का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा, इस वीडियो में हमारे देश के युवा और खासकर हमारे जेन-जेड मंगल ग्रह जैसी परिस्थितियों में ड्रोन उड़ाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंगल ग्रह पर जीपीएस संभव नहीं, इसके चलते ड्रोन को कोई बाहरी संकेत या निर्देश नहीं मिल सकता, इसलिए युवा ड्रोन को बिना जीपीएस अपने कैमरे और इनबिल्ट सॉफ्टवेयर के सहारे उड़ाने की कोशिश कर रहे थे। मोदी ने कहा कि युवा टीम ने कई बार के प्रयास के बाद सफलता पायी क्योंकि उनका ड्रोन कई बार गिरा, दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इसरो में वैज्ञानिक तब कुछ पल के लिए निराश हो गए थे जब चंद्रयान-2 संपर्क से बाहर हो गया था, लेकिन उसी दिन उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता की कहानी लिखनी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि जब चंद्रयान-3 ने सफल लैंडिंग की, तो वो सिर्फ एक मिशन की सफलता नहीं थी, वो तो असफलता से निकलकर बनाए गए विश्वास की सफलता थी।

वाराणसी में होने वाले काशी-तमिल संगमम के दौरान सीखें तमिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी-तमिल संगमम में भाग लेने और तमिल भाषा सीखने के अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण दो दिसंबर को वाराणसी के नमो घाट पर शुरू होगा। मोदी ने कहा, इस बार के काशी-तमिल संगमम का विषय बहुत ही रोचक है, तमिल सीखें - तमिल करकलम। उन्होंने इस आयोजन को विश्व की सबसे प्राचीन भाषा और विश्व के सबसे प्राचीन शहरों में से एक का संगम बताया। कहा कि काशी-तमिल संगमम उन सभी लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है जिन्हें तमिल भाषा से लगाव है।

उत्तर प्रदेश में एचआईवी के 1.95 लाख मरीज, युवाओं की संख्या अधिक

पंकज द्विवेदी, लखनऊ

विश्व एड्स दिवस आज

- दवा के सहारे जी रहे 1.31 लाख से अधिक मरीज

अमृत विचार : प्रदेश में एचआईवी और एड्स को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ताजा रिपोर्ट ने फिर गंभीर तस्वीर सामने रखी है। प्रदेश में 1,31,734 एचआईवी मरीज एआरटी सेवाओं पर जीवित हैं। राज्य में अनुमानित एचआईवी से संक्रमित (पीएलएचआईवी) की संख्या 1,95,429 होने से संक्रमण की वास्तविक व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। चिकित्सकों का मानना है कि एचआईवी के प्रति जागरुकता बढ़ने की वजह से मरीजों की संख्या बढ़ी है। सरकार की ओर से कई तरह के जागरुकता अभियान चलाए जा रहें हैं, इससे लोग संकोच छोड़ जांच के लिए आ रहे हैं। ये जानकारी किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में एंटी-रेस्ट्रोवायरल थेरेपी सेंटर (एआरटी) प्रभारी डॉ. डी. हिमांशू ने रविवार को दी।

डॉ. हिमांशू ने बताया विश्व एड्स दिवस 1988 के बाद से प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर को मनाया जाता है। 2030 तक एचआईवी की महामारी को समाप्त करने के लक्ष्य और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूकता व समाज को शिक्षित करने पर जोर दिया जा रहा है। रिपोर्ट ये भी बताती है कि 146 मरीज सेकंड लाइन एआरटी और 20 मरीज थर्ड लाइन एआरटी पर इलाज ले रहे हैं। जनवरी से अक्टूबर के बीच 80 एएनसी परीक्षण और अप्रैल से अक्टूबर में 114 टीबी के साथ एचआईवी के मरीज हैं। प्रदेश के 75 जिलों में 61 एआरटी सेंटर, 26 लिंक एआरटी सेंटर, 27 सीएससी, 35 सीडी-4 लैब्स और 4 वायरल लोड टेस्टिंग सेंटर इस समय बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मुहैया करा रहे हैं।

जागरुकता व समाज को शिक्षित करने पर जोर

- डॉ. हिमांशू ने बताया कि 2030 तक एचआईवी की महामारी को समाप्त करने के लक्ष्य और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूकता व समाज को शिक्षित करने पर जोर दिया जा रहा है। एचआईवी की चपेट में 25 से 35 साल की उम्र के युवाओं की संख्या अधिक है। जागरुकता का ही नतीजा है कि केजीएमयू के एआरटी सेंटर में कोविड से पहले तक 2500 मरीज पंजीकृत थे। अब यह संख्या बढ़कर 4658 हो गई है। गर्भावस्था की शुरुआत में ही जांच कराने से एचआईवी की पुष्टि होने से गर्भस्थ को वायरस से बचाया जा सकता।

दवा काम न करने पर इंजेक्शन कारगर

- डॉ. हिमांशू के मुताबिक एचआई के मरीजों को एआरटी सेंटर से निशुल्क दवाएं दी जा रही हैं। यह दवाएं टैबलेट के रूप में हैं। बीमारी गंभीर होने की स्थिति में जब यह दवाएं अपना असर नहीं कर पाती हैं। तब इंजेक्शन से वायरस को काबू किया जाता है। यह इंजेक्शन तीन व छह माह के अंतराल में लगाए जाते हैं। हालांकि, जिले में ऐसे मरीजों की संख्या नहीं है।

लखनऊ में एक वर्ष में 536 मरीज बढ़े

- केजीएमयू के एआरटी सेंटर से 4658 मरीज उपचार ले रहें हैं। एक वर्ष पहले ये आंकड़ा 4122 था। इनमें 275 बच्चे शामिल हैं। संक्रमित सिरिंज से नशीली दवाएं लेने के दौरान संक्रमित 352, असुरक्षित यौन संबंध 140, 20 ट्रांसजेंडर और 4 महिला सेक्स वर्कर शामिल हैं।

मिर्जापुर का नाम बदले जाने की संभावना

अमृत विचार,लखनऊः उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले का नाम भी शीघ्र बदले जाने की चर्चा है। दरअसल, हाल ही में हुई जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक में जिले का नाम 'विंध्याचल धाम'करने पर सहमति बनी है। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी भी मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में औपचारिक प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए हैं। लंबे समय से स्थानीय लोग और कई जनप्रतिनिधि यह मांग उठाते रहे हैं कि जब देवी मंदिर की ख्याति पूरे देश में है तो जिले का नाम भी इसी धार्मिक पहचान से जुड़ा होना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

9 इकाइयों को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमती नगर, लखनऊ में उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वाधान में आयोजित खादी महोत्सव-2025 का रविवार को दसवें दिन समापन हुआ। मुख्य अतिथि खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर रहे। उनके साथ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर, संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी सिद्धार्थ यादव सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इकाइयों को प्रमुख सचिव द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। खादी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार स्वराज्य आश्रम, कानपुर, द्वितीय पुरस्कार ग्राम सेवा संस्थान, फतेहपुर, तथा तृतीय पुरस्कार भूरज सेवा संस्थान, हरदोई को प्रदान किया गया। ग्रामोद्योग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अब्बास अंसारी, मुजफ्फरनगर, द्वितीय पुरस्कार तहजीबुल हसन, बिजनौर, और तृतीय पुरस्कार अंजली सिंह, जूट आर्टिजेन्स लखनऊ को दिया गया। माटी कला श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्रेम चन्द्र, बाराबंकी, द्वितीय पुरस्कार मतलूब, बुलन्दशहतथा तृतीय पुरस्कार शिव कुमार प्रजापति, बाराबंकी को दिया गया।

आज से नई एजेंसियां बनाएंगी डीएल

अमृत विचार, लखनऊ : ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया में सोमवार से बदलाव देखने को मिलेगा। डीएल से जुड़े काम के लिए अब नई एजेंसी तय कर दी गई हैं। इस संबंध में कंपनी ने सभी तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमवार से डीएल बनाने का काम नई कंपनी के कर्मचारी संभालेंगे। इससे जुड़ी टेस्टिंग भी परख ली गई है। परिवहन विभाग में ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी अभी तक निजी एजेंसी स्मार्ट चिप के पास थी। इसमें एजेंसी के दर्जनों कर्मचारी लगे हुए थे। अब यह जिम्मेदारी प्रदेशभर में तीन एजेंसियों को दी गई है। ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित कार्यों के लिए हार्डवेयर इंस्टॉलेशन होना था, ऐसे में पिछले हफ्ते तीन से चार दिनों तक डीएल अप्रूवल ठप था। इसकी वजह से आवेदकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। लेकिन अब यह दुश्वारियां सोमवार से खत्म होने की उम्मीद है। लखनऊ में सिल्वर टच एजेंसी यह कार्य संभालेगी। वहीं फोकाम नेट व रोजमार्टा के पास अन्य जिलों की जिम्मेदारियां हैं। वहीं एजेंसी के अंतर्गत काम करने वाले कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया है। लखनऊ आरटीओ में आसपास के जिलों में इन कर्मचारियों को तैनात किए जाने की संभावना है।

जमीनों पर दबंग या माफिया का कब्जा बर्दाश्त नहीं : योगी

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में अधिकारियों को दी सख्त हिदायत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जमीन पर कब्जे की कोशिश करने वालों को सबक सिखाएं
- हर समस्या का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण कराएं

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमीन कब्जाने की शिकायत पर रविवार को कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि किसी भी गरीब की जमीन पर यदि कोई कब्जा करने की कोशिश करे तो उसे ठीक से सबक सिखाया जाए। गरीब की जमीनों पर दबंग या माफिया का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। जनता दर्शन में अंबेडकरनगर से आई एक महिला ने बाजार गए अपने बच्चे के साइकिल सहित गायब होने की पीड़ा बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस प्रकरण को संवेदनशीलता से लिया जाए और बच्चे का पता लगाने को जरूरी कदम उठाए जाएं। जनता दर्शन में इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का भरोसा दिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। एक महिला द्वारा किडनी के इलाज में डायलिसिस कराने की जरूरत और उसके लिए धनराशि न होने की बात कहने पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अफसरों को निर्देशित किया कि डायलिसिस के लिए पैसे की व्यवस्था कराई जाए।

जनता दरबार में महिला की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पैमाइश में नहीं चलेगी ताकतवर की मनमर्जी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश में अब जमीनों की पैमाइश में ताकतवर की मनमर्जी नहीं चलेगी। दरअसल, राज्य सरकार चकबंदी प्रक्रिया में बदलाव करने जा रही है। सरकार की कोशिश इसे पारदर्शी बनाना है ताकि इसको लेकर आए दिन होने वाली धांधली की शिकायतों पर अंकुश लगाया जा सके। नई योजना के तहत चकबंदी से पहले गाटावार रोवर मशीन से ई-नक्शा तैयार होगा। फिर इसका पुराने नक्शे से मिलान करते हुए चकबंदी की कवायद पूरी की जाएगी। नक्शा तैयार करने के लिए उच्च तकनीक का प्रयोग होगा। फिलहाल पुराने नक्शों के आधार पर ही चकबंदी की जा रही है। इससे यह जानकारी नहीं मिल पा रही है कि वर्तमान में भूमि की क्या स्थिति है। ताकतवर लोग अपने हिसाब से जमीनों की पैमाइश करा लेते हैं और कमजोर लोगों को हमेशा यह शिकायत रहती है कि उनका हक मारा गया।

15 तक पूरीं हो जाएं माघ मेले की तैयारियां: एके शर्मा

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने माघ मेला 2026 को लेकर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मेले के आयोजन से जुड़े सभी सम्बंधित विभागों को 15 दिसम्बर तक सभी कार्यों को पूरा कर लेने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को मेले के दौरान गंगा नदी में जल की पर्याप्त उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिए है।

शर्मा ने घाटों एवं सड़कों की साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम को निर्देशित किया है। उन्होंने मेला अवधि में मेले में साफ-सफाई कार्य के लिए लगाये गये सफाई कर्मियों के लिए रहने व खाने की अच्छी व्यवस्था करने के लिए कहा है।

माघ मेले में मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भारी भीड़ आने के मद्देनजर खुलेंगे 4 अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र
- पर्यटन स्थलों, गाइड और पेइंग गेस्ट हाउस की मिलेगी जानकारी

अमृत विचारः पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग पहली बार माघ मेले में चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित करेगा। इन केंद्रों में आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों को शहर के पर्यटन स्थलों, यात्रा मार्गों, पेइंग गेस्ट हाउस और प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइडों की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी।

महाकुंभ 2025 की दिव्यता और भव्यता ने प्रयागराज को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। यूनेस्को द्वारा 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' के रूप में मिली मान्यता के बाद अब संगम नगरी माघ मेला 2026 की तैयारियों में जुटी है। अनुमानित भारी भीड़ को देखते हुए योगी सरकार इस बार पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए विशेष व्यवस्था कर रही है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के अनुसार प्रयागराज में पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि जारी है। ऐसे में पर्यटन विभाग के सूचना केंद्र पर्यटकों के लिए एकल-खिड़की सुविधा की तरह काम करेंगे। यहां प्रयागराज के प्रमुख पर्यटन स्थलों की हिंदी व अंग्रेजी में पुस्तिकाएं होंगी। सभी जानकारी का डिजिटल संस्करण, गाइड बुक एवं प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइडों की सूची मिलेगी।

सूचना केंद्र पर पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस के विवरण के साथ जरूरत पड़ने पर मार्गदर्शन व सहायता दी जाएगी। योगी सरकार का उद्देश्य माघ मेले को सुगम, सुरक्षित और पर्यटक-अनुकूल बनाना है, ताकि श्रद्धालु इस आध्यात्मिक अनुभव के साथ शहर की सांस्कृतिक धरोहर को भी सहजता से जान सकें।

बढ़ती पर्यटकों की संख्या

- वर्ष 2020 – 3,19,33,758
- वर्ष 2021 – 1,12,13,496
- वर्ष 2022 – 2,60,47,166
- वर्ष 2023 – 5,06,71,622
- वर्ष 2024 – 5,12,62,806
- वर्ष 2025 (जनवरी–सितंबर) – 6,82,15,806

बढ़ गई डेडलाइन, मानसिक दबाव में न आएं बीएलओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने दिया सुझाव

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच गोंडा, फतेहपुर, बिजनौर, मुरादाबाद जिलों से आयी बीएलओ की मौत की खबरों को लेकर राजनीतिक दल चुनाव आयोग पर निशाना साध रहे हैं।

इस बीच भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलओ को राहत देने का एक और निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर की घोषित तिथियों को एक सप्ताह बढ़ाते हुए संशोधित तिथियां जारी कर दी गई हैं। ऐसे में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि चूंकि एक सप्ताह की अवधि और मिल गई है, इसलिए उनके अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों ख़ासकर बीएलओ को अनावश्यक मानसिक दबाव में आने की आवश्यकता नहीं है। पर्याप्त समय है जिसमें सारा कार्य पूरा हो सकता है। ऐसे बीएलओ जो किसी भी वजह से कार्य में पिछड़ गए हैं और जिनको सहयोग की आवश्यकता उनको यथा आवश्यक सहयोग दिलाया जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधन तिथियां के अनुसार 11 दिसम्बर तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। मतदेय स्थलों का संभाजन भी 11 दिसम्बर तक किया जाएगा। 12 दिसंबर से 15 दिसंबर तक कंट्रोल टेबल को अपडेट करने के साथ आलेख्य नामावली की तैयारी की जाएगी।

70 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 10 .75 करोड़ से अधिक यानी 70 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। साथ ही अब तक 9177 मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है।

ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व होगी बैठक

- उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व हर पोलिंग बूथ पर बीएलओ और राजनैतिक दलों द्वारा तैनात बूथ लेवल एजेंट की बैठक होगी। जिसमें बीएलओ द्वारा ऐसे मतदाताओं की सूची एजेंट को उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनका नाम ड्राफ़्ट मतदाता सूची में किन्हीं कारणों की वजह से नहीं आ रहा है।

उत्तर प्रदेश में सभी क्षेत्रों पर लागू हो गया न्यूनतम वेतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- श्रम मंत्री ने कहा- 29 पुराने श्रम कानूनों के एकीकरण से श्रमिकों को फायदा
- देशभर में लागू चार श्रम संहिताओं से वेतन भुगतान दो दिन में अनिवार्य

अमृत विचारः राज्य के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि मोदी सरकार 29 पुराने श्रम कानूनों का एकीकरण करके देशभर में चार श्रम संहिताओं को लागू कर दिया है। इससे यूपी के कामगारों को फायदे हुए हैं। अब यहां न्यूनतम वेतन सभी क्षेत्रों पर लागू हो गया है। वेतन भुगतान दो दिन में करना अनिवार्य होगा।

लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में रविवार को प्रेस वार्ता में मंत्री राजभर ने कहा कि मजदूरी संहिता के तहत न्यूनतम वेतन सभी क्षेत्रों पर लागू होगा। सेवा समाप्ति या त्यागपत्र की स्थिति में दो दिनों के भीतर वेतन भुगतान अनिवार्य है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार वैधानिक पहचान देते हुए उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल किया गया है। इनके लिए कल्याण कोष बनाया जाएगा, जिसमें एग्रीगेटर्स 1–2 प्रतिशत टर्नओवर का योगदान देंगे। फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों जैसे सभी लाभ मिलेंगे और एक वर्ष की सेवा पर ग्रेच्युटी का अधिकार मिलेगा। निजी आवास निर्माण सीमा बढ़ाकर 50 लाख कर दी गई है।

उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता में सभी प्रतिष्ठानों में सुरक्षा, स्वच्छता और कार्यदशा संबंधी प्रावधानों को आधुनिक रूप में लागू किया गया है। प्रत्येक श्रमिक का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य किया गया है। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार स्थानीय स्तर पर करियर केंद्र स्थापित करेगी, जहाँ युवाओं का डेटा संकलन, परामर्श और रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। पंजीकरण और पूरा पत्राचार प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से होगी।उन्होंने कहा कि निरीक्षण व्यवस्था अब पूरी तरह ऑनलाइन होगी और रैंडमाइज्ड सिस्टम लागू होने से इंस्पेक्टर राज समाप्त होगा। प्रथम उल्लंघन पर अधिकतम जुर्माने के 50 प्रतिशत भुगतान पर उपशमन मिलेगा, जिससे उद्योगों को राहत और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा।

जानकारी देते मंत्री अनिल राजभर।

ओवरटाइम पर दोगुना वेतन, मिलेगी वेतन पर्ची

- मंत्री ने बताया कि ओवरटाइम के लिए दोगुने वेतन का प्रावधान किया गया है। वेतन से कटौती की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत होगी। साथ ही, सभी कर्मचारियों को वेज-स्लिप देना अब अनिवार्य किया गया है, जिससे वेतन व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी बनेगी।

बंदी व छंटनी में राज्य की अनुमति अनिवार्य

- औद्योगिक संबंध संहिता में 300 से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में छंटनी या बंदी हेतु राज्य सरकार की अनुमति अनिवार्य की गई है। 14 दिन की पूर्व सूचना के बिना हड़ताल, तालाबंदी या अवकाश प्रतिबंधित रहेगा। शिकायत परितोष समिति, वार्ताकारी परिषद और दो सदस्यीय औद्योगिक अधिकरण का गठन किया गया है।

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स का अधिवेशन हुआ

अमृत विचार, लखनऊ : इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तर प्रदेश स्टेट सेंटर का 105वां वार्षिक अधिवेशन इंजीनियर्स भवन में आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।संस्था में देश-विदेश में 10 लाख से अधिक सदस्यों और 125 शाखाएं हैं। निवर्तमान अध्यक्ष सत्य प्रकाश ने नई कार्यकारिणी का परिचय कराया। अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह मुख्य अभियंता (से.नि), मर्चेंट नेवी सचिव निरेन्द्र कुमार निषाद ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। अध्यक्ष ने सदस्यों के विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया और संस्थान की प्रगति के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आश्वासन दिया।

निवेश सुगमता व कौशल विकास से बढ़ा कारोबार और रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 4,675 प्रशासनिक सुधार व 2,500 व्यवसायिक बदलावों से उद्योगों को राहत
- निवेश मित्र, केपीआई आधारित सिस्टम और रोजगार मेलों से बदला परिदृश्य

अमृत विचारः राज्य की विकास यात्रा के तीनों स्तंभ निवेश, उद्योग और रोजगार तेज़ी से मजबूत हो रहे हैं। 'उद्यम प्रदेश' के लक्ष्य को साकार करने के लिए योगी सरकार ने एक ओर 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' में व्यापक प्रशासनिक सुधार किए, तो दूसरी ओर स्किल इंडिया, डीसीसीवाई और युवा उद्यमिता योजनाओं के माध्यम से लाखों युवाओं के लिए रोजगार के दरवाजे खोले हैं।

शासन के अफसरों के अनुसार सरकार ने उद्योग स्थापना में आने वाली बाधाओं को हटाने के लिए 4,675 प्रशासनिक सुधार और 2,500 व्यवसाय-केंद्रित सुधार लागू किए हैं। मंजूरी, लाइसेंस, पंजीकरण और अनुपालन से जुड़ी ज्यादातर प्रक्रिया अब डिजिटल हो चुकी हैं। इंटेंट फाइलिंग,लेटर ऑफ अप्रूवल,कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म और अनेक विभागीय अनुमतियां अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इससे नए निवेशकों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और प्रक्रिया समय व लागत दोनों में कमी आई है।

प्रदेश का प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म 'निवेश मित्र 2.0' निवेशकों के लिए 43 विभागों की 525 सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध करा रहा है। एआई आधारित डैशबोर्ड, रीयल टाइम डेटा विश्लेषण, मजबूत शिकायत निस्तारण प्रणाली और 'नो योर अप्रूवल्स' जैसी विशेषताएं इसे देश का सबसे उन्नत निवेश प्लेटफॉर्म बनाती हैं। जल्द ही निवेश मित्र 3.0 लागू किया जाएगा, जिसमें जीआईएस आधारित लैंड बैंक व लाइव प्लॉट मैपिंग उपलब्ध होगी, जिससे भौतिक निरीक्षण की बाध्यता समाप्त हो जाएगी।

यूपीसीडा में केपीआई आधारित मॉडल से 389% बढ़ा आवेदन

- योगी सरकार ने कार्यकुशलता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए यूपीसीडा में केपीआई आधारित पदोन्नति और मूल्यांकन प्रणाली लागू की है। इसके परिणामस्वरूप 2018-19 में 625 आवेदन प्रोसेस हुए थे, 2025-26 में यह संख्या 3,059 पहुंच गई, जो 389 प्रतिशत वृद्धि है। निवेशकों की संतुष्टि दर भी 96 .32 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो यूपीसीडा की दक्ष कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

5.66 लाख को नौकरी कौशल , तकनीक पर जोर

- निवेश सुगमता के साथ-साथ सरकार ने रोजगार सृजन और युवाओं के कौशल विकास को प्राथमिकता दी है। आईटीआई–पॉलिटेक्निक पास 5 .66 लाख युवाओं को 2017 के बाद से स्किल इंडिया मिशन, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना, मिशन रोजगार के तहत रोजगार मिला। पूरे प्रदेश में 2,800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्र उद्योग उन्मुख कौशल प्रदान कर रहे हैं। 1,747 सक्रिय ट्रेनिंग पार्टनरों के माध्यम से डिजिटल मार्केटिंग, एआई, ईवी मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन जॉब्स जैसे आधुनिक कौशल में युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

लापरवाही

वन अधिनियम से बाहर, नगर निगम, पालिका और पंचायतें झाड़ लेतीं हैं पल्ला, घंटों तड़पते रहते घायल और बीमार बंदर, नहीं मिलती मदद

नियमों में फंसा लाल मुंह के बंदरों का संरक्षण, जिम्मेदारी तय नहीं

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : लाल मुंह वाले बंदरों का रखवाला कौन है? ये बंदर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के नियमों में ऐसे फंसे हैं कि इनका इलाज तक करने वाला कोई नहीं। अक्सर किसी न किसी दुर्घटना में घायल यह वन्यजीव सड़क पर ही दम तोड़ देते हैं। ऐसे में वन विभाग बंदरों को अपने अधिनियम से बाहर बताता है तो नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतें भी इन्हें अपने कार्य क्षेत्र से बाहर बताती हैं। विभागों के पल्ला झाड़ लेने से इन्हें उपचार तक नहीं मिल पाता है और इनकी मौत हो जाती है। इन महकमों के पास घायल और बीमार बंदरों के उपचार और संरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है।

इन विभागों के पास बंदरों को शामिल करने का कोई स्पष्ट आदेश नहीं है न ही स्थानीय स्तर पर घायल बंदरों को पकड़ना, उनका इलाज करना और उन्हें सुरक्षित रखने की कोई व्यवस्था है। फिर भी ऐसी घटनाओं पर बड़े शहरों में अफसरों के निर्देश पर गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) से मदद मांगी जाती है। लेकिन, छोटे जिलों और खासकर ग्राम पंचायतों के पास किसी तरह की व्यवस्था नहीं हैं। ज्यादातर बंदर सड़क हादसे व करंट से झुलसकर घायल मिलते हैं और घंटों इनकी मदद विभागीय खींचतान की वजह से नहीं हो पाती है। वहीं, लंगूर बंदर वन विभाग के अधीन है। फिर भी इनके उपचार और संरक्षण में टीम देर सबेर पहुंचती है या फिर मदद नहीं मिलती है।

अयोध्या में नहीं मिली मदद, हो गई मौत

केस 1 नवंबर में अयोध्या के गणेश नगर में पैरालाइज्ड बंदर की सूचना लोगों ने वन विभाग और नगर निगम को दी। रात में मदद नहीं मिली और दिन में घंटों विभागीय खींचतान में मौत हो गई। जबकि समय रहते बचाया जा सकता था।

वन विभाग ने डाल दी ग्राम पंचायत पर जिम्मेदारी

केस 2 नवंबर में अयोध्या के मिल्कीपुर के ग्राम कुचेरा में करंट से झुलसे लंगूर की सूचना वन विभाग को दी गई। वन विभाग ने दो दिन तक रेस्क्यू न करके ग्राम पंचायत पर जिम्मेदारी डाल दी। वन मुख्यालय के निर्देश पर रेस्क्यू करके उपचार किया गया।

राजधानी में तड़पता रहा झुलसा बंदर

केस 3 अक्टूबर में लखनऊ के आलमबाग में करंट से झुलसे लाल मुंह के बंदर की लोगों ने नगर निगम को सूचना दी। नगर निगम ने अपने कार्य क्षेत्र से बाहर बता दिया। घंटों बंदर तड़पता रहा। हालांकि काफी देर बाद नगर निगम ने एक एनजीओ से रेस्क्यू कराया।

बांदा में तड़पता रहा बंदर

केस 4 करीब तीन माह पहले बांदा के ग्रामीण क्षेत्र में करंट से दोनों पैर झुलसे बंदर की सूचना पर वन विभाग ने पल्ला झाड़ लिया। ग्राम पंचायत के पास मदद के इंतजाम नहीं थे। इस खींचतान में डीएम के निर्देश पर पशु चिकित्सक ने जान जोखिम में डालकर उपचार किया था।

30 अक्टूबर को आलमबाग से रेस्क्यू किया गया था ये बंदर।

न्यूज ब्रीफ

चोरी की बाइक संग युवक गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : पीजीआई पुलिस ने वाहन चोरी के आरोप में अभिषेक तिवारी निवासी मीरकनगर निगोहां को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से एक बाइक बरामद की है। आरोपी के खिलाफ पीजीआई थाने में तीन मामले दर्ज हैं। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आशीष मसीह निवासी अभिषेक एल्डिको उद्यान-2, रायबरेली रोड ने तहरीर दी थी कि वे मिलेनियम पैलेस, वृन्दावन योजना में एक शादी समारोह में गए थे। वहां से उनकी बाइक चोरी हो गई थी।

हमले में फरार दो भाई धरे गए

अमृत विचार, लखनऊ : सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपी चेहलराम और लल्लई राम मुल्लाखेड़ा के रहने वाले हैं। मुल्ला खेड़ा महमूदपुर निवासी संतोष कुमार ने 25 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज करायी थी। बताया था कि विवाद के कारण कुछ व्यक्तियों ने उन्हें घर से बाहर बुलाकर लाठी-डंडों से गंभीर रूप से घायल कर जान से मारने की नीयत से हमला किया।

तेलीबाग से रहमान खेड़ा तक तेंदुए की दहशत

अमृत विचार, लखनऊ : शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक एक बार फिर तेंदुए का खौफ मंडराने लगा है। करीब एक सप्ताह पहले रहमान खेड़ा में दिखे तेंदुआ की मिली जानकारी के बाद वन विभाग की टीम ने क्षेत्र का दौरा कर कई जरुरी कदम उठाए। इसी बीच बीती रात लखनऊ के कैंट क्षेत्र के तेलीबाग में भी एक जंगली जीव देखे जाने की सूचना ने लोगों में दहशत फैला दी। डीएफओ सितांशु पांडेय ने बताया कि शनिवार रात गन्ना अनुसंधान केंद्र के पास जंगली जीव दिखने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम को तैनात कर दिया गया है और इलाके में ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं, हालांकि अभी तक तेंदुआ कैमरे में कैद नहीं हो पाया है।

500 जोड़ों का विवाह कराएगा विभाग

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 500 जोड़ों का विवाह कराया जाएगा। समाज कल्याण विभाग ने 6 व 12 दिसंबर कार्यक्रम की तिथि रखी है। इसमें एक तिथि उच्च अधिकारियों के स्तर से तय करके धूमधाम से विवाह कराया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सामूहिक विवाह कराने की तैयारी कर ली है। करीब 500 जोड़ों को योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा है। 6 या 12 दिसंबर को विवाह कराएंगे। उच्च अधिकारियों के स्तर से तिथि तय की जाएगी। आवेदनों का सत्यापन भी अंतिम चरण पर है। योजना के तहत एक लाख रुपये से जोड़ों को लाभान्वित किया जाएगा।

हिन्दू समाज पार्टी ने भेजा योगी को ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : हिंदू समाज पार्टी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर वृंदावन सहित प्रदेश की सभी देवभूमि में मांस-मदिरा की दुकानों को तुरंत बंद कराने की मांग की है। पार्टी की मांग है कि किसी भी देवभूमि के 30 किलोमीटर के दायरे में मांस-मदिरा की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित की जाए। कार्यकारी अध्यक्ष गौरव गोस्वामी ने कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो हिंदू समाज पार्टी पूरे प्रदेश में आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा आस्था और धार्मिक गरिमा से जुड़ा है। आरोप लगाया कि वृंदावन पुलिस द्वारा गो भक्त दक्ष चौधरी, अभिषेक ठाकुर, अमित कुमार, युधिष्ठिर, दुर्योधन सहित कई साथियों पर कथित रूप से फर्जी धाराओं दर्ज मामलों को तत्काल हटाया जाए।

जवाहर भवन से चल रहा था फर्जीवाड़े का खेल

मदरसा बोर्ड फर्जीवाड़ा : पूरब से लेकर पश्चिम तक के कई जिलों में बांटे गए फर्जी अंकपत्र, दिलाई गई नौकरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जरूरत के हिसाब से गिरोह में शामिल कर्मचारी बदल देते हैं विभाग

अमृत विचार: मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकतालिकाओं, बदले हुए पन्नों, जाली दस्तावेजों व फर्जी नियुक्तियों के गिरोह का खुलासा हाल के दिनों में हुआ। इस गिरोह के खिलाफ ब्रिटेन की नागरिकता हासिल कर मदरसा शिक्षक के पद पर तैनात शमशुल हुदा खान के वेतन भुगतान की जांच के बाद कार्रवाई तेज हुई।

जब जांच का दायरा बढ़ा तो पूरब से लेकर पश्चिम के जिलों तक अपनी जड़े फैला चुके इस गिरोह के सदस्यों के नाम सामने आने लगे। इस फर्जीवाड़े में बोर्ड में बैठे अधिकारियों के शामिल होने की पुष्टि हुई। इस फर्जीवाड़े का सारा खेल राजधानी की बहुचर्चित बिल्डिंग जवाहर भवन के सातवीं मंजिल से किया जा रहा है। इस मंजिल पर वक्फ बोर्ड का आफिस है। जिसमें तैनात कर्मचारी जरूरत के हिसाब से अपना विभाग भी बदल देते हैं। कभी मदरसा बोर्ड में तैनाती दिखाते हैं तो कभी वक्फ बोर्ड में। इसी की आड़ में फर्जीवाड़े का खेल खुलेआम खेलते चले आ रहे हैं।

मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकतालिकाएँ कोई तकनीकी गलती नहीं, बल्कि एक संगठित ऑपरेशन है। इस संगठित ऑपरेशन का अनौपचारिक मुख्यालय है जवाहर भवन की सातवीं मंजिल का वक्फ कार्यालय और इसका संचालन पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट द्वारा किया जा रहा है। जवाहर भवन की सातवीं मंजिल के हर कोने में अब भी उन्हीं पुरानी फाइलों के बीच गिरोह के सदस्यों के साथ बैठे मिलते हैं। यहां मौजूद लोग कभी वक्फ विभाग के कर्मचारी होते हुए बिना किसी लिखित आदेश के मदरसा बोर्ड में संबद्ध रहे। वहीं कूट रचित फाइलों को तैयार करने, अंकपत्र बनाने और फर्जी सत्यापन के खेल में शामिल है।

चिकित्सकीय अवकाश के बाद भी जवाहर में उपस्थिति

- विभागीय सूत्रों के अनुसार पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की तैनाती मुरादाबाद मंडल में है। वह वर्तमान में चिकित्सकीय अवकाश पर चल रहे हैं। पर, यह अवकाश सिर्फ मुरादाबाद मंडल के कागजों में है। हकीकत में वह जवाहर भवन की सातवीं मंजिल पर रोज हाजिरी लगा रहे हैं। बैठक कर फाइलों पर अपने गिरोह द्वारा फर्जीवाड़े का खेल करवाने में जुटे हैं। चिकित्सकीय अवकाश के नाम पर वेतन का पूरा भुगतान हो रहा है। जवाहर भवन कर्मचारी संघ के पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जगमोहन सिंह बिष्ट का यह तरीका नया नहीं है। वर्षों से यही खेल करते चले आये हैं। उनकी पोस्टिंग जहाँ कहीं भी रही हो (प्रयागराज, मुरादाबाद या मिर्जापुर या कोई और जिला) वह हमेशा जवाहर भवन की सातवीं मंजिल पर ही मिलते हैं। सर्विलांस से उनकी लोकेशन निकाली जाए तो ज्यादातर समय जवाहर भवन में मिलेगा।

अमृत विचार Follow UP

शाम होते ही गुलजार होता है सातवां तल

- जवाहर भवन की सातवीं मंजिल मदरसा बोर्ड का साइड ऑफिस बन गया है। यहां रोज शाम सात बजे के बाद अंकपत्र गिरोह की सक्रियता बढ़ती है। सारे फर्जीवाड़े को हरी झंडी दी जाती है। इस गिरोह के मुख्य कर्ताधर्ता पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की तैनाती किसी भी जनपद या मंडल में हो, लेकिन उनका काम यहीं से संचालित होता है। वर्तमान में जगमोहन सिंह बिष्ट की तैनाती मुरादाबाद मंडल में है। पर, वह जवाहर भवन से ही अपनी ड्यूटी दे रहे हैं। सूत्रों की मानें तो वह वर्षों से इसी जगह से काम करते रहे हैं।

जानलेवा हमले में एक और आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर पुलिस ने जानलेवा हमले के प्रयास के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस अभी तक पांच को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। विनयखंड में एलडीए मार्केट में गोमतीनगर निवासी संदीप प्रताप सिंह से गोमतीनगर विस्तार निवासी संकल्प सिंह सिसोदिया ने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की थी। इस मामले में 6 सितम्बर को पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। आरोप लगाया था कि आरोपियों ने उनके ऊपर कार चढ़ाने का प्रयास किया था। पुलिस ने रविवार को सोमेंद्र यादव निवासी लौलाई बीबीडी को गिरफ्तार कर लिया है।

फेंसेडिल कफ सिरप गिरोह के मास्टर माइंड का पिता गिरफ्तार

सिंगापुर भागने के लिए पहुंचा था कोलकाता के दमदम एयरपोर्ट, सोनभद्र जिले की पुलिस ने दबोच लिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप गिरोह के मास्टर माइंड शुभम जायसवाल के पिता भोला प्रसाद जायसवाल को सोनभद्र पुलिस ने कोलकाता के दमदम एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। वह सिंगापुर भागने की फिराक में था। एसपी सोनभद्र अभिषेक वर्मा ने बताया कि आरोपी थाईलैंड की फ्लाईट में बैठने वाला था, इससे पहले दबोच लिया गया।

आरोपी भोला जायसवाल

पुलिस के मुताबिक आरोपी भोला जायसवाल शैली टेड्रर्स का मालिक है। सोनभद्र में ही वहां के औषधि निरीक्षक राजेश कुमार मौर्य की जांच में सबसे पहले सिरप गिरोह का खुलासा हुआ। मौर्य की जांच में सगे भाइयों के दो मेडिकल स्टोरों की भूमिका सामने आई। जांच में पता चला था कि रांची स्थित फर्म शैली ट्रेडर्स ने सोनभद्र की मेसर्स मां कृपा मेडिकल एवं मेसर्स शिविक्षा फार्मा को 7,53,000 शीशी (7.53 करोड़ एमएल) कोडीनयुक्त सीरप बेची। यह मात्रा न केवल संदिग्ध थी, बल्कि दुकानों पर वास्तविक भंडारण या बिक्री का कोई साक्ष्य भी नहीं मिला। प्रकरण में कब तस्करी गिरोह के मुख्य सरगना शुभम के पिता भोला जायसवाल सहित दो फार्मा संचालकों (सगे भाइयों) के खिलाफ राबर्टसगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। रविवार को सिरप तस्करी गिरोह के मास्टर माइंड शुभम के पिता भोला को सोनभद्र पुलिस की एसआईटी प्रभारी सदानंद राय और एसओजी प्रभारी राजेश चौबे की संयुक्त टीम ने पकड़ लिया।

शुभम दुबई में बैठकर फेसटाइम पर संचालित कर रहा गिरोह

- रांची और गाजियाबाद में पुलिस व एसटीएफ टीम द्वारा गिरोह सौरभ त्यागी, विभोर राणा आदि की गिरफ्तारी के बाद शुभम जायसवाल अपने परिवार और पार्टनर वरुण सिंह, गौरव जायसवाल के साथ दुबई भाग गया है। वह फेसटाइम एप के माध्यम से गिरोह को वहीं से संचालित कर रहा है। शुभम जायसवाल व उसके पार्टनर, अमित सिंह टाटा सहित अन्य कई लोगों के नाम से फर्जी फर्म बनवाकर फेंसाडिल कफ सिरप के कूटरचित बिल और ई-वे बिल तैयार करते थे तथा फर्जी खरीद-बिक्री दिखाकर तस्करों को माल बेचकर भारी मुनाफा कमाते थे। इसमें एबॉट कंपनी का अधिकारी भी संलिप्त बताया जा रहा है।

काले कारोबार में आठ वर्ष से जुटा है शुभम

- 2018 से शुभम अवैध धंधे में लिप्त था। उसके रैकेट से जुड़े सभी सदस्यों ने कि करोड़ों की कमाई की। दो वर्ष में शुभम ने दुकानों और प्रॉपर्टी में मोटा इन्वेस्टमेंट किया। बादशाह बाग वाला आलीशान मकान भी दो साल पहले ही खरीदा। दो साल पहले शुभम जिस डीलर प्रशांत उपाध्याय से माल लेने आता था उसकी पूरी दुकान ही खरीद ली। दुकान राधिका एंटरप्राइज़ के नाम से संचालित थी, अब उसे अब न्यू वृद्धी फार्मा नाम दिया है। अधिकारियों, यूनियन और डिपार्टमेंट हर जगह शुभम ने अपने संपर्क बनाए, कट मनी दिया और धड़ल्ले से अवैध कारोबार किया।

100 से अधिक अधिकारी माफिया व सफेदपोश शामिल

- एसटीएफ के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वांचल, बिहार, झारखंड और दिल्ली के सौ से अधिक लोग रडार पर हैं। इनमें माफिया, सफेदपोश, व्यापारी, ट्रांसपोर्टर और अन्य आपराधिक प्रवृत्ति के लोग शामिल हैं। दवा कंपनियों के बड़े अधिकारी भी गिरफ्तारी के दायरे में आ सकते हैं। दवा कंपनियों और ड्रग विभाग के पूर्व अधिकारियों के संरक्षण में यह सिंडिकेट फलफूल रहा था। अमित सिंह टाटा के संपर्क में रहने वालों और उसके साथ कारोबार में जुड़े लोगों की गिरफ्तारी भी तय मानी जा रही है। अमित सिंह पर वाराणसी व लखनऊ के कई थानों में हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं।

पूर्वांचल की 173 फर्मों को की गई थी सप्लाई

- फेंसेडिल कफ सिरप गिरोह ने पूर्वांचल की 173 फर्मों को सिरप की आपूर्ति की थी। इस गिरोह ने वाराणसी व आसपास के 10 जिलों में सौ करोड़ से अधिक का काला कारोबार किया। मास्टर माइंड शुभम के गृह जनपद वाराणसी की 126 फर्म को कफ सिरप सप्लाई की थी, जिसमें 40 का कोई रिकार्ड ही नहीं मिला। दूसरे नंबर पर अमित सिंह टाटा के गृह जनपद जौनपुर में 28 फर्म को सप्लाई की गई थी। इस मामले में पूर्वांचल में 50 से अधिक मामले दर्ज किये जा चुके हैं। वहीं, जांच में सामने आया कि गिरोह ने करोड़ों रुपये की जीएसटी भी चोरी की है। जांच में सामने आया कि जिन फर्मों को फेंसेडिल कफ सिरप सप्लाई की गई थी। उसमें सर्वाधिक मास्टर माइंड शुभम के पिता भोला के नाम से थी। इसमें कई बंद फर्मों को भी सप्लाई की गई थी। वाराणसी में 126, जौनपुर में 28, आजमगढ़ में 3, चंदौली में 7, गाजीपुर में 5 और भदोही में 4 फर्मों को कफ सिरप दिया गया। फर्म के नाम अलग होने के कारण लंबे समय तक किसी को संदेह नहीं हुआ।

अमृत विचार Follow UP

40 फर्मों का रिकार्ड नहीं, 30 मिली बंद

- अब तक की जांच में बनारस की 40 फर्मों का रिकॉर्ड नहीं मिला, जिन पर मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा 30 से अधिक फर्मे बंद हैं और उनके मोबाइल नंबर भी बंद हैं। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में इस मामले में अब तक 50 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं। वहीं, बची हुई फर्मों की जांच जारी है। ड्रग इंस्पेक्टर ने वाराणसी की 11 फर्मों को कफ सिरप की खरीदफरोख्त के रिकार्ड उपलब्ध कराने के लिए नोटिस जारी किया है। इस मामले में एसटीएफ ने लखनऊ से कुछ दिन पहले अमित सिंह टाटा को गिरफ्तार किया है। उसके फर्म के बारे में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि श्री फार्मा से कब और कितने कफ सिरप की आपूर्ति की गई थी। अमित की फर्म को शुभम संचालित करता था अमित टाटा की बनारस स्थित फर्म का संचालन शुभम जायसवाल करता था। एसटीएफ की पूछताछ में अमित ने कबूला कि फर्म का वास्तविक संचालन शुभम कर रहा था और इस फर्म से लगभग आठ लाख रुपये का मुनाफा शुभम ने उसे दिया। सभी फर्मों की जांच की जा रही है। जिनका रिकॉर्ड नहीं मिल रहा है उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जा रही है। राज्य कर विभाग के उच्चाधिकारियों ने अधीनस्थ अधिकारियों व खंड अधिकारियों को फर्मों का डेटा एकत्र करने का आदेश दिया है। वहीं, इस मामले में जौनपुर में चार फर्म के खिलाफ तहरीर दी गई है। इसमें दिल्ली की वान्या इंटरप्राइजेज, आकाश मेडिकल एजेंसी, शिवम मेडिकल एजेंसी व मनीष मेडिकल एजेंसी शामिल है। इन फर्मों ने 2.61 करोड़ रुपये की दवाएं बेची हैं। वहीं, पुलिस की जांच में सामने आया कि कानपुर के अग्रवाल ब्रदर्स ने प्रयागराज व वाराणसी में फेंसेडिल कफ सिरप की आपूर्ति की है। साथ ही कानपुर के कई अन्य दुकानदार भी वाराणसी, प्रयागराज, पंजाब, बिहार के कई जिलों में दवाएं बेची है। इसकी जांच की जा रही है।

छह जिलों में 11 फर्म पर एफआईआर

- खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने रविवार को सूचना जारी किया। जिसके मुताबिक छह जिलों के 11 फर्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। उन पर अपर्याप्त भंडारण व्यवस्था, फर्म का अस्तित्व न होना, केवल अवैध बिलिंग प्वाइंट के रुप में स्थापना, क्रय-विक्रय अभिलेख को प्रस्तुत न करने जैसे आरोप हैं। इसकी पुष्टि होने के बाद शुक्रवार व शनिवार को छह जिलों के 11 फर्म संचालकों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इसमें जौनपुर के विशाल उपाध्याय की वान्या एनप्राइज, आकाश मौर्य की आकाश मेडिकल स्टोर, अरुण सोनकर की मनीष मेडिकल स्टोर, शिवम कुमार मौर्य की शिवम मेडिकल स्टोर, भदोही के आंशिक गुप्ता की राजेंद्र एंड संस, दिलीप कुमार की दिलीप मेडिकल स्टोर, सोनभद्र के सत्यम कुमार की माँ कृपा मेडिकल स्टोर, विजय गुप्ता की शिविष्का फार्मा, लखीमपुर खीरी के सरोज कुमार मिश्रा की पीयूष मेडिकल एजेंसी, प्रयागराज के मो. सैफ की एमके हेल्थकेयर और बहराइच के नीरज कुमार दीक्षित की बिना नाम के संचालित अवैध मेडिकल स्टोर शामिल हैं। इस मामले में औषधि विभाग ने कुल 98 फर्मों और उनके संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। जिसमें वाराणसी के 28, जौनपुर के 16, कानपुर नगर के आठ, लखीमपुरखीरी के चार, लखनऊ के तीन और अन्य जनपदों के 39 मेडिकल फर्म शामिल हैं।

टाटा से जुड़े हर ठिकाने पर होगी छापेमारी

- एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक अमित सिंह टाटा से जुड़े सभी ठिकानों पर निगरानी रखी जा रही है। यदि कोई संदिग्ध या दस्तावेज मिलता है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी के बाद स्थानीय पुलिस ने उसके गांव में छापा मारा था। लोगों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन पुलिस ने किसी को घर के अंदर नहीं जाने दिया। एहतियातन आसपास के क्षेत्र में भी पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। जांच एजेंसियां अब उनके राजनीतिक और कारोबारी नेटवर्क की भी गहन पड़ताल कर रही हैं।

असम तक जुड़े कफ सिरप तस्करों के तार, तीन संदिग्धों की तलाश

- **अमृत विचार, लखनऊ :** फेंसेडिल कफ सिरप के मामले में शुभम जायसवाल, आलोक सिंह व अमित सिंह टाटा के अलावा तीन और संदिग्ध एसटीएफ के निशाने पर हैं। यह तीनों संदिग्ध गिरोह से सीधे तौर पर जुड़े हैं। वहीं, प्रॉपर्टी समेत कई अन्य धंधों में लिप्त हैं। एसटीएफ इनके खिलाफ साक्ष्य जुटा रही है। वहीं, एसटीएफ ने बताया कि तस्करी के तार असम तक जुड़े हैं। एक फर्म असम के नाम भी रजिस्टर्ड है। फर्म मालिक और अन्य जानकारी के लिए वहां की पुलिस से संपर्क किया जा रहा है। एसटीएफ ने बताया कि फेंसेडिल कफ सिरप के मामले में शुभम जायसवाल, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह और अमित सिंह टाटा का नाम तो सामने आ गया, लेकिन अभी तीन और लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह वह लोग हैं जो लखनऊ, वाराणसी समेत अन्य जगहों तक तस्करी करने में अहम भूमिका निभाते थे। जांच में असम की भी एक फर्म सामने आई है। उसके जरिए कितना माल लिया गया था, यह पता लगाया जा रहा है। तस्करी के दौरान सिरप पकड़ी न जाए तो चावल की बोरी में भर कर भेजते थे। ताकि चेकिंग के दौरान सिरप पकड़ी न जाए। इसके लिए एक गिरोह भारी मात्रा में चावल भी खरीदता था। गिरोह की पूरी जानकारी जुटाने के लिए अलग-अलग कई टीमें लगी हुई है।

बर्खास्त सिपाही ने लखनऊ में किया 15 करोड़ का निवेश

- मकान व भूखंड खरीदने में निवेश किये करोड़ों रुपये
- फरार बर्खास्त सिपाही आलोक की तलाश में एसटीएफ संभावित ठिकानों पर दे रही दबिश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी में एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की भूमिका जांच का दायरा बढ़ने के साथ साफ होती जा रही है। आलोक सिंह ही प्रमुख था। गिरोह में उसका प्रभाव पूर्व सांसद धनंजय सिंह का करीबी होने के कारण अधिक था। वह जो कहता था वही गिरोह के लोग करते थे। इसी का फायदा उठाते हुए उसने गिरोह की कमान अपने हाथ में लेनी शुरू कर दी थी। पुलिस के मुताबिक आलोक सिंह ने बीते एक वर्ष में लखनऊ में 15 करोड़ रुपये निवेश किए हैं।

एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक आलोक सिंह को कफ सिरप की तस्करी में पांच लाख रुपये निवेश करने पर जब 25 लाख रुपये का मुनाफा मिला। इसके बाद वह कारोबार से सीधे तौर पर जुड़ना चाहा। उसने गिरोह पर धीरे-धीरे कमांड करना शुरू कर दिया। तस्करी से लेकर खरीददारी तक में आलोक की दखल थी। अमित सिंह टाटा और शुभम जायसवाल के साथ करोड़ों रुपये की कमाई करने लगे। उन रुपयों को खपाने के लिए आलोक ने राजधानी में निवेश करना शुरू कर दिया। मकान, जमीन समेत अन्य चीजें खरीदना शुरू कर दी। यही नहीं, उसने लखनऊ में पूर्व सांसद धनंजय के घर के पास ही अपना भी एक मकान खरीद लिया। जून महीने में उसने गृह प्रवेश किया, तो सभी को बुलाया था। पुलिस के मुताबिक उसने सिरप के अवैध धंधे में आने के बाद 15 करोड़ रुपये से ज्यादा राजधानी में निवेश किया था। पुलिस इसका पता लगा रही है कि आलोक ने कहां-कहां रुपया लगाया था। उधर, कफ सिरप मामले में उसका नाम सीधे तौर पर जुड़ने से आलोक फरार हो गया और सरेंडर की तैयारी कर रहा है। फिलहाल, एसटीएफ उसकी गिरफ्तारी के लिए विभिन्न इलाकों में दबिश दे रही है।

एसटीएफ अधिकारी के मुताबिक आलोक के लखनऊ में कई ठिकाने हैं। जिसमें राजाजीपुरम निवासी सपा नेता भाई, इंदिरानगर तकरोही निवासी डब्बू यादव व अन्य लोगों के नाम हैं। इन्हीं लोगों के यहां आलोक के छिपे होने की जानकारी एसटीएफ को लगी है। फिलहाल, एसटीएफ दबिश दे रही है।

उधर, तकरोही निवासी डब्बू यादव के खिलाफ भी एसटीएफ जानकारी जुटा रही है, क्योंकि उसका नाम भी सिंडीकेट से जुड़े होने की बात सामने आ रही है। ऐसे में एसटीएफ के हाथ कोई तथ्य लगने पर गिरफ्तारी की जाएगी। जांच में सामने आया कि आलोक के नाम दो फर्म है। उन फर्म की पूरी जानकारी निकाली जा रही है। उसकेहर एक लेन-देन के बारे में पता किया जाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक आलोक ने जहां-जहां रुपये लगाया था, उसकी पूरी डिटेल जुटाई जा रही है। संबंधित विभागों की मदद से उससपर भी कार्रवाई की जाएगी।

11 और फर्मों के विरुद्ध दर्ज हुई रिपोर्ट

- **अमृत विचार लखनऊ :** खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उत्तर प्रदेश ने कोडीनयुक्त कफ सिरप व एनडीपीएस श्रेणी की दवाओं के अवैध व्यापार पर प्रदेश भर में बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 98 प्राथमिकियां दर्ज कराईं। वाराणसी में सबसे ज्यादा 28, जौनपुर में 16 और कानपुर नगर में 8, लखीमपुर खीरी 4, लखनऊ 3 और रायबरेली, चंदौली, सुल्तानपुर व गाजीपुर सहित अन्य जिलों से 39 मामले सामने आए। एफएसडीए की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार लगातार की जा रही कार्रवाई के क्रम में 28 और 29 नवंबर को भी 6 जनपदों जौनपुर, भदोही, सोनभद्र, लखीमपुर खीरी, प्रयागराज और बहराइच में चलाए गए अभियान में 11 फर्मों से अवैध विक्री की पुष्टि होने पर संचालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

अपराध | जालसाज पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने की तैयारी

नीट के नाम पर सहारनपुर में दर्जनभर लोगों से की ठगी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

- नीट प्रवेश व पास कराने के नाम पर सौ करोड़ से अधिक की ठगी का मामला
- सरगना के खिलाफ दर्ज सहारनपुर के मामलों की डिटेल खंगाल रही पुलिस

अमृत विचार : नीट यूजी-पीजी में पास कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ साइबर क्राइम थाने की जांच का दायर बढ़ता जा रहा है। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने सरगना व मास्टर माइंड अभिनव शर्मा उर्फ प्रेम प्रकाश के खिलाफ सहारनपुर में दर्ज मामलों की डिटेल मंगाई है। शुरुआती जांच में सामने आया कि सहारनपुर में प्रेम प्रकाश ने 15 से 20 लोगों से करोड़ों रुपये ठगे थे। इसके अलावा कई अन्य जनपदों से भी ब्योरा मांगा गया है।

साइबर थाने के इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव के मुताबिक जालसाज प्रेम प्रकाश को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए सारे अहम दस्तावेज तैयार किये जा रहे हैं। आरोपी को रिमांड पर लेकर उसके गिरोह के संबंध में पूछताछ की जाएगी। डीपीएस की फ्रेंचाइजी के नाम पर ठगी का मामला करीब 10 साल पुराना है। इस लिए पुलिस को अभी तक उसका कोई पीड़ित नहीं मिला है। पुलिस उसके पीड़ितों के बारे में भी प्रेम प्रकाश से पूछताछ करेगी। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक सहारनपुर पुलिस से प्रेम प्रकाश के संबंध में ब्यौरा मांगा गया है। गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के बारे में कई अहम जानकारियां मिली हैं। जल्द ही उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी। इसके साथ ही उसकी संपत्तियों का ब्यौरा भी खंगाला जा रहा है। संपत्तियों की जानकारी मिलने के बाद प्रेम प्रकाश उसके साथी संतोष और अन्य के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई कराकर कुर्की की जाएगी।

यह है मामला

- साइबर थाने की पुलिस टीम ने कठौता झील के पास से बुधवार को अभिनव शर्मा उर्फ प्रेम प्रकाश विद्यार्थी उर्फ राजीव सिंह उर्फ सर्वेश शुक्ला और उसके साथी संतोष को गिरफ्तार किया था। प्रेम प्रकाश बिहार के जिला औरंगाबाद के बारुण सीरीस फतेहपुर का रहने वाला है। उसका साथी संतोष समस्तीपुर के सराई दाल सिंह का रहने वाला है। विभूतिखंड और साइबर क्राइम थाने में नीट में दाखिले और पास कराने के नाम पर ठगी करता था। उसने http://studypathway consultancy.com और हिंद मेडिकल कॉलेज के नाम से फर्जी वेबसाइट बना रखी थी। हिंद मेडिकल कॉलेज और कई अन्य ले लोगों को नीट (यूजी-पीजी) में दाखिला और पास कराने के नाम पर ठगी करता था।

अमृत विचार Follow UP

कार सवार की टक्कर से गिरने वाली बीएलओ का बैग लेकर भागा बदमाश

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा कस्बे में शनिवार की शाम कार चालक के तांडव के दौरान स्कूटी से गिरने से गर्भवती बीएलओ का बैग छिटककर दूर जा गिरा था। इसी दौरान बाइक सवार बदमाश बैग लेकर फरार हो गया था। लोगों ने पीछा किया लेकिन वह नहीं मिला था। पीड़िता ने बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। बताया कि बैग में सरकारी टेबलेट व एसआईआर से संबंधित पेपर थे। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों की मदद से मामले की जांच कर रही है। बताते चलें कि बंथरा कस्बे में शनिवार शाम करीब पांच बजे एक क्रेटा कार सवार ने ऑटो को रोककर चालक की पिटाई कर दी थी। आक्रोशित कार चालक भड़क गया और बचाव करने पहुंचे लोगों से हाथापाई शुरू कर दी।

कार की टक्कर से पलटा ई-ऑटो मजदूर की जान गई, दो घायल

संवाददाता, गोसाईंगंज

- घायल ट्रामा सेंटर में भर्ती, गंगागंज इलाके में हुआ हादसा

अमृत विचार: थाना क्षेत्र स्थित गंगागंज इलाके में शनिवार देर रात बेकाबू कार ने ई-ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर से ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गयी, जबकि चालक समेत दो लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची गोसाईंगंज पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

इंस्पेक्टर ने बताया कि बाराबंकी के सुबेहा स्थित इस्माइलपुर निवासी बंटी (27) दिहाड़ी मजदूर था। शनिवार रात वह साथी मजदूर महेश यादव निवासी ग्राम कमेला सुबेहा के साथ ई-ऑटो से सुल्तानपुर रोड होते हुए घर जा रहा था। रास्ते में गंगागंज के पास बेकाबू कार की टक्कर से ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में बंटी, महेश और चालक सोनू निवासी ग्राम इस्मालपुर सुबेहा बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद चालक मौके से कार लेकर भाग निकला। राहगीरों ने डॉयल-112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बंटी को मृत घोषित कर दिया। अन्य दोनों घायलों की हालत नाजुक देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने परिवार को सूचना देने के साथ ही क्षतिग्रस्त ऑटो को चौकी के पास खड़ा करा दिया गया है। मृतक के परिवार में पत्नी पूजा और दो बेटे हैं।

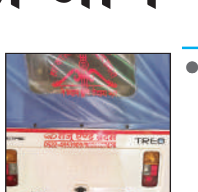
गोसाईंगंज ऑटो

सड़क हादसे में युवक की मौत

- **अमृत विचार, लखनऊ :** निगोहां के सैदापुर निवासी संतोष (26) बाइक से ससुराल उसर-बरौली जा रहा था। फुलवरिया मोड़ के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे पीजीआई ट्रामा सेंटर पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी हुई लापता आरोपियों पर केस

शाहाबाद, हरदोई। बेहटा थाना क्षेत्र में किशोरी को फुसला कर भगा ले जाने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक और उसके मां-बाप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। थाना क्षेत्र निवासी व्यक्ति के अनुसार उसकी 16 वर्षीय पुत्री 26 नवंबर की रात्रि 11:30 बजे लापता हो गई। उसे कोडरा का सूरज फुसला कर भगा ले गया है। पीड़ित पिता ने ग्राम कोडरा थाना लोनार निवासी आरोपी सूरज, उसके पिता शिव कुमार पासी व मां पर आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। प्रभारी निरीक्षक बेहटा गोकुल ने बताया तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

दो वारंटी गिरफ्तार

टड़ियावां, हरदोई। पुलिस ने फरार चल रहे दो वारंटियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि न्यायालय से जारी एनबीडब्ल्यू वारंट के अनुपालन में अभियुक्त जमुना प्रसाद निवासी कोतवाली देहात के ग्राम रिक्खा पुरवा को उसके हाल पता थाना क्षेत्र के गांव नारा पुरवा अहिरोरी से गिरफ्तार किया गया। जबकि दूसरे वारंटी थाना क्षेत्र के गांव सराय निवासी श्रवण कुमार को गिरफ्तार कर किया गया है।

ग्राम प्रधान से अभद्रता करने पर रिपोर्ट दर्ज

टड़ियावां, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव पाला के प्रधान अनीस ने पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट लिखाई है। उसने आरोप लगाया कि गांव के विपक्षी कैलाश कुमार व उसकी पत्नी अपने फेसबुक आईडी के जरिए तरह तरह के झूठे और निराधार वीडियो बनाकर वायरल करते हुए छवि धूमिल कर रहा है। प्रधान ने कहा कि गांव निवासी होने के चलते उसने काफी समझाया, लेकिन आदत में सुधार नहीं आया। ग्राम प्रधान ने कहा कि कुछ दिन पहले विपक्षी ने उसको एक डिग्री कॉलेज के पास गालियां देते हुए धक्का मार दिया। जिससे वह जमीन पर गिर गया। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि प्रधान की तहरीर पर आरोपी दंपति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

30 जोड़ों ने लिए सात फेरे, 5 ने कबूल किया निकाह

संवाददाता, हरदोई

- वरदान चैरिटेबिल ट्रस्ट ने सामूहिक विवाह समारोह का कराया आयोजन

अमृत विचार। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार को शहर के घंटाघर में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 35 जोड़ों ने एक-दूजे के साथ अपनी नई जिंदगी की शुरुआत की। समारोह में 30 हिन्दू युगल जोड़ों ने सात फेरे लेकर एक-दूजे को वरमाला पहनाई। वहीं 5 मुस्लिम समुदाय के जोड़े ने निकाह कुबूल किया।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर एवं श्री सरस्वती सदन के अध्यक्ष श्रवण कुमार मिश्रा राही बारात लेकर गांधी भवन से घंटाघर पहुंचे। जहां बारात का स्वागत मुख्य अतिथियों और वरदान ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन विशिष्ट अतिथि बोर्ड आफ गवर्नेंस सैनिक स्कूल सोसाइटी रक्षा मंत्रालय के सदस्य प्रो. आशुतोष मिश्रा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा मौजूद रहे।

विवाह संस्कार विधि विधान से गायत्री परिवार से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार अतुल कपूर और उनकी टोली के द्वारा संपन्न कराए गए विधि विधान से नव दंपतियों के भावर कार्यक्रम और जयमल कार्यक्रम भी गायत्री परिवार के द्वारा संपन्न हुए। कार्यक्रम में 30 दंपतियों के हिंदू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुए। वहीं पांच मुस्लिम जोड़ों का निकाह शहर काजी द्वारा संपन्न कराया गया। सभी नवदंपतियों को ट्रस्ट की तरफ से दहेज भी दिया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सचिव अतुल कांत द्विवेदी, वरिष्ठ ट्रस्टी अरुणेश बाजपेई, अविनाश मिश्रा, रफी अहमद के प्रबंधक सुयश बाजपेई, पूर्व पालिका अध्यक्ष राम प्रकाश शुक्ला, अनिल सिंह वीरू, सरवन दीक्षित, आलोकिता श्रीवास्तव समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंच का संचालन अनिल श्रीवास्तव ने किया। संचालन वैवाहिक कार्यक्रमों के लिए वरिष्ठ पत्रकार एवं गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता अतुल कपूर को सौंप दिया गया।

सामूहिक विवाह में मौजूद जोड़े व आशीर्वाद देते अतिथि। अमृत विचार

सुखमय दांपत्य जीवन का बताया सूत्र

मुख्य यजमान प्रबंध न्यासी भुवन चतुर्वेदी और रश्मि चतुर्वेदी मौजूद रही। न्यायमूर्ति श्री जैन ने नव दंपतियों को प्रेम पूर्वक शांति के साथ जीवन के सफर की शुरुआत करने और एक के उग्र होने पर दूसरे के शांत रहने की सलाह दी। प्रो. श्री मिश्रा ने सामूहिक विवाह संस्कार की प्रशंसा करते हुए ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की। पुलिस अधीक्षक श्री मीणा ने इस कार्य को सच्ची सेवा सेवा बताया।

सामूहिक विवाह समारोह में वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की स्मारिका का विमोचन करते अतिथि।

अतिथियों ने ट्रस्ट की स्मारिका का किया विमोचन

हरदोई। सामूहिक विवाह समारोह में वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की स्मारिका का भी विमोचन किया गया। वर्ष 2025 की स्मारिका का विमोचन मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय राजस्थान के माननीय न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर डॉ. आशुतोष मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने किया स्मारिका के संपादक मंडल में प्रधान संपादक अरुणेश बाजपेई के अलावा संपादक कंचन वाजपेई और महेश मानव रहे जिन्होंने इस स्मारिका का मुख्य अतिथियों के द्वारा विमोचन संपन्न कराया।

वोटरों का हर सम्भव सहयोग करें बीएलओ : डीएम

जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने एसआईआर अभियान के तहत हो रहे कार्यों का लिया जायजा

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अनुनय झा ने रविवार को मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत बूथों पर चलाये जा रहे विशेष अभियान के कार्यों का निरीक्षण किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सर्वप्रथम वेणी माधव इण्टर कालेज के बूथ संख्या-272, 273, 274, 275 तथा आईटीआई के बूथ संख्या-233, 234, 235, 236, 237, 238 तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय नयागांव के बूथ संख्या-107 व 108 तथा राजा टोडरमल प्रशिक्षण के बूथ संख्या-146, 147, 148, 149 का निरीक्षण किया। बीएलओ का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि गणना प्रपत्र भरने वाले मतदाताओं का हर सम्भव सहयोग करें और गणना कार्य का ससमय पूर्ण करें। भ्रमण के दौरान प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित संबंधित बूथों के बीएलओ तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा सीडीओ सान्या छाबड़ा ने एसआईआर अभियान के तहत रफी अहमद किदवई इंटर कॉलेज, नॉर्मल स्कूल बिलग्राम चुंगी में चल रहे कार्य का निरीक्षण किया गया तथा बीएलओ एवम् मतदाताओं से बात करके एसआईआर कार्य को समय पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

गणना कार्यों का निरीक्षण करते डीएम अनुनय झा। अमृत विचार

जिले को बाल विवाह मुक्त करना लक्ष्य : संतोष

हरदोई, अमृत विचार। जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार निगम ने बताया है कि बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान 100 दिवसीय विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग एवं पेस संस्था के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह निषेध जागरुकता अभियान के तहत प्रथम चरण में ग्रामोदय इंटर कॉलेज डिघिया-खेरिया की छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली। जिसमें हमको प्यार दुलार चाहिए।

बीएलओ धैर्य, साहस एवं पूरे मनोयोग से कार्य करें

हरदोई, अमृत विचार। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर रविवार को जनपद के समस्त बूथों पर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत गणना प्रपत्र वितरण के सापेक्ष प्राप्त हो रहे गणना प्रपत्र करने एवं कार्य प्रगति की जानकारी के लिए जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी अनुनय झा ने स्वामी विवेकानन्द सभागार में वीडियो कान्फ्रेन्स के माध्यम से विभिन्न बूथों पर गणना कार्य में लगे 40 बीएलओ से सीधा संवाद किया तथा सभी की सराहना करते हुए कहा कि कार्य कठिन अवश्य है परन्तु नामुमकिन भी नहीं है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दी गयी समय सीमा में इस कार्य को पूर्ण करना है और इसके लिए आप सभी बीएलओ धैर्य, साहस एवं पूरे मनोयोग से गणना कार्य को शतप्रतिशत पूर्ण करें तथा आज आने वाले सभी मतदाताओं को मतदाता लिस्ट के अनुसार पूर्ण जानाकरी उपलब्ध कराये और जिन लोगों ने अभी तक गणना प्रपत्र भरकर जमा नहीं उनके गणना प्रपत्र जमा कराने का प्रयास करें।

मतदाताओं के प्रपत्र भरवाने में जुटे कार्यकर्ता। अमृत विचार

बूथ पर पहुंचकर भरवाए एसआईआर फार्म

हरपालपुर, हरदोई, अमृत विचार। एसआईआर को लेकर भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मतदाताओं के प्रपत्र भरवाने में जुटे हैं। भाजपाई एसआईआर को लेकर बूथ-बूथ पर पहुंचकर लोगों के फार्म भरवाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। रविवार को भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश मिश्रा ने हरपालपुर ब्लॉक के 299,300,311,293 सहित तमाम बूथों पर जाकर लोगों से संपर्क कर प्रपत्र भरवाये। इस मौके पर श्री मिश्र ने बताया कि एसआईआर अभियान बहुत ही महत्वपूर्ण अभियान है। प्रत्येक मतदाता की जिम्मेदारी है कि उन्हें एसआईआर फार्म भरकर जमा करने चाहिए। भाजपा भी इस अभियान में सहयोग कर रही है। बूथों पर कार्यकर्ता एसआईआर फार्म भरवाने में लगातार सहयोग कर रहे हैं। कोई भी मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। उन्होंने साथी कार्यकर्ताओं से कहां कि घर-घर पहुंचकर लोगों से संपर्क करें। बूथ मजबूत होगा तो पार्टी मजबूत होगी।

पांच ससुरारीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जमलापुर निवासी विवाहिता ने फर्रुखाबाद जनपद निवासी पति सहित पांच लोगों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज करवाया है। विवाहिता रोली पाल पुत्री राधेश्याम पाल निवासी जमुलापुर के अनुसार उसका विवाह चार वर्ष पूर्व फर्रुखाबाद जनपद के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम आबाद नगर मेहरूपुर निवासी अजीत पाल पुत्र रामपाल के साथ हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद पति, ससुर, सास नन्ही देवी, देवर विकास पाल, ननद शिवानी अतिरिक्त दहेज में बोलेरो की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे। इसी बीच उसने अपने पिता के घर एक पुत्र को जन्म दिया। वापस ससुराल जाने पर फिर से परेशान किया जाने लगा। जिसके चलते वह मायके आकर पिता के घर रह रही है। प्रभारी निरीक्षक उदयभान यादव ने बताया तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

बेकाबू कार ने बाइक व दो साइकिलों में मारी टक्कर

संवाददाता, हरदोई

- हादसे में साइकिल सवार युवक की मौत, बोनट में फंसा रहा शव
- रेलवे ट्रैक पर शव फेंकते समय लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

अमृत विचार। हरदोई-पिहानी रोड पर तेज रफ्तार कार बाइक में टक्कर मारते ही बेकाबू हो गई। उसने तीन अलग-अलग साइकिल सवारों को टक्कर मारी। जिसमें से साइकिल सवार युवक की मौत हो गई और उसका शव कार के बोनट में जा फंसा। बदहवास कार सवार लोग आगे जाकर शव रेलवे ट्रैक के पास फेंककर भागने लगे। उसी बीच पीछा कर रहे लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि कार कब्ज़े में ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

हरियावां थाने के देवरिया प्रसिद्ध नगर मजरा शाहपुर बिनौरा निवासी गोविंद (25) पुत्र संजय रविवार को अपनी दादी लीला (60) पत्नी लालाराम और चचेरे भाई पवन (8) पुत्र सुरजीत को बाइक से ले कर दादी की भतीजी रुचि के घर फर्दापुर जा रहा था। रास्ते में पोखरी के पास उसे पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार घायल हो गए। उसके बाद बेकाबू हुई कार ने साइकिल से जा रहा 19 वर्षीय अच्छेलाल पुत्र वीरेंद्र और उसका भाई आज़ाद वर्मा (17) और कुछ दूर पर तीसरे बाइक सवार को टक्कर मारी। उछल कर सीधे बोनट पर गिरते ही उसकी मौत हो गई और उसका शव बोनट में फंस गया। हड़बड़ाहट में कार सवारों ने फ्लाई ओवर से सर्विस रोड पकड़ा और पिहानी रोड वाले रेलवे ट्रैक पर पहुंचे। उन्होने बोनट में फंसे शव को निकाल कर जैसे ही ट्रैक पर फेंका, उसी बीच पीछे से आ रही भीड़ ने उन्हे पकड़ लिया। तभी वहां पुलिस पहुंची और कार सवारों को पकड़ लिया। पुलिस ने शव और कार सवार लोगों को कब्ज़े में ले लिया। हादसे का शिकार हुए साइकिल सवार की शिनाख्त पूरा बहादुर निवासी 42 वर्षीय वीरेंद्र पुत्र सुंदरलाल के रूप में हुई है। वीरेंद्र के परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा एक बेटा व एक बेटी है। वीरेंद्र के भाई रामेंद्र की तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है।

हादसे के बाद कार को कब्जे में लेती पुलिस व वीरेंद्र की फाइल फोटो (इनसेट में)।

'दितवा' के प्रभाव से प्रदेश में बढ़ेगी ठंड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अगले 48 घंटे में बादल छाने की संभावना कुछ जिलों में शीतलहर का अलर्ट

अमृत विचार : प्रदेश में सोमवार यानि 1 दिसंबर से सर्दी अपना और सख्त मिजाज दिखाने जा रही है। मौसम विभाग ने लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, इटावा, बरेली, मुजफ्फरनगर समेत कई अन्य जिलों में जहां शीतलहर का अलर्ट जारी किया है, वहीं कई जिलों में कोहरे का अनुमान जताया है।

इस बीच तूफान दितवा का प्रभाव भी अब उत्तर प्रदेश तक पहुंचने लगा है। ऐसे में अगले 48 घंटों में बादल छा सकते हैं, जिससे दिन का तापमान गिरने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, एक दिसंबर से ठंड की रफ्तार बढ़ेगी। कई जिलों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा सकता है, अधिकतम तापमान लुढ़क कर 20 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है। उधर, दक्षिण भारत में भारी बारिश कराने वाला तूफान अब उत्तर भारत के मौसम में भी बदलाव ला सकता है। चक्रवाती तूफान दितवाह धीरे-धीरे उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित करने लगा है।

कानपुर में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि तूफान की दिशा और गति अभी बदल रही है, इसलिए उत्तर प्रदेश पर इसका कितना असर पड़ेगा, यह साफ नहीं है। फिर भी माना जा रहा है कि ऊंचे बादल और हल्की ठंडी हवाएं दिन के तापमान को नीचे ला सकती हैं। इससे पहले शनिवार को कानपुर में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री रहा, वहीं इटावा में 8 डिग्री सेल्सियस, बरेली में नौ डिग्री सेल्सियस और हरदोई व बुलंदशहर में 10 डिग्री दर्ज किया गया।

राज्यमंत्री ने हॉट बाजार का किया शुभारंभ

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत हुंसेपुर लुकमानपुर में नव निर्मित हॉट बाजार का फीता काट कर शुभारंभ किया। हॉट बाजार शुरू होने से ग्रामीणों को अब स्थानीय स्तर पर ही रोज़मर्रा की आवश्यक वस्तुएँ तथा कृषि-उत्पादों की का सुलभ केंद्र मिलेगा।

उद्घाटन समारोह में ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत, ग्राम प्रधान शांति देवी, प्रधान प्रतिनिधि राकेश पाण्डेय सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हॉट बाजार से क्षेत्र के किसानों व छोटे व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने राज्यमंत्री का स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

हॉट बाजार का फीता काटकर शुभारंभ करतीं उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी।

शिविर में 374 मरीजों की जांच कर दी दवाएं

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। उ.प्र. वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति द्वारा रविवार को ब्लाक टड़ियावां के बहोरवा गांव में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 374 वृद्ध महिला और पुरुषों ने जिले के श्रेष्ठ चिकित्सकों से चिकित्सा-सुविधाएं ली साथ ही निःशुल्क-दवाइयां प्राप्त कीं।

शिविर में चिकित्सकों में आयुर्वेद के डा. रामबाबू द्विवेदी, सुरेश अग्निहोत्री, डा. चन्द्र प्रकाश अवस्थी, डा.रामकरन त्रिवेदी, डा. एससी. त्रिपाठी, दन्त चिकित्सक डा. अंशल व हड्डी-रोग विशेषज्ञ डा.देवर्षि गुप्त आदि ने अपनी निःशुल्क सेवाएं रोगियों को प्रदान की। शिविर का आयोजन ग्राम निवासी वेद प्रकाश अवस्थी के सहयोग से सम्पन्न हुआ। समिति के सदस्यों में डा. ब्रह्म स्वरूप पाण्डेय, डा.ईश्वर चन्द्र वर्मा, डा.नरेश चन्द्र शुक्ल, डा. शीला पाण्डेय, गिरीश चन्द्र बाजपेयी, सुशील वर्मा, विमल कुमार अवस्थी 'सज्जन' आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। समिति द्वारा ग्रामीणो को 'संस्कृत नीति-रत्नम्' और गीता में सारगरिति कथन' पुस्तकें वितरित की गई।

चिकित्सा शिविर में मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक।

क्रय केंद्रों पर मनमानी का मंच करेगा विरोध

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। नगर के मोहल्ला बरुआ बाजार स्थित एक स्कूल में रविवार को स्वदेशी जागरण मंच की बैठक का आयोजन प्रांतीय संयोजक हर्षवर्धन सिंह की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें धान क्रय केंद्रों पर हो रही मनमानी का विरोध किए जाने का निर्णय लिया गया। प्रांतीय संयोजक ने कहा कि सरकार द्वारा खोले गए धान क्रय केंद्रों पर भारी अव्यवस्थायें हैं। आम किसान को सरकार द्वारा घोषित धान मूल्य का लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसान बिचौलियों आढ़तियों और क्रय केंद्र के कर्मचारियों की मिलीभगत से खुली बाजार में अपना धान बेचने को मजबूर है।

श्रीमद्भागवत कथा

श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर सुनाया श्रीकृष्ण-सुदामा मित्रता वर्णन

कथा के श्रवण से भक्ति व ज्ञान की होती है प्राप्ति

संवाददाता, पिहानी, हरदोई

अमृत विचार। मां इच्छापूर्णी रामजानकी मन्दिर में चल रहे आयोजन श्री राम विवाह महोत्सव का रविवार को श्रीमद्भागवत कथा के साथ समापन हो गया। अन्तिम दिवस पर कथा व्यास प्रकाश चंद्र महाराज ने सुदामा चरित्र, भगवान श्रीकृष्ण का गोलोकधाम गमन और राजा परीक्षित मोक्ष का प्रसंग सुनाया।

उन्होंने कहा कि भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति को भक्ति और ज्ञान की प्राप्ति होती है, वह जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्त होकर परम लक्ष्य मुक्ति की ओर अग्रसर होता है। सात दिनों तक शुकदेव जी के मुख से भागवत कथा के श्रवण से राजा परीक्षित का भय और आसक्ति मिट गयी, अंततः तक्षक नाग के विष से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई। मित्रता कैसे निभाई जाए यह भगवान श्रीकृष्ण सुदामा से समझा जा सकता हैं। सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र से मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे। द्वारिकाधीश के महल के द्वारपाल ने सुदामा को रोक दिया और प्रभु को सूचना दी, कि कोई अत्यंत दीन हीन गरीब ब्राह्मण उनसे मिलने आया है और अपना नाम सुदामा बता रहा है। द्वारपाल के मुख से सुदामा नाम सुनते ही प्रभु सुदामा-सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे और सखा सुदामा को अपने सीने से लगा लिया। इस प्रसंग को सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। कथा समापन पर मंदिर महंत वैष्णव हरिशरण महाराज ने व्यास पूजन किया गया। प्रमुख रुप से पुरोहित कविंद्र महाराज, गुरुचरन लाल, रामासरे रस्तोगी, राजकुमार रस्तोगी, श्यामाचरण रस्तोगी, धर्मेंद्र सोनी, बालमुकुंद, रामचन्द्र गुप्ता, अनिरुद्ध समेत भारी संख्या में श्रद्धालु भक्त रहे।

कथा का प्रसंग सुनाते कथा व्यास प्रकाश चंद्र महाराज। अमृत विचार

विद्युत उपकेंद्र अनंगपुर में राहत कैंप आज

भरखनी, हरदोई, अमृत विचार। उपभोक्ताओं को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से सोमवार को अनंगपुर विद्युत उपकेंद्र पर विद्युत विभाग द्वारा बिल राहत कैंप लगाया जाएगा। यह कैंप एक दिसंबर से शुरू होने वाली विद्युत बिल राहत योजना के तहत आयोजित हो रहा है। अनंगपुर विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता भैया लाल पाल के अनुसार कैंप में उपभोक्ताओं को बकाया बिलों पर छूट, गलत बिलों को सही करवा सकते हैं। बिजली कनेक्शन, नाम और पते में सुधार करवा सकते हैं। कनेक्शन में तकनीकी गड़बड़ी या ओवरबिलिंग जैसी समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं।

महिला सम्मेलन

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यक्रम के तहत मण्डल हरियावां में रविवार को महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अलका गुप्ता ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही है योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि योजनाओं के माध्यम से अपने आप को सशक्त करे, जब सशक्त होंगें तब गांव, जिला, प्रदेश और राष्ट्रशक्त होगा और उसी से भारत, आत्मनिर्भर भारत बनेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष मुकेश गुप्ता ने की। इस बीच मण्डल महामंत्री अरुण मिश्रा, मण्डल मंत्री निशु पाण्डेय, मण्डल उपाध्यक्ष रणजीत कुमार मिश्रा, शक्ति केंद्र संयोजक शिव प्रकाश सिंह, पंचायत सचिव गौरी सिंह, प्रधान सुषमा सिंह सहित बहुत सी महिलाएं मौजूद रहीं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

प्रियंका चोपड़ा... जिसने बरेली के युवाओं को सपने देखना सिखाया

वह वर्ष 1999 था जब एक पढ़ने वाली लड़की को पहली बार अपने व्यक्तित्व की सुंदरता और आकर्षण का एहसास हुआ और कुछ कर दिखाने के जागे। मौका था बरेली क्लब की ओर से आयोजित 'मे क्वीन' नाम की सौंदर्य प्रतियोगिता का जिसमें प्रियंका अपनी मां मधु चोपड़ा के साथ बतौर दर्शक शामिल होने पहुंची थीं लेकिन आयोजन समिति के एक सदस्य ने अचानक उन्हें भी इस प्रतियोगिता में भाग लेने का सुझाव दिया और मां के कहने पर आननफानन तैयारी कर उन्होंने न सिर्फ इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया बल्कि खिताब झटककर काफी तैयारी करके आई दूसरी प्रतिभागियों को मायूस भी कर दिया। प्रियंका उस दौरान आर्मी स्कूल में पढ़ती थीं। बरेली क्लब में 'मे क्वीन' का खिताब जीतने के बाद प्रियंका के ख्वाबों की उड़ान शुरू हुई। यहां से उनका सफर शुरू हुआ तो मिस वर्ल्ड बनने के बाद बॉलीवुड में स्थापित होने और हॉलीवुड तक पहुंचने के बाद भी नहीं थमा। प्रियंका की इस सफलता ने बरेली के तमाम और युवाओं को इसी तरह के ख्वाब देखना सिखा दिया।

जिस प्रियंका को दुनिया ने पहचाना उसे भी मां मधु चोपड़ा ने दिया जन्म

प्रियंका चोपड़ा को जन्म देने वाली उनकी मां मधु चोपड़ा ने ही उन्हें उस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जहां पूरी दुनिया ने उन्हें पहचाना। बचपन से युवा होने तक प्रियंका का काफी समय बरेली में गुजरा। जिस दौरान वह आर्मी स्कूल में पढ़ती थीं, मां के कहने पर उन्होंने गायन सीखना शुरू किया था। काफी समय तक कैंट के सदर बाजार में संगीत शिक्षक धर्मप्रकाश उपाध्याय से गायन सीखने जाती रहीं लेकिन बाद में यह सिलसिला टूट गया। 'मे क्वीन' बनने के बाद उन्होंने अपनी मां मधु चोपड़ा के जोर देने पर मॉडलिंग में हाथ आजमाया। तारीफ और आलोचना के बीच उनकी मां ने ही उनकी तस्वीरें मिस इंडिया प्रतियोगिता के लिए भेजीं, जहां से वे आगे बढ़ीं और 30 नवंबर 2000 को मिस वर्ल्ड का ताज पहनने में सफल रहीं। मिस वर्ल्ड बनने के बाद बरेली लौटीं प्रियंका का भव्य सम्मान किया गया। प्रियंका के पिता लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक चोपड़ा ने भी उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

हॉलीवुड का कामयाब सफर

बॉलीवुड में अपनी असाधारण सफलता के बाद प्रियंका ने हॉलीवुड की ओर रुख किया। अमेरिकी टीवी शो 'क्वांटिको' में मुख्य भूमिका निभाकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। इसके बाद 'बेवॉच', 'इजंट इट रोमांटिक', 'द व्हाइट टाइगर', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स', 'लव अगेन', और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसी कई हॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं।

उपलब्धियों से भरा करियर

प्रियंका चोपड़ा ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, पांच फिल्म फेयर अवार्ड्स, पीपुल्स चॉइस अवार्ड समेत कई प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किए हैं। वे न सिर्फ अभिनय बल्कि गायन और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं। सेल्फ मेड स्टार कहलाने वाली प्रियंका ने अपनी मां के साथ गहरा रिश्ता निभाया। मधु चोपड़ा डॉक्टर थीं लेकिन उन्होंने बेटी के सपनों को उड़ान देने के लिए अपने करियर को पीछे रखा।

4 साल में ही बदल गई दुनिया, बॉलीवुड से मिला ऑफर

1999 में 'मे क्वीन' बनने और फिर मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद 4 साल में ही प्रियंका चोपड़ा की दुनिया बदल गई। मिस वर्ल्ड बनने के बाद प्रियंका को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से ऑफर शुरू हो गए। उन्होंने 2003 में 'द हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। शुरुआती फिल्मों में उन्हें सेकेंड लीड मिला, लेकिन उनकी प्रतिभा ने उन्हें जल्द ही टॉप एक्ट्रेस के रूप में स्थापित कर दिया। फैशन, 'कमीने, मैरी कॉम, बर्फी, 7 खून माफ आदि फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया। फिल्म 'फैशन' प्रियंका के करियर का टर्निंग पॉइंट था।

परिवार छोड़ कोविड मरीजों के लिए संजीवनी बन गए डॉ. वागीश वैश्य

डॉ वागीश बताते हैं कि कोविड महामारी के दौरान जब उन्हें 300 बेड अस्पताल की जिम्मेदारी सौंपी गई तो ऐसा लगा जैसे बिना हथियारों के जंग में उतार दिया गया हो, लेकिन मन ही मन खुशी थी कि सरकार और वरिष्ठ अधिकारियों को उन पर भरोसा है और यह विश्वास भी था कि वह महामारी की इस जंग में हजारों जिंदगियों के लिए संजीवनी बन पाएंगे और हुआ भी ऐसा ही। इसके लिए उन्हें प्रदेश और देश के कई मंचों पर सम्मानित भी किया गया। फिजीशियन डॉ. वागीश वैश्य जिले में ऐसे पहले डॉक्टर हैं, जिन्होंने कोरोना संक्रमण से जुड़ा केस देखा। उन्होंने हर स्तर पर मरीजों की परेशानी को समझा और लगातार 10 महीने तक बिना छुट्टी लिए इलाज किया।

उन्होंने बताया कि महामारी के दौर में लोग जहां अपने परिजनों के नजदीक पहुंचना चाहते थे, ऐसे में वह लंबे समय तक अपने परिवार से अलग रहे। प्रतिदिन 350 मरीजों की ओपीडी के साथ 300 बेड अस्पताल की जिम्मेदारी संभाली। ओपीडी के बाद वह सुनिश्चित करते थे कि कोई भी पेशेंट बिना इलाज के न रह जाए। डॉ. वागीश वैश्य ने कोविड महामारी के दौरान बरेली में सिर्फ चिकित्सा सेवाएं ही नहीं दीं, बल्कि अस्पताल की नेतृत्व क्षमता बढ़ाने, ऑक्सीजन और वेंटिलेटर जैसे संसाधन जुटाने, और कर्मचारियों को जोड़कर कोविड-केयर मैनेजमेंट को मजबूती दी। उनकी यह निस्वार्थ सेवा और समर्पण उन्हें कोरोना योद्धा के रूप में स्थापित करता है।

डॉ. वागीश ने कहा कि उनके पदचिन्हों पर चलते हुए उनकी बेटी डॉ. शिवांगी वैश्य ने भी डॉक्टरी की पढ़ाई कर एमडीएस किया और आज रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में सेवाएं दे रही है। बेटा शिवम वैश्य भी बेंगलुरु में इंजीनियर है। कोविड की इस जंग में समाज सेवियों पर भरोसा था कि उन्हें इस शहर के लोग जुड़ते चले गए : डॉ वागीश बताते हैं जब उन्हें 300 बेड अस्पताल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई तो मन में पहला ख्याल यही आया कि बिना संसाधन जंग कैसे जीतेंगे? लेकिन उन्हें शहर के एनजीओ और समाज सेवियों पर भरोसा था कि उन्हें इस कार्य के लिए आगे बढ़कर मदद मिलेगी। वह आईएमए के मेंबर भी थे जिस कारण उनकी शहर की सामाजिक संस्थाओं से एनजीओ में काफी जान पहचान थी।

बरेली से बॉलीवुड तक का सफर

माया नगरी ने दिलाया आसमान, फिर भी बरेली में बसती है मुकेश की जान

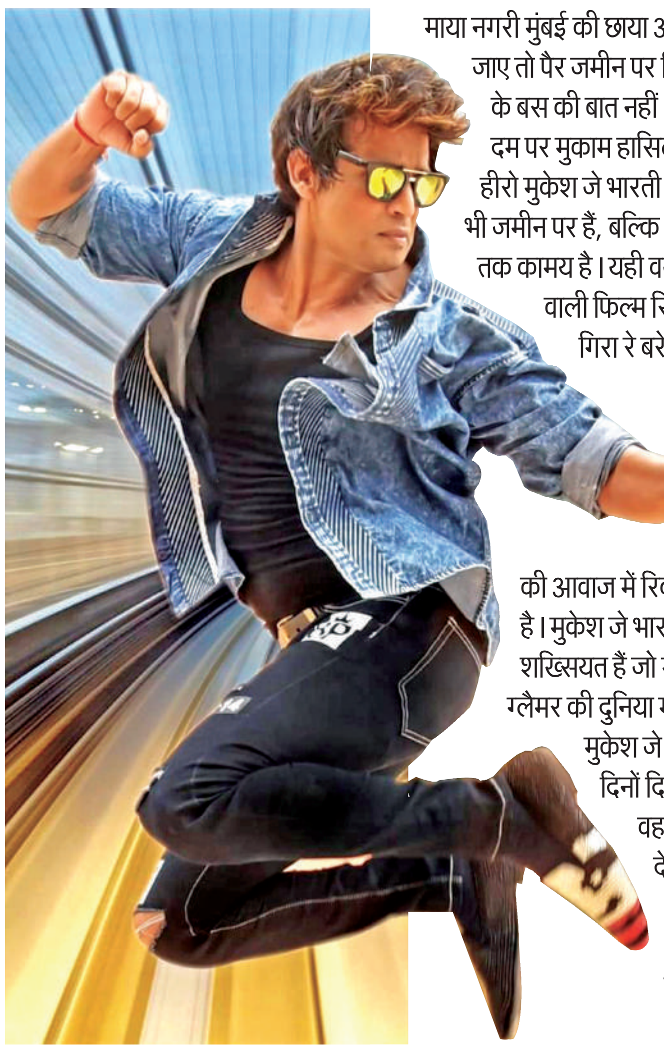

माया नगरी मुंबई की छाया आप पर मेहरबान हो जाए तो पैर जमीन पर टिकाना अच्छे-अच्छों के बस की बात नहीं। बॉलीवुड में अपने दम पर मुकाम हासिल करने वाले एक्शन हीरो मुकेश जे भारती के पैर न सिर्फ आज भी जमीन पर हैं, बल्कि बरेली से जुड़ाव आज तक कायम है। यही वजह है कि उनकी आने वाली फिल्म रिकवरी का गाना झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में' जल्द बरेली में शूट होगा। गाना नेहा कक्कड़ की आवाज में रिकॉर्ड भी कर लिया गया है। मुकेश जे भारती बरेली में जन्मी वो शख्सियत हैं जो मार्शल आर्ट के जरिए ग्लैमर की दुनिया में पहुंचे। अभिनेता मुकेश जे भारती की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ रही है। आज वह बरेली में ही नहीं बल्कि देशभर में एक जाना पहचाना नाम है। आगे उनका कैरियर काफी उज्जवल है।

बॉलीवुड में अपने दम पर साख कायम करने वालों की फेहरिस्त बनाने बैठेंगे तो बरेली मुकेश जे भारती का नाम जरूर आएगा। प्रेमनगर में रहने वाले मुकेश को साल 2002 में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने की सूझी तो माया नगरी मुंबई का रुख किया। यूपी-बिहार के बाकी कलाकारों की तरह शुरुआती दौर में काफी संघर्ष झेले। कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं न कोई गॉडफादर। मगर जुनून यही था कि कुछ अच्छा करके लौटना है। साल 2014 में उन्हें प्रीति झांगियानी समेत फरीदा जलाल, शरत सक्सेना, सुनील पाल, संजय मिश्रा, उपासना सिंह जैसी बड़ी स्टार कास्ट से सजी फिल्म 'काश तुम होते' में बतौर लीड एक्टर काम करने का मौका मिला।

एक्शन के लिए सीखा मार्शल आर्ट

फिल्म में राहत फतेह अली खान, आशा भोसले, सोनू निगम, जावेद अली, सुनिधि चौहान, अलका याग्निक, शान, पलक मुछल जैसे दिग्गज गायकों और, कोरियोग्राफर सरोज खान व मुदस्सर खान के साथ काम किया। यूं तो सभी को पता है कि अक्षय कुमार ने एक्शन करने के लिए मार्शल आर्ट सीखा। मगर मुकेश जे भारती भी उन्हीं एक्टर्स में शुमार हैं। उन्होंने बरेली कॉलेज से शिक्षा हासिल करने के दौरान हीमार्शल आर्ट की ट्रेनिंग हासिल कर ली थी।

बप्पी दा और शान ने दी मुकेश को आवाज

उनका दूसरा प्रोजेक्ट संगीत और पारिवारिक ड्रामा "दो पल प्यार के मौसम इकरार के रहा। जिसमें उन्होंने बतौर लीड एक्टर अभिनेत्री मदालसा शर्मा फिर अविनाश वडवान, नीलू डोहली, दया शंकर, हेमंत पंत, एंडी, दीपू श्रीवास्तव, अरुण बख्शी और महान म्यूजिक डायरेक्टर बप्पी लाहिरी के साथ काम किया। मुकेश जे भारती कहते हैं कि इससे ज्यादा सौभाग्य की बात क्या होगी कि बप्पी लाहिड़ी, अरमान मलिक, शान जैसे गायकों ने उन्हें अपनी आवाज दी। इसके अलावा 'प्यार में थोड़ा ट्विस्ट' जैसी फिल्मों में नामचीन कलाकारों के साथ काम किया।

हर कदम पर मिला निर्माता और पत्नी मंजू का साथ

कहावत है कि हर कामयाब मर्द के पीछे एक औरत का हाथ होता है। मुकेश जे भारती का भले बॉलीवुड में कोई गॉडफादर न रहा हो मगर उनकी एक्टिंग का सफर उनकी पत्नी और फिल्म निर्माता मंजू भारती का नाम लिए बगैर अधूरा है। मंजू भारती विवेक फिल्म नाम से प्रोडक्शन हाउस चलाती हैं। दिलचस्प बात ये कि हाल में विवेक प्रोडक्शन की तरफ से अपनी पांच फिल्मों का पोस्टर एक साथ जारी किया गया है। जिनमें रिकवरी, केतन और बिना, माई फादर, वायलेंस और पापा की परी शामिल हैं। मुकेश जे भारती बताते हैं कि इन फिल्मों की शूटिंग भी बरेली में करने का इरादा है।

साहित्यकार प्रोफेसर डा. एस पी मौर्य ने नाटकों से संस्कृति को रखा जिंदा

बरेली कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष रहे प्रोफेसर डा. एस पी मौर्य ने नाटकों के माध्यम से संस्कृति को जिंदा रखा है। मूल रूप से बदायूं जिले के सिविल लाइंस थाना के मीरा सराय मोहल्ला निवासी प्रोफेसर डा. श्यामपाल सिंह मौर्य दो बार बरेली कॉलेज के चीफ प्राक्टर रहे हैं। एक बार वह छात्र कल्याण अधिष्ठाता रहे। मौजूदा समय में सिविल लाइंस के बिहारीपुर में रह रहे हैं। वह बिजनौर के धामपुर में आरएसएम पीजी कॉलेज में पांच साल प्रोफेसर के रूप में सेवा दे चुके हैं। उनके द्वारा 10 काव्य संग्रह में जिसमें रस वैजयंती, गीत कौस्तुभ, अहसास, सूर सागर-वैष्णव रस शास्त्र प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने 25 साल तक सांस्कृतिक संस्था शशितोष सतसंग परिषद का संचालन किया। डा. एसपी मौर्य ने अब तक 15 नाटक लिखे जिसमें सीता हरण, श्याम सगाई, शिव पार्वती परिणय आदि हैं। उनकी रेडियो दूरदर्शन पर वार्ता और कवितापाठ प्रकाशित हो चुकी हैं। वह देश की अनेक साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मान और पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

'अमृत विचार अपने नाम का हक अदा कर रहा' : प्रोफेसर वसीम बरेलवी

"अमृत विचार अपने नाम का हक अदा कर रहा है। रचनात्मकता का प्रतीक बने। निर्भीक बने। विचारों के सतह पर भारतीय संस्कृति के महान आदर्शों के प्रचार-प्रसार की मिसाल कायम करे। इसी दुआ के साथ अमृत विचार की लंबी उम्र और तरक्की की दुआ। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर प्रोफेसर वसीम बरेलवी

अमृत विचार : "कला और साहित्य समाज को जोड़ते हैं। फासले मिटाते हैं। मुशायरा-कवि सम्मेलन की एक रात, महीनों असर रखती है। बरेली नगर निगम द्वारा 1980 से सालाना कवि सम्मेलन-मुशायरा कराया जाता था। पांच-छह हजार लोग साथ बैठते। उसका असर ये था कि समाज में तल्खी या दूरियों की गुंजाइश नहीं थी। इसलिए मैं अक्सर कहता हूं कि भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए साहित्य को बचाना बेहद जरूरी है।" अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर प्रोफेसर वसीम ने एक बार फिर साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने पर जोर देते हुए ये संदेश दिया है।

अमृत विचार के साथ बातचीत में प्रोफेसर वसीम बरेलवी कहते हैं कि, वैसे तो मैंने 1962 में बरेली कॉलेज ज्वॉइन करने के बाद से ही साहित्यिक महफिलें आयोजित कराना शुरू कर दिया था। दिवंगत दिनेश जौहरी के साथ मिलकर कई क्लब और दूसरी संस्थाओं के जरिये साहित्यिक मंच सजाए।

वह कहते हैं कि कविता और शायरी समाज में रचनात्मकता लाती है। सैकड़ों-हजारों लोगों को एक साथ बैठने का मौका मिलता है। लोग एक-दूसरे से मिलते हैं। जीवन के संघर्ष-मसलों पर चर्चा करते। इससे उनके दरमियान मुहब्बत बढ़ती है। किसी भी शहर के मिजाज को खुशगवार रखने के लिए साहित्यिक आयोजन बढ़ाने की बहुत जरूरत है।

प्रोफेसर वसीम बरेलवी कहते हैं कि, साहित्य को बढ़ावा देने में अखबारों की बड़ी जिम्मेदारी है। करीब 10-11 साल पहले मैंने किसी मंच से कहा था कि, इस वक्त की पत्रकारिता तीन पायों पर टिकी है-राजनीति, खेल और फिल्म इंडस्ट्री। ...इसमें एक पाया 'साहित्य' का जुड़ जाए तो हमारी संस्कृति में संरक्षित हो जाएगी। मुझे खुशी है कि मेरे उस पैगाम का असर हुआ। साहित्यिक महफिलें बढ़ीं हैं। वह कहते हैं कि समाज में भाईचारा, मुहब्बत जिंदा रखने के लिए साहित्यिक कार्यक्रमों का सिलसिला बना रहना चाहिए। निश्चित रूप से समाज से तल्खियां मिटती जाएंगी। लोग एक-दूसरे के नजदीक आएंगे। सौहार्द और चिंतन का माहौल बनेगा।

एक नजर : कुछ उपलब्धियां

- फिराक गोरखपुरी अंतराष्ट्रीय पुरस्कार-प्रथम
- यश भारती पुरस्कार
- बेगम अख्तर कलाधर्मी पुरस्कार
- नसीम-ए-उर्दू पुरस्कार
- राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीयूएल) के उपाध्यक्ष
- वर्ष 2016 से 2022 तक विधान परिषद सदस्य रहे।
- भारत शिक्षा सम्मान
- अमेरिका की सिटी काउंसिल ऑफ ह्युस्टन से 'ऑनरेरी सिटीजनशिप' और गुडविल अंबेसडर अवार्ड

परिचय

प्रोफेसर वसीम बरेलवी
जन्म : 18 फरवरी 1940
स्थान : बरेली
बरेली कॉलेज के उर्दू विभाग में प्रोफेसर रहे।

डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा की उपलब्धियों से शहर का नाम हुआ रोशन

वर्ष 1980 से 2017 तक शिक्षा विभाग में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे सुरेश बाबू मिश्रा राजकीय हाईस्कूल के प्रधानाचार्य पद से रिटायर हैं। सहमा हुआ शहर, लहू का रंग, थरथराती लौ, बलिदान की कहानियां, अविस्कार की कहानियां, संघर्ष का विगुल, जमीन से जुड़े लोग, साकार होते सपने, उजाले की किरन, जानलेवा धुआं, उनके कहानी, लघु उपन्यास, एकांकी और नाटक संग्रह हैं। वह 1984 से लेखन कार्य कर रहे हैं और अब तक लगभग सौ कहानियां एवं 150 लेख प्रकाशित हो चुके हैं। उत्कृष्टता के लिए उन्हें विभिन्न सामाजिक संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

साहित्य सिरोमणि डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा का जन्म मूल रूप से जिला बदायूं के दातागंज के गांव चंदौखा के रहने वाले हैं। उनके परिजन खेती किसानी करते थे। वह तीन भाई और दो बहनों में सबसे छोटे हैं। शिक्षा-इंटरमीडिएट की पढ़ाई लिखाई दातागंज और बदायूं से की थी। इसके बाद बी.ए. मुरादाबाद से किया। डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा 1980 से लेकर 2017 तक राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा विभाग में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए 30 मार्च 2017 को राजकीय इंटर कॉलेज बरेली के प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत हुए। वर्तमान में वह बरेली के राजेंद्र नगर में बांके बिहारी मंदिर के पास नीलकंठ मंदिर वाली गली में निवास करते हैं।

29 सितंबर 1980 को राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा अभियान के अन्तर्गत सहायक परियोजना अधिकारी के पद पर नियुक्त हुई। प्रौढ़ शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नव साक्षरो के लिए पुस्तक निर्माण हेतु साक्षरता निकेतन लखनऊ में लेखन कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता था। इन लेखन कार्यशालाओं में डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा को भाग लेने के लिए सुअवसर मिला। इन लेखन कार्यशालाओं में लिखी गई उनकी सात पुस्तकें साक्षरता निकेतन लखनऊ से प्रकाशित हुई। यह सभी पुस्तकें भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत की गई। इसकी तीन-तीन लाख प्रतियां प्रकाशित की गई। जिसकी रायल्टी के रूप में प्रति पुस्तक तीन हजार रुपये की धनराशि प्रदान की गई।

साहित्य सम्मान प्रदान किए जा चुके हैं

उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन कार्यरत उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा साहित्य भूषण सम्मान 2018। उत्तर प्रदेश शासन के अधीन कार्यरत राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान द्वारा दीर्घकालीन हिंदी साहित्य सेवा सम्मान 2019। विद्योत्मा फाउंडेशन नासिक (महाराष्ट्र) द्वारा साहित्य सिरोमणि सम्मान 2022। नाथ द्वारा राजस्थान द्वारा शब्द सिरोमणि सम्मान 2023। मध्य प्रदेश सरकार के अधीन संचालित हिंदी साहित्य द्वारा अखिल भारतीय निर्मल वर्मा संस्मरण सम्मान 2024।

इसके साथ-साथ उन्हें विभिन्न सामाजिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा 50 से अधिक प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मान प्रदान किए जा चुके है, जिनमें प्रमुख इस प्रकार हैं- रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ द्वारा रुहेलखण्ड कहानी गौरव सम्मान। मानव सेवा क्लब बरेली द्वारा-कहानी श्री सम्मान-2015। श्रीमदार्यावर्त विद्वत परिषद, प्रयाग द्वारा-सम्मान पत्र]। इनवर्टिस यूनिवर्सिटी द्वारा रुहेलखण्ड रत्न अवार्ड-2015। श्री सिद्धिविनायक ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा पांचाल रत्न अवार्ड-2014। भारतीय पत्रकारिता संस्थान, बरेली उत्तर द्वारा साहित्य श्री सम्मान-2016। भारतीय सेवक समाज द्वारा नीरज वाला स्मृति सम्मान। हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा कथा श्री सम्मान-2018।

सुरेश बाबू मिश्र को प्रो. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अंतरराष्ट्रीय सम्मान और नीदरलैंड और अबूधाबी से डाक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

वर्तमान में 17 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं

वर्तमान समय में डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा की कुल 17 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें 12 कहानी संग्रह (दिल्ली व लखनऊ से)। एक लघु उपन्यास, दो लघु कथा संग्रह, दो आलेख संग्रह, एक एकांकी संग्रह और एक नाट्य संग्रह। उनकी दो कहानी संग्रह 'कैक्टस के जंगल' और 'रावी की लहरें' का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद हुआ है। एक कहानी संग्रह कैक्टस के जंगल का अनुवाद मराठी भाषा में भी हुआ है। इस प्रकार मेरी उनकी प्रकाशित और अनुदित पुस्तकों की कुल संख्या 20 हो गई है। डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा के लाख, कहानी एवं लघु कथा देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों 'और पत्रिकाओं में निरन्तर प्रकाशित होती रहती है।

प्रस्तुति-अमरदीप गुप्ता/आसिफ अंसारी/ करन सिंह मौर्य

न्यूज ब्रीफ

छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा पुलिस ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी को रविवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। सीओ धनघटा अभय नाथ मिश्र ने बताया कि धनघटा थाना क्षेत्र के रहने वाले पीड़िता के बाबा ने शनिवार को धनघटा पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि 16 नवंबर को नवान कला गांव निवासी शादाब आलम ने सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली उसकी नाबालिग नातिन से दुष्कर्म किया। इसकी जानकारी होने पर परिवार वालों ने पुलिस को सूचना दी। रविवार को आरोपी शादाब को दौलतपुर मस्जिद के पास से दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

सुपरवाइजरों को किया सम्मानित

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अपने बूथों के सभी मतदाताओं का गणना प्रपत्र भरकर डिजिटाइज करने पर एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा ने 10 सुपरवाइजरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसडीएम ने सभी बीएलओ व सुपरवाइजरों को निर्देश देते हुए कहा कि गणना प्रपत्र को पूर्ण रूप से भरकर फीडिंग करायें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। कहा कि प्रत्येक मतदाता के घर जायें और उनका एसआईआर फार्म भरें। एसडीएम ने तहसील सभागार में दिवाकर चौधरी, प्रविन्द कुमार यादव, रमेश जायसवाल, दुर्गेश कुमार, अखिलेश चौधरी, मुस्ताक खान, शिवकुमार यादव, धर्मेन्द्र यादव, विमल यादव, संदीप कुमार व पंचम पटेल को सम्मानित किया।

दो रेलगाड़िया रहेंगी निरस्त

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा वाराणसी मंडल के कप्तानगंज-बोदरवार स्टेशनों के मध्य किमी. 363/5-6 पर सीमित ऊंचाई के सब-वे निर्माण के लिए गर्डर लांचिंग/डिलांचिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में यातायात एवं पावर ब्लॉक लिए जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण रहेगा। गोरखपुर कैंट से 4 एवं 9 दिसम्बर को चलने वाली 55098 गोरखपुर कैंट-नरकटियागंज सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी। नरकटियागंज से 5 एवं 10 दिसम्बर को चलने वाली 55097 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

डॉ. शाहीन झल्लाई, बोली-जबरन नहीं करा सकते लाई डिटेक्टर टेस्ट

कहा- मैं हाई एजुकेटेड, किसी देश का कानून ऐसी अनुमति नहीं देता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली विस्फोट में आरोपी डॉ. शाहीन ने सुरक्षा एजेंसियों के पूछताछ में तीखा जवाब देना शुरू कर दिया है। लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने व जानकारी हासिल करने की बात पर उसने सख्त लहजे में जवाब दिया। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार उसने कहा कि जबरन लाई डिटेक्टर टेस्ट की अनुमति किसी देश का कानून नहीं देता है। इससे पहले भी वह भड़क चुकी है, जब एनआईए और एटीएस उसे कानपुर लाई और उन नौ लड़कियों से सामना कराया था, जो उसके चंगुल से भागी थीं। उन लड़कियों को देखकर वह घबरा गई थी और गुस्से में मानसिक संतुलन बिगडने का बहाना किया था।

सुरक्षा एजेंसियां इन दिनों डॉ. शाहीन को लेकर यूपी के जिलों में ले जाकर पूछताछ कर रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार अब तक शाहीन एजेंसियों के सवालों के जवाब शांतचित से दे रही थी, अब वह उग्र होने लगी है। जांच टीम ने उससे लाई डिटेक्टर टेस्ट कराकर जानकारी हासिल करने की बात कही तो वह नाराज हो गई।

डॉ. शाहीन। अमृत विचार

- कानपुर में भी चंगुल से भागीं नौ लड़कियों को सामने देखकर पहले गुस्साई फिर घबराई थी

दिल्ली बम ब्लास्ट मामला

उसने जवाब दिया कि मुझे आतंकी साबित नहीं कर सकते हैं। मैं हाई एजुकेटेड और कई देशों में घूमी हूं। किसी देश का कानून जबरन टेस्ट की इजाजत नहीं देता है। सूत्रों के अनुसार एजेंसियों की कार्रवाई का विरोध भी किया, कहा कि मुझे क्या समझ लिया है।

वहीं जब सुरक्षा एजेंसी उसे कानपुर लाई और उन नौ युवतियों से सामना कराया, जो नेपाल के रास्ते टेरर कैंप ले जाई जा रही थीं लेकिन वह डॉ. शाहीन के चंगुल से भागकर कानपुर आ गई थी। लड़कियों को देखकर वह घबरा गई थी। उसने गुस्से में चिड़चिड़ाकर बात की। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार जो इलेक्ट्रॉनिक व फिजिकल साक्ष्य मिले वह शाहीन के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से रिश्ता साबित कर रहे हैं। उसके झूठ लगातार पकड़े जाने से वह बौखलाहट में है। जबकि उसके खिलाफ तीन एजेंसियां लगातार साक्ष्य एकत्र करने में जुटी हैं।

शाहीन से संपर्क रखने वालों की लंबी सूची

डॉ. शाहीन के लखनऊ से लेकर कानपुर और फिर उसके बाद कन्नौज व कई साल गुमनाम अवधि के उसके संपर्कियों की लंबी लिस्ट सुरक्षा एजेंसियों के पास है। इसी अवधि के शाहीन के मजबूत संबंध को एजेंसी टटोल रही है। एजेंसी सूत्रों के अनुसार शाहीन के कानपुर, लखनऊ, आजमगढ़, कन्नौज समेत आधा दर्जन जिलों में गतिविधि रही है। उसके रिश्ते आजतक वहां मजबूत हैं। अब एजेंसी चिकित्सा सेवा से जुड़े विशेष समुदाय के लोगों को तलाश की जा रही है। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार लंबी लिस्ट में हर व्यक्ति को टच करने में समय लगेगा। फिलहाल रिमांड पर शाहीन को लेकर पूछताछ की जा रही है। टीमें लगातार उन पुलिस अधिकारियों से भी संपर्क कर रही है जो सेवानिवृत्त हो चुके हैं और कानपुर में रहने के दौरान शाहीन के संपर्क में रहे।

नेताओं के मूवमेंट पर होती पैनी नजर

सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार लेडी विंग की पूछताछ में जो तथ्य सामने आए उनकी भी जांच की जा रही है। जैसे शाहीन का स्लीपर सेल यूपी के फायरब्रांड नेताओं की रेकी करता था। नेताओं के करीबियों को हनी ट्रैप में फंसाता और जानकारियां लेता। शाहीन और उसकी लेडी विंग उस हर स्थान पर जाती जहां बड़े नेताओं की सभाएं होती थीं। रेकी के बाद गतिविधि पर भी नजर रखती। वीवीआईपी गतिविधि के दौरान मददगार स्लीपर सेल्स का काम होता था कि सुरक्षा में लगे लोगों को मैनेज करना। यूपी के तमाम जिलों में स्लीपर सेल्स का नेटवर्क है और नेटवर्क के संपर्क में ऐसे नाम सामने आए जो महत्वपूर्ण तो नहीं लेकिन लालच व हनी ट्रैप में फंसकर तमाम जानकारियां लीक की हैं। इस नेटवर्क वाले करीब 600 से ज्यादा लोगों की प्रदेश में जांच हो रही है।

ठेकेदार ने खनन अधिकारी को पीटा शिकायत पर थाने में भी की अभद्रता

अयोध्या कार्यालय

- दो नामजद ठेकेदारों व 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमृत विचार : अवैध खनन की शिकायत पर जांच कर लौट रही खनन विभाग की टीम पर खनन ठेकेदारों द्वारा हमला कर दिया गया। इस दौरान क्षेत्रीय प्रवर्तन अधिकारी की जमकर पिटाई की गई। यही नहीं जब खनन अधिकारी थाना कैंट में शिकायत करने के लिए गए तो आरोपियों ने वहां भी पहुंचकर पुलिस की मौजूदगी में उनसे अभद्रता की। देर रात पुलिस ने दो नामजद व 15 अज्ञात पर केस दर्ज किया।

सोहावल तहसील के ग्राम फतेहपुर सरैया मांझा में संतोष कुमार जायसवाल निवासी मोहद्दीपुर प्रभातगली तहसील सदर जनपद गोरखपुर के पक्ष में बालू खनन पट्टा स्वीकृत है। पुलिस को दी गई तहरीर में क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या भूतत्व व खनिकर्म विभाग अमेठी में तैनात क्षेत्रीय खनन अधिकारी अनंत कुमार सिंह ने बताया कि व्हाट्सएप व मोबाइल पर मिली एक शिकायत के आधार पर वह चालक अंकित कुमार व अयोध्या में तैनात खनन निरीक्षक चंद्रशेखर पाठक, होमगार्ड मो. अजीज के साथ शनिवार की शाम उक्त स्थल पर निरीक्षण करने के लिए सरकारी वाहन से गए थे। इस दौरान वहां खड़ी बालू लदी एक ट्रक की जांच के लिए खनन निरीक्षक को निर्देश दिया। जांच में मिला कि उक्त ट्रक के पास लोड बालू के परिवहन हेतु 14 घन मीटर का बालू परिवहन का प्रपत्र है, जबकि उसमें 30 घन मीटर बालू लोड पाया गया। खनन निरीक्षक द्वारा एप के माध्यम से फोटो व अन्य विवरण भरते हुए चालान करने की प्रक्रिया करनी चाही, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण ऑनलाइन चालान मौके पर नहीं हुआ। इसके बाद वहां मौजूद लोगों से कहा गया कि ट्रक का ऑनलाइन चालान होने पर चालान की राशि जमा करा दी जाए। इसके बाद वह वहां से चले गए। वापसी में लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर मुख्य मार्ग आते हुए औद्योगिक क्षेत्र में तीन काली गाड़ी से कुछ लोग वहां पहुंचे। इनमें सरोज जायसवाल, राकेश जायसवाल, उनके साथ काले कपड़ों में लगभग 6 से 7 प्राइवेट गार्ड व अन्य सात बंदूकधारी थे। सभी गाड़ी से उतर कर उनके पास आए व सफेद कुर्ता पहने सरोज जायसवाल व राकेश जायसवाल ने गाली देते हुए पूछा कि तुमने गाड़ी का चालान कैसे कर दिया गया। यह कहते हुए सरोज ने मेरे थप्पड़ मारा, जब मैं भागा तो उसने चार पांच थप्पड़ और मारा। इसके बाद उनके साथ लोगों ने मुझे पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। इससे मुझे शरीर पर कई जगह चोट आई व मेरा कपड़ा भी फट गया। इस बीच मैं जान बचाने के लिए सरकारी गाड़ी में बैठकर शीशा बंद कर लिया। थोड़ी देर बाद सभी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

थाना प्रभारी कैंट पंकज सिंह ने बताया कि खनन अधिकारी अनंत सिंह की तहरीर पर सरोज जायसवाल व राकेश जायसवाल समेत 15 अज्ञात लोगों पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इनमें से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। शेष की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पुलिस के सामने दी जानमाल की धमकी

घटना के बाद खनन विभाग की टीम थाना कैंट शिकायत करने के लिए पहुंची। बताया जाता है कि जैसे ही अधिकारी थाने पहुंचे, आरोपियों ने थाने के भीतर ही गाड़ी को घेर लिया व क्षेत्रीय खनन अधिकारी के साथ अभद्रता करते हुए दोबारा जान से मारने की धमकी दी गई। यह देख वह जान बचाने के लिए थाने के दीवान खाने में भागकर पहुंचे। सूचना पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे, तब स्थिति नियंत्रण में हुई। बताया जाता है कि पूरा घटनाक्रम थाना कैंट परिसर के भीतर पुलिस की मौजूदगी में हुआ। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

बाग में फंदे से लटके मिले दंपति के शव, जांच शुरू

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचारः तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के गांव बेनीभार के पास बागीचे में दंपति का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। दोनों के पैर जमीन से लगे हुए थे, जिससे हत्या की आशंका जाहिर की जा रही है। घटनास्थल से कुछ दूर दोनों का आधार, पैन व निर्वाचन कार्ड भी मिला। तुर्कपट्टी थाने की पुलिस और फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच साक्ष्य इकट्ठा किए हैं। दोनों की पहचान गांव के अभिषेक व उसकी पत्नी निशा के रूप में हुई।

थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह ने उच्चाधिकारियों को सूचना दी। एएसपी सिद्धार्थ वर्मा, सीओ सदर डा.अजय कुमार सिंह ने घटनास्थल पर पहुंच जानकारी ली। फारेंसिक टीम को बुलाया गया। टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य तथा कुछ दूरी पर मिले दोनों के आधार, एटीएम व निर्वाचन कार्ड को कब्जे में लिया। गांव तथा अभिषेक के स्वजन से पूछताछ की। एएसपी ने बताया कि पहली पत्नी व अभिषेक के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। दोनों के बीच संबंध ठीक नहीं थे। वह मायके में ही रहती है। अभिषेक ने देवरिया के युवती से पंजाब में प्रेम विवाह किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मृत्यु का कारण स्पष्ट हो जाएगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रख जांच कर रही है।

डीएम ने एसआईआर कार्य का लिया जायजा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत तहसील नौगढ़ एवं तहसील शोहरतगढ़ के मतदाता पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने एसआईआर के अन्तर्गत बीएलओ द्वारा को बांटे गये गणना प्रपत्र एन्यूमरेशन फॉर्म एवं जमां किये गये प्रपत्र के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि लेखपाल द्वारा अपने क्षेत्र के बीएलओ से समन्वय स्थापित करते हुए सभी मतदाताओं को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र प्राप्त करा दें। मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरने के बाद उसके प्राप्त कर लें।

नफरत से नहीं, भाईचारगी से देश बढ़ेगा आगे

संवाददाता, शोहरतगढ सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। विकास खण्ड बढ़नी अन्तर्गत दुधवनिया बुजुर्ग गांव में 1857 प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम में बहादुर शाह जफर का योगदान विषय पर आधारित विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विधायक फरेंदा वीरेन्द्र चौधरी ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रमुख इतिहासकार प्रो. राम पुनियानी, विचारक प्रो. रविकान्त सोशल एक्टिविस्ट शकीला शाहीन, बहादुर शाह जफर की पड़पौत्र पुत्र वधु बेगम समीना व बदरे आलम ने सरदार भगत सिंह, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, पंडित जवाहर लाल नेहरू, महात्मा गांधी व बहादुर शाह ज़फ़र के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

विचार गोष्ठी में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

- 1857 प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम में बहादुर शाह जफर का योगदान विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित

मुख्य वक्ता प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. राम पुनियानी ने मुग़ल बादशाहों के कुर्बानियों को याद कर इतिहास को सही ढंग से पेश करने की बात करते हुए कहा कि आपसी भाईचारगी व सभी धर्मों के सम्मान से ही देश सही दिशा में जा सकता है। संविधान का पालन कर व धर्म के नैतिकता वाली पार्टी के साथ वर्तमान पीढ़ी को चलने की जरूरत है। आज संविधान का अपमान हो रहा है। भावनात्मक मुद्दे से नफ़रत फैलाया जा रहा है। नफरत का बीज न परोसकर समाज के पुनर्निर्माण की जरूरत है। बराबरी के आंदोलन में सहभागिता निभाएं। प्रो. रविकान्त ने कहा कि वर्तमान सरकार देश के लोगों को गुमराह कर रही है। पूर्वजों के इतिहास को गलत तरीके से पेश कर भविष्य को विकलांग बनाने की साजिश हो रही है। आजादी के सपनों का भारत जो बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने देखा था उसे साकार करने के लिये देशवासियों को आपसी नफरत नहीं बल्कि भाईचारगी के काम करना होगा।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम सुनते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

भाजपाइयों ने सुना प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम, जनसंपर्क कर जमा कराए प्रपत्र

लखनऊ, अमृत विचार। पश्चिम मंडल-3 की बूथ संख्या -380 पर रविवार को भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 128वें मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। इसके अलावा 'कुंडी खटकाओ अभियान' : एसआईआर के अंतर्गत जनसंपर्क अभियान चलाते हुए 25 घरों में जाकर लोगों को गणना फॉर्म जमा कराए गए। पश्चिम मंडल-1 सआदतगंज वार्ड की पोलिंग कस्तूरबा कन्या इंटर कॉलेज की बूथ संख्या - 311, 312 हसनगंज बावली पर निवर्तमान महानगर अध्यक्ष/विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा एवं पश्चिम विधानसभा के संयोजक प्रकाश मिश्रा, सत्येंद्र सिंह के साथ दोनों बूथों पर 25-25 घरों में जाकर स्थानीय लोगों के गणना फॉर्म जमा कराए। शेष बचे हुए फॉर्मों को जल्द से जल्द भर कर जमा कराने की अपील की। इस दौरान निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा (राजन), मंडल अध्यक्ष सोमेंद्र पांडे, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, सुशील निगम (गज्जी), पार्षद शिवकुमार यादव (गुड्डू), मंडल महामंत्री अंकित राजपूत, अहिवरन सिंह, मंडल उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, विभोर अवस्थी, चंद्र प्रकाश अवस्थी, पार्षद अनूप कमल सक्सेना, सनी सोनी सहित भाजपा समर्थक उपस्थित रहे।

समरसता के लिए विश्वास जरूरी

संवाददताा, लखनऊ

अमृत विचार : समाज में समरसता रहे, इसके लिए परस्पर विश्वास करना जरूरी है। इसके साथ ही साथ आदर और सम्मान करना भी जरूरी है। ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने राष्ट्रधर्म में आयोजित एक गोष्ठी में कहीं। गोष्ठी का आयोजन संघ द्वारा तय किये गये पंच परिवर्तन में से एक विषय- समरसता पर विचार-विमर्श के लिए किया था।

स्वांत रंजन ने कहा कि सभी एक-दूसरे पर विश्वास करें, यह जरूरी है और यह तब होगा जब सभी साथ बैठेंगे, मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज शुरू से ही समरस रहा है। बाद में अंग्रेजों ने समाज में बंटवारा करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से भेदभाव बढ़ाने के लिए ऊंच-नीच, छुआछूत जैसी बातों का बीजारोपण किया। जबकि भारतीय समाज में छुआछूत ऊंच-नीच कभी मान्य नहीं रही। सभी भारतीय ग्रन्थों में समरसता, एकता का उल्लेख किया गया है। कहा कि हमारे मंत्रदृष्टा ऋषि सभी जातियों के थे। इनमें महिलाएं भी हैं। गार्गी, मैत्रेयी, सूर्या सावित्री जैसी विदुषी महिलाओं का स्थान पूरे भारतीय समाज में अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा है।

गोष्ठी में शामिल अतिथि। अमृत विचार

इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री संजय मिश्रा ने कहा कि समाज में बंधुत्व, भाईचारे के लिए संस्कार जरूरी है। एक-दूसरे के कल्याण की कामना जरूरी है। यह बात संघ की शाखा में प्रतिदिन सिखायी जाती है। सभी स्वयंसेवक इसे अपने व्यवहार में लाते हैं। राष्ट्रधर्म के प्रभारी निदेशक सर्वेशचन्द्र द्विवेदी ने कहा कि जब समाज में समरसता होगी तो व्यक्ति के साथ ही समाज और राष्ट्र का विकास होगा। गोष्ठी में संघ के सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख और राष्ट्रधर्म के निदेशक मनोजकांत, सौरभ मालवीय, बाबूलाल शर्मा, अमित कुशवाहा, गौसिया खानम, डॉ. सुनील अग्रवाल, मुरारी दास, कुंवर आजम खान ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पूर्व चेयरमैन के बेटे की दुकान से लाखों की चोरी

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के गोला बाजार स्थित खलीलाबाद के पूर्व चेयरमैन के बेटे के फॉर्च्यून की दुकान का ताला तोड़कर नकाबपोश चोर ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान के कैश काउंटर से 05 लाख नकदी और डीबीआर के इनपुट को उठा ले गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फारेंसिक टीम ने मामले की जांच-पड़ताल की। वहीं, एएसपी और सीओ सदर ने घटना का जायजा लिया। देरशाम पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के गोला बाजार निवासी रमेश रुंगटा पुत्र राम कृपाल रुंगटा की शहर में पंजाब नेशनल बैंक की गली में रामनिवास एंड संस नाम से फॉर्च्यून की दुकान है। मौजूदा समय में उनके दुकान का निर्माण भी चल रहा है। जिसकी वजह से आगे के हिस्से में बांस-बल्ली लगा है। बीती रात में बांस-बल्ली के सहारे छत पर चढ़ कर सीढ़ी से होकर दरवाजे को खोलकर चोर अंदर दुकान में घुस गया। चोर काउंटर के लॉक को तोड़ कर उसमें रखा करीब 05 लाख नकदी चुरा ले गया। चोर प्रतिष्ठान में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीबीआर इनपुट को उखाड़ कर उठा ले गया। रविवार की सुबह सफाई करने गए कर्मी ने दरवाजा टूटा देखकर शोर मचाया तो पीड़ित प्रतिष्ठान के मालिक रमेश रूंगटा, उनके बड़े भाई अमरनाथ रूंगटा, भतीजे कैलाशपति रूंगटा, गौरव रूंगटा, विनोद रूंगटा, अमित जैन, सतविंदर पाल जज्जी आदि लोग मौके पर पहुंच गए।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पैन कार्ड पर पिता का नाम (LALLAN) लल्लन है जो कि गलत है वास्तविक नाम (ALTAF HUSSAIN) अल्ताफ हुसैन है, भविष्य में पैन कार्ड सहित समस्त अभिलेखो में भी मेरे पिता को इसी नाम से जाना पहचाना जाए। **मोईन पुत्र अल्ताफ हुसैन, भिखनापुर, मंगौली, निसूरा, जगदीशपुर, अमेठी, उत्तर प्रदेश – 227809**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करना है कि मैं रामदीन पुत्र नगेसर निवासी ग्राम सगरागढ़ सीतारामपुर ग्रिन्ट थाना खोड़ारे जिला गोंडा के लड़के रमेश कुमार चौहान का चाल चलन ठीक न होने के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। रमेश कुमार चौहान के किसी कृत्य से मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्य से कुछ लेना देना नहीं है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि थाना मोहम्मदाबाद कोतवाली जनपद फर्रूखाबाद में निवास कर रहे शिवकुमार उर्फ लल्ला व अशोक कुमार उर्फ पप्पू पुत्रगढ़ मुकुंद सिंह निवासी तकीपुर के विरुद्ध माननीय न्यायालय विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट फर्रूखाबाद के न्यायालय में चल रहे मुकदमा नंबर s s t. 121/ 2007 धारा 3 (1) u p गैंगस्टर एक्ट में धारा 82 सीआर पी सी की कार्यवाही प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, किन्तु अभियुक्तगण माननीय न्यायालय में हाजिर नहीं हुए हैं जिनके विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई माननीय न्यायालय द्वारा नियमानुसार कराई जाएगी। अगर हाजिर नहीं होते हैं तो धारा 83 सी आर पी सी के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। **थाना कोतवाली मोहम्मदाबाद।**

सूचना

मैं शपथी राम अनुज सिंह पुत्र बंशराज सिंह निवासी पूरे दृगपाल सिंह मौजा सोनौली मोहम्मदपुर थाना उमरीबेगमगंज यह शपथपूर्वक बयान करता हूं कि मेरी पुत्री पम्मी सिंह आयु लगभग 30 वर्ष कुछ आसामाजिक व्यक्तियों के संपर्क में आकर शपथी को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करती है और मानसिक उत्पीड़न करते हुए जान से मरवा देने की धमकी तथा बदनाम करने की कोशिश कर रही है व शपथी का सामाजिक प्रतिष्ठा व मान सम्मान गिराने का षड़यंत्र रचती है जिससे शपथी व उसका परिवार आहत है और पम्मी सिंह से परिवार को खतरा उत्पन्न हो गया है। इसलिए मैं अपनी पुत्री पम्मी सिंह को अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। मेरे न रहने पर भी पम्मी सिंह का मेरी संपत्ति से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **राम अनुज सिंह पुत्र बंशराज सिंह निवासी– पूरे दृगपाल सिंह मौजा– सोनौली मोहम्मदपुर, थाना उमरीबेगमगंज जनपद– गोंडा**

नई पहल | ध्वजारोहण समारोह में न बुलाए जाने से नाराज सपा सांसद ने कहा, मुझ पर राम की कृपा

सांसद ने परिवार संग किए रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचारः राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण समारोह में ना बुलाए जाने से नाराज चल रहे सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने शनिवार शाम सपरिवार रामलला का दर्शन किया। कहा दर्शन करके बहुत अच्छा लगा। प्रभु श्री राम की कृपा मुझ पर है। मेरे साथ मेरा बेटा अमित, बहू, मेरी नाती और मेरी बेटी ने दर्शन किया है। मैं कई बार दर्शन कर चुका हूं। ध्वजारोहण में हमको आमंत्रण नहीं दिया गया। अगर बुलाया जाता तो मैं नंगे पैर आता। 25 तारीख को जनता को भी दर्शन करने नहीं दिया गया। मैंने इसके लिए जिलाधिकारी से दो-तीन बार बात किया। मैं 24 नवंबर को इंतजार करता रहा कि मेरा भी निमंत्रण कार्ड आएगा, लेकिन नहीं आया।

राम मंदिर में दर्शन के उपरांत परिवार के साथ सांसद अवधेश प्रसाद। अमृत विचार

हिमाचल के राज्यपाल ने किए रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला रविवार को अपने परिवार के साथ अयोध्या पहुंचे। उन्होंने हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन के बाद राम मंदिर में रामलला के सामने माथा ठेका और देश व प्रदेश की समृद्धि की कामना की। हनुमान गढ़ी में वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास ने अंग वस्त्र देकर उनका स्वागत किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धर्म ध्वजारोहण के समय भाव से उनका शरीर कांप रहा था। उनके हाथ हिल रहे थे।

टीमों ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में चल रहे 69वें अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) वॉलीबाल चौम्पियनशिप-2025 के पांचवें दिन रविवार को क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए। अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मैच जीतकर उत्तर रेलवे, पूर्व रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चौथा क्वार्टर फाइनल मैच देर सायं तक इंटीग्रल कोच फैक्ट्री एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे के बीच खेला जा रहा था। इस क्वार्टर फाइनल मैच में उत्तर रेलवे ने मध्य रेलवे को 25-14, 25-21 एवं 25-13 अंको से शिकस्त देकर सेमी फाइनल में जगह पक्की की, वही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के बीच हुए मुकाबले में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 25-15, 27-25 एवं 25-16 अंको से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पूर्व रेलवे एवं दक्षिण मध्य रेलवे के बीच खेले गये मैच में पूर्व रेलवे ने पहले सेट में 22-25 से पिछड़ने के बाद दूसरे सेट के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-19, तीसरे सेट 25-13 तथा चौथे सेट 25-23 अंको से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। राष्ट्रीय स्तर की इस वालीबाल प्रतियोगिता को देखने हेतु भारी संख्या में वालीबाल प्रेमियों एवं खिलाड़ी सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

प्रतियोगिता में प्रदर्शन करते खिलाड़ी।

न्यूज ब्रीफ

जवान से चली गोली तस्कर मारा गया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में मटियारी सीमा चौकी के पास बदमाशों के हमले के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान की राइफल से दुर्घटनावश गोली चल जाने से एक बांग्लादेशी तस्कर मारा गया। यह घटना शनिवार दोपहर को हुई जब 32वीं बटालियन के एक जवान ने देखा कि कुछ भारतीय तस्कर बाड़ के पार प्लास्टिक के बंडल फेंक रहे हैं और बांग्लादेशी तस्कर उन्हें इकट्ठा कर रहे हैं। बयान के अनुसार, बीएसएफ जवान ने उन्हें चुनौती दी, जिसके बाद भारतीय तस्कर भाग गए, लेकिन बांग्लादेशी, जिनमें से कुछ सीमा के इस तरफ थे, ने जवान पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हाथापाई के दौरान, जवान की राइफल से दुर्घटनावश एक गोली चल गई जो एक बांग्लादेशी तस्कर को जा लगी, जिससे वह जमीन पर गिर गया, जबकि बाकी तस्कर 96 कफ सिरप की बोतलें, दो विदेशी शराब की बोतलें और कांटेदार तार काटने वाला एक कटर छोड़कर भाग गए।

विधायक के अपार्टमेंट की ली गई तलाशी

पलक्कड़। एक महिला का यौन उत्पीड़न करने के मामले में मुकदमे का सामना कर रहे कांग्रेस के निलंबित विधायक राहुल ममकूटाथिल के अपार्टमेंट की रविवार को तलाशी ली गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस की दो टीम सुबह से ही कुनाथुरमेडु स्थित उनके अपार्टमेंट में साक्ष्य जुटाने के लिए तलाशी ले रही हैं। पीड़िता ने 28 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने कहा था कि मई महीने के अंतिम सप्ताह में उक्त अपार्टमेंट में दो दिनों तक ममकूटाथिल ने कथित तौर पर उससे दुष्कर्म किया था। उस वक्त वह गर्भवती थी। पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता के इस बयान की पुष्टि के लिए कि वह उस स्थान पर गई थी और जांच के तहत अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे की तस्वीरें उसने बरामद की है।

बाघिन और उसके चार शावक पकड़े गए

मैसुरु। कर्नाटक के मैसुरु में जंगल किनारे घूमते दिखी बाघिन और उसके चार शावकों को वन विभाग ने पकड़ लिया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि माना जा रहा है कि यह वही बाघिन है जिसने करीब दो साल पहले दो साल के एक बच्चे को कथित तौर पर मार डाला था। बाघिन और उसके शावकों को हुंसुर तालुक के गौदानकट्टे गांव के बाहरी इलाके में पकड़ा गया। वन विभाग के मुताबिक, बाघिन को सबसे पहले जंगल की सीमा के बाहर घूमते हुए देखा गया था और बाद में 28 नवंबर को मक्के के खेत में देखा गया। बार-बार उन्हें देखे जाने के बाद वहां रहने वाले लोग डर गए थे। चार दिन पहले दो किसान एक हमले में बाल-बाल बच गए थे, जिसके बाद विभाग ने अभियान तेज कर दिया था। विभाग ने बताया कि करीब छह महीने की उम्र के उसके चार शावक रविवार सुबह दिखे और उन्हें पकड़ लिया गया।

बिना टिकट सफर पर नाइजीरियाई गिरफ्तार

सहरसा। बिहार के सहरसा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर कोसी एक्सप्रेस के जनरल कोच में बिना टिकट यात्रा कर रहे विदेशी यात्री अब्राहम को गिरफ्तार किए जाने के बाद केंद्रीय एजेंसी, रेल पुलिस और आरपीएफ ने संयुक्त जांच शुरू कर दी है। रेल पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार यात्री नाइजीरिया का निवासी है, जो वर्ष 2013 से भारत में रह रहा था। वह बिना टिकट कोसी एक्सप्रेस से बनमनखी अपने उस मित्र से मिलने जा रहा था जो ड्रग्स कारोबार से जुड़ा बताया जाता है।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

ईडी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई एजेंसी की धन शोधन जांच का हिस्सा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने 'निजी लाभ' के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तीन अक्टूबर को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सात अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। पुलिस ने प्राथमिकी में भारतीय दंड विधान की धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र), धारा 403 (संपत्ति का दुरुपयोग), धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात के लिए दंड) और धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत आरोप लगाए हैं, जिसमें गांधी परिवार, कांग्रेस नेता सुमन दुबे और सैम पित्रोदा के अलावा यंग इंडियन (वाईआई) और डोटेक्स मर्चेंडाइज लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठानों, डोटेक्स के प्रवर्तक सुनील भंडारी, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और अन्य अज्ञात लोगों के नाम शामिल हैं।

अप्रैल में दिल्ली की एक अदालत में दाखिल ईडी के आरोपपत्र में भी इन प्रतिष्ठानों का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। अदालत ने अभी तक इस पर संज्ञान नहीं लिया है और अगली सुनवाई 16 दिसंबर को निर्धारित है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी ने पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66 (2) के तहत उपलब्ध शक्तियों का इस्तेमाल किया। यह धारा संघीय एजेंसी को कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा आपराधिक मामला दर्ज करने के लिए साक्ष्य साझा करने की अनुमति देती है, ताकि वह जांच को आगे बढ़ाने के लिए धन शोधन का मामला दर्ज कर सके।

● सुमन दुबे, सैम पित्रोदा समेत कई और नाम भी हैं प्राथमिकी में

ये मोदी-शाह की प्रतिशोधात्मक राजनीति: कांग्रेस

कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि मोदी और शाह की जोड़ी उसके नेतृत्व के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और प्रतिशोध की राजनीति जारी रखे हुए है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा भी किया कि मामला पूरी तरह फर्जी है और आखिरकार न्याय की जीत होगी। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी-शाह की जोड़ी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और प्रतिशोध की अपनी राजनीति जारी रखे हुए है। जो लोग धमकी देते हैं वे स्वयं असुरक्षित और भयभीत होते हैं। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्राथमिकी 'न तो नई शराब है, न नई बोतल और न ही नया गिलास। यह एक ऐसा अनोखा मामला है जहां न तो कोई पैसा इधर-उधर हुआ, न ही कोई अचल संपत्ति हस्तांतरित हुई, फिर भी धन शोधन का मामला खोज लिया गया।

भाजपा ने कहा- भाषण देने के बजाय कांग्रेस लूट का हिसाब दे

नई दिल्ली। भाजपा ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति के कांग्रेस के आरोप को रविवार को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेताओं से कहा कि वे भाषण देने के बजाय कथित तौर पर की गई लूट का हिसाब दें। वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि जब कांग्रेस नेताओं के खिलाफ निजी शिकायत दर्ज की गई थी, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्र की सत्ता में नहीं थे। उन्होंने कहा, यह मामला 2008 का है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, जब प्रवर्तन निदेशालय ने मामले की जांच के आधार पर कानून के प्रावधानों के तहत उन पर मामला दर्ज करने का अनुरोध किया।

न्यायाधीश बदलने पर फैसला रद्द नहीं किया जाना चाहिए: जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि फैसलों को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें लिखने वाले न्यायाधीश बदल गए हैं या पद छोड़ चुके हैं। उन्होंने शीर्ष अदालत की बाद की पीठों द्वारा फैसलों को पलटने की हाल की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

न्यायमूर्ति नागरत्ना शनिवार को हरियाणा के सोनीपत में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता की विकसित समझ यह अपेक्षा करती है कि ''हमारा विधिक तंत्र यह आश्वासन दे'' कि किसी न्यायाधीश द्वारा दिया गया फैसला समय की कसौटी पर कायम रहे, क्योंकि वह "स्याही से लिखा जाता है, रेत पर नहीं"। उन्होंने कहा, कानूनी बिरादरी और प्रशासनिक ढांचे के सभी प्रतिभागियों का यह कर्तव्य है कि वे किसी निर्णय का सम्मान करें, केवल कानून में निहित परंपराओं के अनुसार ही आपत्तियां उठाएं और केवल इसलिए उसे खारिज न करें, क्योंकि चेहरे बदल गए हैं। उच्चतम न्यायालय में एकमात्र महिला न्यायाधीश, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि न्यायपालिका देश के शासन का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, उदारीकृत नियमों, व्यापक शक्तियों और विविध उपचारों के साथ, न्यायालय को अक्सर भारतीयों के भविष्य से संबंधित प्रश्नों की एक पूरी श्रृंखला पर निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। आज न्यायपालिका को यह दायित्व निभाने वाला संस्थान माना जाता है कि कानून के शासन का पालन हर स्थिति में सुनिश्चित किया जाए, जब-जब उसका उल्लंघन हो।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने बताया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता न केवल न्यायाधीशों द्वारा लिखे गए निर्णयों से सुरक्षित रहती है, बल्कि उनके व्यक्तिगत आचरण से भी सुरक्षित रहती है।

● सोनीपत में एक कार्यक्रम में हाल की ऐसी घटनाओं पर चिंता जताई

पर्यावरण मंजूरी और बीपीएसएल मामले में पलटे गए थे फैसले

शीर्ष अदालत ने हाल ही में अपने कुछ पुराने फैसलों को पलटा है। मई में पारित अपने उस आदेश को इस महीने की शुरुआत में वापस ले लिया था, जिसमें विकास परियोजनाओं के लिए पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी पर रोक लगा दी गई थी। भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 28 नवंबर को एक बिल्डर एसोसिएशन की समीक्षा याचिका को स्वीकार कर लिया और विभिन्न परियोजनाओं के लिए पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी पर प्रतिबंध हटा दिया। इस फैसले पर कई लोगों ने सवाल उठाए थे। इसी तरह, सितंबर में शीर्ष अदालत ने कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के माध्यम से भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) का अधिग्रहण करने के लिए स्टील प्रमुख जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड की 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की बोली को बरकरार रखा, और मई के अपने आदेश को पलट दिया, जिसमें कंपनी के परिशोधन का निर्देश दिया गया था।

मर्सिडीज कार ने तीन युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

● दिल्ली के वसंत कुंज में मॉल के समीप हुआ हादसा

दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में नेल्सन मंडेला मार्ग पर एक मॉल के पास शनिवार देर रात तेज रफ्तार एक 'मर्सिडीज' एसयूवी (जी63) ने कथित तौर पर तीन लोगों को टक्कर मार दी, जिससे 23 वर्षीय एक युवक की मौत हो गयी और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह दुर्घटना शनिवार देर रात दो बजकर 33 मिनट पर हुई, जिसके बारे में वसंत कुंज उत्तर थाने में पीसीआर में कॉल आया।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पश्चिम) अमित गोयल ने कहा कि घटना मॉल के सामने हुई और सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां उन्हें बुरी तरह क्षतिग्रस्त स्थिति में एक मर्सिडीज जी63 मिली। पुलिस के मुताबिक, तीन युवक मौके पर घायल मिले, जिनकी उम्र 23, 35 और 23 साल है। ये सभी मॉल के एक रेस्तरां के कर्मचारी थे। पुलिस ने बताया कि तीनों कर्मचारी अपना काम खत्म करने के बाद मुनिरका में अपने किराए के कमरे पर लौटने के लिए गाड़ी का इंतजार कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि तीनों युवकों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उत्तराखंड के चमोली के रहने वाले रोहित (23) को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि कपिल और ललित का उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक, कपिल की हालत गंभीर बताई जा रही है, और वह अब भी आईसीयू में भर्ती है।

ऑपरेशन सिंदूर ने नौसेना की तैयारी को दर्शाया

पुणे, एजेंसी

● एडमिरल जेजी नाडकर्णी स्मारक व्याख्यानमाला में बोले नौसेना प्रमुख

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय नौसेना की निरंतर युद्ध की तैयारी को प्रदर्शित किया जिसमें पहलगाम हमले के बाद त्वरित तैनाती, हथियारों की फायरिंग और आक्रामक युद्धाभ्यास के साथ पाकिस्तानी बेड़े को उसके बंदरगाहों के भीतर ही सीमित कर दिया गया। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि जब वैश्विक समुद्र में उथल-पुथल मची होती है, तो दुनिया एक स्थिर प्रकाश स्तंभ की तलाश करती है।

भारत यह भूमिका निभा सकता है और समुद्र में भारतीय नौसेना की गतिविधियां इस ज़िम्मेदारी को दर्शाती हैं। वह नौसेना फाउंडेशन पुणे चैप्टर द्वारा आयोजित 'भू-राजनीति, प्रौद्योगिकी और रणनीति के निरंतर प्रवाह के बीच भारतीय नौसेना की गति' विषय पर एडमिरल जेजी नाडकर्णी स्मारक व्याख्यान दे रहे थे।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा भारतीय नौसेना अपनी युद्ध की तैयारी के लिए जानी जाती है और हम हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहते हैं, भले ही वे बहुत कम हों। लेकिन अब क्या बदल गया है? आज, युद्ध बिना किसी पूर्व सूचना के हो रहे हैं और यह हमारी स्थिति और तैयारी के लिए निरंतर तत्परता का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर इस संबंध में एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने नौसेना की निरंतर तैयारी को प्रदर्शित किया, जिसमें हमारे जहाजों की त्वरित तैनाती, नृशंस पहलगाम हमले के 96 घंटों के भीतर कई हथियारों से गोलाबारी, आक्रामक युद्धाभ्यास और उत्तरी हिंद महासागर में 'कैरियर बैटल ग्रुप' की उपस्थिति के दबाव ने यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तानी नौसेना अपने तट के करीब या अपने बंदरगाहों के भीतर बनी रहे।

अब भी बांग्लादेश को मित्र कहना पसंद करता हूं

पुणे। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने रविवार को कहा कि वह अब भी बांग्लादेश को मित्र कहना पसंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि पड़ोसी देश में स्थिति सुधरेगी। पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध-प्रदर्शन के कारण शेख हसीना सरकार गिर गई थी, जिसके बाद वहां एक ऐसी सरकार बनी, जिसका भारत के प्रति दोस्ताना रुख नहीं रहा है। नौसेना प्रमुख ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह बांग्लादेश को मित्र के अलावा कुछ और कहने से अब भी परहेज करेंगे, क्योंकि यह एक अस्थायी और क्षणिक दौर हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमें इंतजार करना होगा। बांग्लादेश में अभी चुनाव होने बाकी हैं, इसलिए हमें अभी अपनी टिप्पणी बचाकर रखनी चाहिए। नौसेना प्रमुख ने कहा कि हम यहां उनके कर्मियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। मैंने आज एनडीए से पास आउट हुए एक बांग्लादेशी कैडेट से मुलाकात की।

दिल्ली विस्फोट के सिलसिले में एनआईए का बिहार में छापा

खगड़िया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम ने रविवार को इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट के सिलसिले में बिहार में एक सेवानिवृत्त डाक विभाग के अधिकारी के घर पर छापा मारा। खगड़िया जिले के मानसी थाने के प्रभारी (एसएचओ) दीपक कुमार के अनुसार, एनआईए की टीम ने सैदपुर गांव में एक घर पर तड़के करीब तीन बजे छापा मारा और तलाश अभियान करीब पांच घंटे तक चला। थाना प्रभारी ने उस मामले का खुलासा नहीं किया जिसके संबंध में छापेमारी की गई, लेकिन जिला पुलिस के सूत्रों ने कहा कि टीम 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की जांच कर रही थी, जिसमें कम से कम 15 लोगों की जान चली गई थी।

वायु प्रदूषण के खिलाफ सिर्फ कागजों पर उपाय कर रही दिल्ली की सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

● दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका अधिकारियों को बनाया पार्टी

दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर करके राष्ट्रीय राजधानी में खतरनाक वायु प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि पिछले कई वर्षों में दिल्ली में वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है और विशेष रूप से सर्दियों के दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अक्सर बहुत खराब, गंभीर और खतरनाक श्रेणियों में पहुंच जाता है।

याचिका में कहा गया है कि बढ़ते प्रदूषण के कारण बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और पहले से बीमार लोगों सहित निवासियों में लगातार गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। यह याचिका ग्रेटर कैलाश-2 वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है। इसमें अदालत से शहर के वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक, दोनों तरह के प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय करने का आदेश देने का आग्रह किया गया है। याचिका में कहा गया है कि वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट के बावजूद प्राधिकारी वस्तुतः निष्क्रिय बने हुए हैं, तथा उन्होंने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के उपाय तभी लागू किये गए जब एक्यूआई अपने गंभीर स्तर को पार कर गया।

आरोप लगाया गया कि सरकार ने वास्तविक कार्यान्वयन सुनिश्चित किए बिना केवल कागज पर उपाय निर्धारित करने तक ही खुद को सीमित रखा है। याचिका में कहा गया, आज तक कोई वास्तविक या पर्याप्त जमीनी कदम नहीं उठाया गया, बल्कि विलंबित और दिखावटी कार्रवाई से केवल देरी हुई है।

एलओसी से सटे पीओके में अब भी आतंकी लॉन्च पैड

श्रीनगर। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक अशोक यादव ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किए जाने के बावजूद नियंत्रण रेखा के पार कुछ आतंकवादी 'लॉन्च पैड' अब भी सक्रिय हैं। यादव ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नियंत्रण रेखा के पार कई आतंकवादी लॉन्च पैड नष्ट कर दिए गए थे, लेकिन कुछ लॉन्च पैड अब भी सक्रिय हैं, जहां आतंकवादी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बल आतंकवादियों द्वारा कश्मीर में घुसपैठ के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए सतर्क हैं।

भगवद्गीता सदाचारपूर्ण जीवन के लिए सार्वभौमिक मार्गदर्शक

कुरुक्षेत्र, एजेंसी

उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने भगवद्गीता को सदाचारपूर्ण जीवन और विवेकपूर्ण कर्म के लिए एक सार्वभौमिक मार्गदर्शक बताते हुए रविवार को कहा कि गीता की शिक्षाएं तेजी से बदलते समय में व्यक्तियों और समाजों को दिशा दिखाने का काम करती रहेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय देवस्थानम सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राधाकृष्णन ने कहा कि वह कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर आकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं, जिसे वेदों की भूमि के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र एक शाश्वत उदाहरण है कि अंततः धर्म की अधर्म पर विजय होती है, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो। महाभारत युद्ध के संदर्भ पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि युद्ध से ठीक पहले भगवान कृष्ण ने अर्जुन को भगवद्गीता के पवित्र उपदेश दिए थे, जो मानवता को कर्तव्य, धर्म और निस्वार्थ कर्म के लिए मार्गदर्शन करते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान कृष्ण का धर्म द्वारा निर्देशित कर्म पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान, सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की कुंजी है। कहा कि हज़ारों वर्षों के बाद भी, हमारा देश और विश्व गीता का उत्सव मनाता आ रहा है। कुरुक्षेत्र वह आध्यात्मिक हृदय स्थल है जहां अमर ज्ञान पहली बार बोला गया था।

● उपराष्ट्रपति ने कहा-गीता की शिक्षाएं समाज को दिशा दिखाने का काम करती रहेंगी

पुलिसिंग

पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पुलिस के बारे में लोगों की धारणा बदलने के लिए पेशेवर दक्षता बढ़ाएं

रायपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विजन 2047 के लिए 'पुलिसिंग की दीर्घकालिक कार्ययोजना' का अनावरण करते हुए देश के शीर्ष पुलिस अधिकारियों से पेशेवर दक्षता, संवेदनशीलता एवं तत्परता बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि लोगों के बीच पुलिस की छवि में सुधार हो सके और 'विकसित भारत' के लक्ष्य हासिल किए जा सकें।

यहां पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने पुलिस प्रमुखों से आह्वान किया कि वे विकसित भारत बनने की राह पर अग्रसर विकासशील राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपनी पुलिसिंग शैली में बदलाव लाएं। सम्मेलन का मुख्य विषय 'विकसित भारत : सुरक्षा के आयाम' था। प्रधानमंत्री ने पुलिस और अर्धसैनिक बलों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक में कहा कि पुलिस के बारे में जनता की धारणा को बदलने की तत्काल आवश्यकता है, खासकर युवाओं के बीच, और इसके लिए पेशेवर दक्षता, संवेदनशीलता तथा जवाबदेही को बढ़ाया जाना चाहिए। इस सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन सहित अन्य लोग शामिल हुए। सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के डीजीपी और आईजीपी, साथ ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों ने सम्मेलन में प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लिया, जबकि देशभर से विभिन्न रैंक के 700 से अधिक अधिकारी डिजिटल माध्यम से इसमें शामिल हुए।

मोदी ने शहरी पुलिसिंग को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस इकाइयों को पुनर्जीवित करने और औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों की जगह लेने वाली नव-अधिनियमित भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित किया। मोदी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किए, जिनमें तटीय और आंतरिक सुरक्षा से निपटने में सामूहिक दृष्टिकोण, नयी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल, न्यायिक सुधारों के बारे में जागरूकता और मादक पदार्थों के दुरुपयोग का मुकाबला करने पर जोर दिया गया। ''एक्स'' पर पोस्ट किए गए संदेश में प्रधानमंत्री ने सम्मेलन को अत्यंत सार्थक बताया। उन्होंने लिखा कि इस वर्ष का डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन अत्यंत सार्थक रहा।

रायपुर में आयोजित डीजीपी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, एनएसए अजीत डोभाल, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय व अन्य।

सुनसान द्वीपों को जोड़ने के लिए नई रणनीति बनाएं

मोदी ने राज्य और केंद्र-शासित प्रदेशों के पुलिस बल से कहा कि वे सुनसान द्वीपों को जोड़ने के लिए नयी रणनीति अपनाएं, नेटग्रिड के तहत जुड़े आंकड़ों का ज्यादा असरदार इस्तेमाल करें और कार्रवाई लायक जानकारी जुटाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करें। प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को पुलिस जांच में फॉरेंसिक के उपयोग पर ''केस स्टडी'' करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक तकनीकों का व्यापक इस्तेमाल आपराधिक न्याय प्रणाली को उल्लेखनीय रूप से मजबूत बना सकता है।

तमिलनाडु में दो बसों की टक्कर, 11 की गई जान

शिवगंगा, एजेंसी

● शिवगंगा जिले में हुए हादसे में 54 यात्री हुए घायल

तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में रविवार को दो सरकारी बसों की आमने-सामने की टक्कर में 11 यात्रियों की मौत हो गई और करीब 54 अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार शाम हुई दुर्घटना में 11 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में आठ महिलाएं, दो पुरुष और एक बच्चा शामिल है। अधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस हादसे में जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख जताया। स्टालिन ने कहा कि उन्होंने जिला कलेक्टर और प्रभारी मंत्री को प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने तथा घायलों का उचित उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को तीन-तीन लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों को एक-एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा भी की। उन्होंने मामूली रूप से घायल लोगों को 50,000 रुपये देने का निर्देश दिया। सीएम स्टालिन ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

मैं अंतिम वाक्य तक मनुष्यों के लिए बोलना चाहती हूं। उन मनुष्यों की बात, जिनके सीने की हड्डी उभरी हुई है, जो दुखी और मेहनती हैं।
-महाश्वेता देवी, साहित्यकार

टकराव वाला सत्र

आज से आरंभ संसद का शीतकालीन सत्र असामान्य रूप से गर्म और संभावित रूप से टकरावपूर्ण दिख रहा है। वर्ष के अंत में होने वाला यह सत्र आमतौर पर सीमित विधायी कार्यवाही के लिए जाना जाता है, परंतु इस बार राजनीतिक वातावरण पहले से ही तनावपूर्ण है। ताज़ा आरोप-प्रत्यारोप, महत्वपूर्ण विधेयक, विदेश नीति से जुड़े विवाद और आगामी चुनावी वर्ष की राजनीति, सभी ने इसे अत्यधिक संवेदनशील बना दिया है। विपक्ष इस बार कई मोर्चों पर सरकार को घेरेगा। सबसे प्रमुख विवाद एसआईआर से जुड़ा है, जिस पर विपक्ष का आरोप है कि सरकार चर्चा से बच रही है। सरकार का तर्क है कि यह संवेदनशील सुरक्षा मामला है और किसी भी प्रकार की सार्वजनिक बहस से अनावश्यक भ्रम या सुरक्षा जोखिम उत्पन्न हो सकता है, वैसे भी यह मामला अदालत के विचाराधीन है। किंतु विपक्ष इसे बहानेबाज़ी मानते हुए आरोप लगा रहा है कि सरकार जवाबदेही से बचना चाहती है। यह विवाद हंगामे का कारण बनेगा। ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों और भारत सरकार के अस्पष्ट खंडन को लेकर भी विपक्ष आक्रामक होगा। ट्रंप का दावा भारत-अमेरिका के बीच सुरक्षा और सहयोग की प्रकृति पर प्रश्न खड़ा करता है और यह मुद्दा विदेश नीति की विश्वसनीयता से जुड़कर विपक्ष को व्यापक हमले का मौका देता है। इसी क्रम में चीन के साथ सीमाई तनाव, आतंकवाद से जुड़े खतरे और प्रदूषण जैसे घरेलू मुद्दों के तीर भी विपक्ष के तरकश में होंगे। सरकार के इस संकेत पर कि यह एक 'कार्यकेंद्रित' और सीमित एजेंडा वाला 'व्यवस्थित' सत्र होगा, इस पर विपक्ष का मानना है कि सरकार सत्र को असुविधाजनक मुद्दों पर व्यापक बहस से बचने के लिए जानबूझ छोटा रख रही है। यह आपत्ति पूरी तरह असंगत भी नहीं लगती, क्योंकि संसद का मूल उद्देश्य ही व्यापक चर्चा और उत्तरदायित्व तय करना है। यदि विवाद अधिक हैं, तो सत्र का समय कम होना स्वाभाविक रूप से आलोचना को आमंत्रित करता है। सत्र में सरकार शिक्षा, परमाणु ऊर्जा और कॉरपोरेट कानून से जुड़े कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक भी लेकर आ रही है। इन विधेयकों पर तकनीकी और संवैधानिक प्रश्न उठने की संभावना है। विपक्ष इन विधेयकों की प्रक्रियागत खामियों, विधेयक तैयार करने में विपक्ष से उचित परामर्श का अभाव सवाल खड़ा कर सकता है। संख्या बल होने के बावजूद गरम माहौल विधेयकों को पारित कराने में कठिनाई पैदा करेगा।

सरकार और विपक्ष- दोनों की रणनीतियां स्पष्ट हैं। विपक्ष सत्र को 'उत्तरदायित्व और पारदर्शिता' के प्रश्न पर केंद्रित करना चाहता है, चाहे वह एसआईआर विवाद हो, विदेश नीति पर अस्पष्टता हो, या पर्यावरण-सुरक्षा जैसे दीर्घकालिक मुद्दे। सरकार की रणनीति होगी कि सत्र को विधायी उपलब्धियों और विकास-एजेंडा पर केंद्रित किया जाए और विपक्ष के हंगामे को 'अवरोध की राजनीति' बताकर संतुलन बनाने का प्रयास किया जाए। फिलहाल सत्र से राजनीतिक टकराव की संभावनाएं ज्यादा हैं। उम्मीद है कि दोनों पक्ष प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीर चर्चा होने दें, यही लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है और संसद को उसके अनुरूप अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

प्रसंगवश

अलग होनी चाहिए स्पीकर व डिप्टी स्पीकर की शपथ!

भारतीय लोकतंत्र में शपथ केवल औपचारिकता नहीं, यह संवैधानिक उत्तरदायित्व की स्पष्ट घोषणा है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, मंत्री तथा न्यायाधीशों के लिए संविधान की तृतीय अनुसूची में शपथ के प्रारूप निर्धारित किए गए हैं, परंतु संसद और विधानसभाओं के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए शपथ का ऐसा कोई पृथक प्रावधान नहीं रखा गया। यह महत्वपूर्ण रिक्ति इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि इन पदों का दायित्व सामान्य विधायी सदस्यता से कहीं अधिक व्यापक, संवेदनशील निष्पक्षता-आधारित और निर्णयात्मक होता है।

संविधान निर्माताओं का तर्क था कि विधान सभाओं के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष पहले से ही विधायक या सांसद (अनुच्छेद 188 के अंतर्गत) अपनी सदस्यता की शपथ लेते हैं, अतः उनके लिए अतिरिक्त शपथ की आवश्यकता नहीं होगी, किंतु यह तर्क आज की लोकतांत्रिक परिस्थितियों में पुनर्विचार योग्य प्रतीत होता है। सदस्यता की शपथ केवल सदन की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार प्रदान करती है, जबकि अध्यक्ष का पद निष्पक्षता, गोपनीयता, नैतिक दायित्व और संस्थागत धैर्य जैसे उच्च आदर्शों से बंधा हुआ है। व्यावहारिक रूप से देखें तो कोई सदस्य, जो किसी राजनीतिक दल की गतिविधियों में सक्रिय रहा हो, उसके लिए अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण करते ही पूर्ण तटस्थता प्रदर्शित करना नैतिक रूप से कठिन हो सकता है। ऐसे में यह विचारणीय है कि क्या संविधान में अध्यक्षों के लिए विशेष शपथ-प्रारूप नहीं होना चाहिए, जो इन उच्च आदर्शों को औपचारिक स्वरूप दे। अध्यक्ष केवल सदन की कार्यवाही का संचालक नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे का संतुलन-रक्षक होता है। गोपनीयता का अधिकार अध्यक्ष के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
पूर्व मुख्य अन्वेषण एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा

संविधान में अध्यक्ष को यह अधिकार प्राप्त है कि यदि सरकार किसी दस्तावेज को 'जनहितविरोधी' अथवा 'गोपनीय' बताकर सदन में प्रस्तुत न करे, तो वह उस दस्तावेज को स्वयं देख सकता है और उसके प्रकटीकरण के संबंध में अंतिम निर्णय दे सकता है। यह अधिकार अत्यंत संवेदनशील है, किंतु अध्यक्ष के लिए पृथक से गोपनीयता की शपथ निर्धारित न होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि यदि किसी कारण से गोपनीयता का उल्लंघन हो जाए, तो उसकी जवाबदेही किस प्रकार निर्धारित की जाएगी।

ब्रिटेन के वेस्टमिंस्टर मॉडल में स्पीकर के लिए विशेष शपथ का प्रावधान नहीं है। वहां की संसदीय परंपराएं इतनी सुदृढ़ हैं कि निष्पक्षता स्वाभाविक रूप से बनी रहती है, लेकिन भारत का बहुदलीय राजनीतिक परिदृश्य, अत्यधिक सक्रिय एवं कभी-कभी टकरावपूर्ण राजनीतिक वातावरण तथा संसदीय कार्यवाही में बढ़ते व्यवधान यह संकेत देते हैं कि ब्रिटिश मॉडल भारतीय परिप्रेक्ष्य में पूर्णतः उपयुक्त नहीं बैठता। विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों में स्पीकर के लिए पृथक शपथ या नैतिक प्रतिज्ञा अनिवार्य है। कनाडा में स्पीकर को निष्पक्षता और ईमानदार आचरण के लिए अतिरिक्त प्रतिज्ञा करनी होती है।

ऑस्ट्रेलिया में स्पीकर अपने पद के लिए 'ईमानदार, निष्पक्ष और समर्पित' रहने की औपचारिक शपथ लेते हैं। जर्मनी, स्पेन, इटली सहित कई यूरोपीय देशों की संसदों के अध्यक्षों से तटस्थता एवं नैतिक आचरण की स्पष्ट प्रतिज्ञा कराई जाती है। अमेरिका में प्रतिनिधि सभा के स्पीकर के दायित्वों का उल्लेख सदस्य-शपथ के साथ ही विशेष रूप से जोड़ा गया है।

नेपाल ने घोली रिश्तों में कड़वाहट

नवीन गुप्ता
बरेली

नेपाल सरकार ने एक बार फिर भारत के साथ सीमा विवाद को गलत तरीके से पेश किया है। वहां के सेंट्रल बैंक ने 100 रुपये का जो नया नोट जारी किया है, उस पर नेपाल के नक्शे में जानबूझकर उन इलाकों को भी दर्शाया, जो भारत के भूभाग हैं।

जेन-जी आंदोलन के बाद नेपाल की सत्ता में परिवर्तन भारत के लिए सुखद होगा, ऐसी उम्मीदें प्रत्येक भारतीय नागरिक लगा रहा था, लेकिन हुआ इसका ठीक उल्टा। नेपाल सरकार ने एक बार फिर भारत के साथ सीमा विवाद को जबरदस्त ढंग से हवा दे दी। वहां के सेंट्रल बैंक ने 100 रुपये का जो नया नोट जारी किया, उस पर नेपाल के नक्शे में जानबूझकर उन इलाकों को भी दर्शाया, जो भारत के भूभाग हैं। पूरी दुनिया को पता है कि कालापानी और लिपुलेख भारत गणराज्य का हिस्सा हैं, लेकिन नेपाल के हुक्मरानों ने जानबूझकर इस विवाद को हवा देने की कोशिश की है, जो दोनों देशों के संबंधों के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। इस कदम से दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट पैदा हुई है। नेपाल, भारत के पांच राज्यों के साथ 1850 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा साझा करता है। ऐसे में यह विवाद दोनों देशों के नागरिकों के लिए चिंता का विषय है।

भारत का अपने दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश से तनाव चरम पर है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बदले में लांच किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मिली करारी हार के सदमे से वहां की सरकार और सेना अभी उबर नहीं पाई है। पाकिस्तान के गिड़गिड़ाने के बाद ऑपरेशन सिंदूर स्थागित तो हो गया है, लेकिन उसके लांच होने का भय पाकिस्तान की सत्ता और सेना के लोगों को खाए जा रहा है। यही वजह है कि पाकिस्तान पड़ोसी बांग्लादेश को भारत के विरुद्ध खड़ा करने के लिए हर तरकीब अपना रहा है।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी छात्रों के आंदोलन के कारण सत्ता से बेदखल हुईं प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण दिए जाने से बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार भारत से नाराज है। बार-बार पाकिस्तानी सेना के उच्च अधिकारियों को अपने देश में बुलाकर वह संदेश दे रहा है कि वह अब भारत विरोधी रुख अख्तियार करने को आतुर है। बांग्लादेश की धरती पर अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध अत्याचार चरम पर है। भारत के चिकननेक को लेकर बांग्लादेश लगातार गलत बयानी कर रहा है। वहां आतंकी कैंप फिर सक्रिय हो गए हैं, जो भारत के लिए खतरा बन सकते हैं, हालांकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हैं और जरूरी कदम उठा रहीं हैं। इस खतरे से निपटने में लगे भारत को अब नेपाल के नए कदम ने चौकन्ना कर दिया है। केपी ओली सरकार में नेपाल में चीन का दखल तेजी से बढ़ा था। चीन ने वहां कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया था। अब वहां की कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की भी चीन के प्रभाव में हैं, ऐसा माना जा रहा है।

मई 2020 में नेपाल की संसद ने एक नया मानचित्र स्वीकृत किया था, जिसमें लिपुलेख और लिंपियाधुरा को नेपाल में दिखाया गया था, जबकि ये इलाके भारतीय सीमा में हैं। ये इलाके उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जनपद का हिस्सा हैं। नेपाल इन इलाकों को अपने धारचूला जिले का हिस्सा बताता है। उस समय भारत ने इस बदलाव पर कड़ी आपत्ति जताई थी। नेपाल के इस नए नोट में कई बदलाव किए गए हैं। नोट के बैकग्राउंड में नेपाल का हल्का हरा मानचित्र है और इसी में विवादित हिस्सों को शामिल किया गया है।

आश्चर्यजनक बात तो यह है कि नेपाल ने सिर्फ 100 रुपये के नोट पर ही यह गलत मानचित्र प्रकाशित किया है। 10 रुपये, 50 रुपये, 500 और 1000 रुपये के नोटों पर इस राष्ट्रीय मैप को प्रकाशित नहीं किया गया है। भारत सरकार ने इस पर सख्त आपत्ति जताई है। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता ने सफाई में कहा है कि मैप पहले भी पुराने नोटों पर था, अब इसे अपडेट किया गया है। सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों की सीमाएं नेपाल से लगती हैं। नेपाल में वैसे भी कट्टरपंथी इस्लामिक ताकतें अपने पांव पसार रही हैं। ऐसे में नेपाल से नया विवाद बहुत अच्छा संकेत नहीं है।

नेपाल से सीमा विवाद नया नहीं है, लेकिन केपी ओली के सत्ता से बेदखल होने के बाद यह उम्मीद जगी थी कि नई कार्यवाहक सरकार कोई ऐसा कदम नहीं उठाएगी, जिससे भारत से उसके रिश्ते खराब हों, लेकिन इस सरकार ने भी वही किया, जो केपी ओली सरकार की मंशा थी। नेपाल से भारत का रोटी और बेटी का रिश्ता है, लेकिन छोटे-छोटे विवाद इन रिश्तों में कड़वाहट घोल रहे हैं। नेपाल के विकास में भारत अहम भूमिका अदा कर रहा है। हाल ही में दोनों देशों के बीच 400 केवी बिजली परियोजनाओं को लेकर समझौता हुआ है।

नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री कुलमान घिसिंग और भारत के केंद्रीय विद्युत एवं आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के बीच यह समझौता हुआ था। भारत की कोशिश रहती है कि वह नेपाल की हर संभव मदद करे, लेकिन वहां की सत्ता में बैठे लोग अक्सर ऐसा कदम उठा लेते हैं, जो रिश्तों में दूरियां पैदा करने वाली होती है। भारत सरकार ने नेपाल के नए कदम का कूटनीतिक तरीके से जवाब दिया है। भविष्य में नेपाल इन इलाकों को अपने क्षेत्र में होने का दावा न करे, ऐसा प्रयास भी सरकार कर रही है।

सीमा विवाद सुलझाने को लेकर देनों देशों के बीच बैठकें भी जल्द होने के आसार हैं, हालांकि नेपाल के इस कदम के बाद पड़ोसी बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान की निगाहें भी हैं। पाकिस्तान सरकार के प्रतिनिधि नेपाल का दौरा करने का मन बना रहे हैं, ताकि भविष्य में दोनों देशों के बीच कुछ अहम समझौते हो सकें, हालांकि नेपाल की राजनीति को बारीकी से समझने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल, भारत से बहुत दूर नहीं जा सकता है, क्योंकि वहां के नागरिकों का झुकाव भारत की तरफ है।

आमने सामने

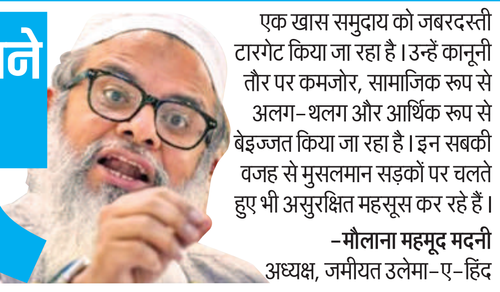

एक खास समुदाय को जबरदस्ती टारगेट किया जा रहा है। उन्हें कानूनी तौर पर कमजोर, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से बेइज्जत किया जा रहा है। इन सबकी वजह से मुसलमान सड़कों पर चलते हुए भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।
-मौलाना महमूद मदनी
अध्यक्ष, जमीयत उलेमा-ए-हिंद

आज देश में कुछ ऐसी ताकतें हैं, जिनके बयान बांटने वाले हैं, जबकि देश को एक करने वाली खबरें भी हैं। यह गैर-जिम्मेदाराना बयान है। हमने देखा है कि कैसे जिहाद के नाम पर कुछ लोगों ने भारत और बाहर आतंकवाद फैलाया है।
-संबित पात्रा
भाजपा के सांसद

आध्यात्मिक राजधानी बन सकती है देवभूमि

प्रो. एचसी पुरोहित
दून विश्वविद्यालय
देहरादून

उत्तराखंड सरकार दिसंबर माह से राज्य में प्रवेश करने वाले वाहनों से ग्रीन सेस लेने जा रही है। इसे आध्यात्मिक राजधानी की दिशा में पहला कदम समझा जा सकता है।

राज्य स्थापना के जयंती समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड को आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने की बात की। उन्होंने कहा कि यह देवभूमि विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के लिए उपयुक्त है और इससे यहां के रीति-रिवाज, कला-संस्कृति, मठ-मंदिर, योग, आयुर्वेद और पौष्टिक श्रीअन्न आदि विशिष्टताएं अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क से जोड़ेंगे, जो रोजगार और विकास की नई संभावनाएं उत्पन्न करने में सहायक होगा। प्रधानमंत्री की ये बातें इसलिए सटीक बैठती हैं, क्योंकि देवभूमि उत्तराखंड अपनी आध्यात्मिक चेतना, प्राकृतिक सौंदर्य, नैसर्गिक शांति और सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्व विख्यात है। यहां विश्व प्रसिद्ध केदार खंड और मानस खंड क्षेत्र में अवस्थित प्रमुख केंद्रों में चारधाम जिसमें- केदारनाथ- भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में एक है, बद्रीनाथ भगवान विष्णु का धाम, गंगोत्री मां गंगा का उद्गम स्थल और यमुनोत्री मां यमुना की उद्गम स्थल के अलावा जागेश्वर धाम, आदि कैलाश, कैंची धाम, ऋषिकेश-योग, ध्यान और आध्यात्मिक का प्रमुख केंद्र, हरिद्वार- कुंभ नगरी होने के साथ ही योग और साधना केंद्र के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाते हैं।

उत्तराखंड के प्रमुख प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में कौसानी, पिथौरागढ़, रानीखेत, औली, मसूरी, चकराता, नैनीताल, भीमताल आदि क्षेत्र प्रकृति की सौंदर्यता का अनुभव कराते हैं। साथ ही देश का टाइगर रिजर्व जिम कॉर्बेट पार्क, सुप्रसिद्ध फूलों की घाटी, हिमालय की जैव विविधता का केंद्र नंदा देवी उद्यान और राजाजी राष्ट्रीय पार्क पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। साहसिक पर्यटन भी यहां बड़ा आकर्षण का केंद्र है, जिसमें रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, स्कीइंग, चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैक, पिंडारी ग्लेशियर ट्रैक, रूप कुंड, हर की दून ट्रैक आदि प्रमुख हैं। ये सभी उत्तराखंड को स्वाभाविक रूप से 'विश्व की आध्यात्मिक राजधानी' बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

आवश्यकता है, इन क्षेत्रों में सुनियोजित रूप से सुचारु कनेक्टिविटी विकसित की जाए, जो विश्व के लोगों के लिए सुविधाजनक और आनंददायक हो। ऐसी पहल आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देने में भी सहायक होगी और इससे सांस्कृतिक व वैज्ञानिकता चेतना विश्व कल्याण के लिए प्रवाहित होगी। राज्य के आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित होने से रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। योग, ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, आध्यात्मिक शिक्षा, वेलनेस टूरिज्म, सांस्कृतिक पर्यटन और धार्मिक आयोजनों से जुड़े क्षेत्रों में लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सकता है, इसके अतिरिक्त होटल, परिवहन, गाइड सेवा, स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, जैविक कृषि और होम-स्टे जैसी गतिविधियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ताकत देंगी, क्योंकि यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में हर वर्ष वृद्धि हो रही है।

वर्ष 2021 में लगभग दो करोड़ पर्यटक यहां आए। 2022 में लगभग पांच करोड़ पर्यटक यहां पहुंचे और 2023 में लगभग 5.96 करोड़ पर्यटक व श्रद्धालु आए। पिछले तीन वर्षों की अवधि में कुल 23 करोड़ से अधिक पर्यटक आए। 2025 में भी पर्यटन अच्छी-खासी मात्रा में रहा है। लगातार बढ़ रही पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इन शहरों में परिवहन व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, पार्किंग, ट्रैफिक जाम आदि को नियंत्रित करने के लिए पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह प्रयास रोजगार की तलाश में हो रहा पलायन रोकने में भी कारगर सिद्ध होगा।

आज उत्तराखंड का पर्वतीय क्षेत्र तेजी से खाली हो रहा है। युवाओं को रोजगार के लिए शहरों और महानगरों की ओर विवश होकर जाना पड़ता है। यदि उन्हें गांव में ही सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध होंगे, तो वे अपनी भूमि, संस्कृति और परिवार से जुड़े रहकर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो सकेंगे। इससे 'स्थानीय को रोजगार' की अवधारणा भी साकार होगी। आवश्यकता है कि स्थानीय युवाओं का आध्यात्मिक विकास के विभिन्न विषयों और पहलुओं पर प्रशिक्षण हो, ताकि वे कौशल युक्त हों और इस क्षेत्र में उद्यम संचालित कर सकें। इस दिशा में आगे बढ़ते समय पर्यावरण संरक्षण और संतुलित विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। अनियंत्रित निर्माण, भीड़भाड़, कचरा प्रबंधन की अनदेखी और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन इस आध्यात्मिक भूमि की आत्मा को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए पर्यटन विकास के साथ सख्त पर्यावरणीय नियमानुसार योजनाएं लागू करना आवश्यक है।

राज्य सरकार द्वारा दिसंबर माह से राज्य में प्रवेश करने वाले वाहनों से ग्रीन सेस लेने का निर्णय इस दिशा में एक प्रभावी कदम है। इसे आध्यात्मिक राजधानी की दिशा में पहला कदम समझा जा सकता है। दिसंबर माह से राज्य में प्रवेश करने वाले बाहरी प्रदेशों की कारों से 80, बस से 140, डिलीवरी वैन से 250, ट्रकों से 120-700, आकार के अनुसार ग्रीन सेस शुल्क लिया जाएगा। यह प्रयास राज्य की नैसर्गिक सुंदरता और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक सिद्ध होगा, इसलिए राज्य अब सिर्फ तीर्थ यात्रा केंद्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अब यहां अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक, योग और वेलनेस केंद्रों को विकसित करने के लिए दीर्घकालिक नीति निर्माण की आवश्यकता है।

सोशल फोरम

एक चिंतन यहूदियों की वैश्विक प्रगति पर

दुनिया की जनसंख्या में यहूदी पूरे दो करोड़ भी नहीं हैं, लेकिन हर क्षेत्र में वे जरूर हैं वो भी सबसे आगे। अल्बर्ट आइंस्टीन हों या कार्ल मार्क्स हों, गोल्डा मायर हों, मार्क जुकरबर्ग हों या फिर स्टीवन स्पीलबर्ग या फिर डेविड बेकहम। सभी क्षेत्रों में यहूदी अव्वल रहे हैं। यहूदी दुनिया की आबादी का 0.2% हिस्सा हैं, फिर भी उन्होंने 20% से ज्यादा नोबेल पुरस्कार जीते हैं।

आशीष सैनी
ब्लॉगर

लगभग 900 में से कुल 200 से ज्यादा नोबेल अकेले यहूदियों के नाम हैं। अर्थशास्त्र में 40%, चिकित्सा में 30%, भौतिकी में 25%, केमिस्ट्री में 20%, साहित्य में 15% और शांति के नोबेल पुरस्कारों में 10% पुरस्कार यहूदियों के नाम हैं। यहूदी दुनिया के सबसे अमीर लोगों में भी शामिल हैं। यहां तक की 17 फीसदी डॉलर पर यहूदियों का ही कब्जा है। दुनिया में जितने भी अरबपति हैं, उनमें यहूदियों की तादाद बहुत अच्छी है। फोर्ब्स ने दुनिया के अमीर लोगों की जो नई लिस्ट जारी की, उसमें यहूदियों के आंकड़े हैरान करने वाले हैं।

फोर्ब्स ने यहूदी अरबपतियों की जो लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 267 यहूदी अरबपतियों के नाम हैं, जिनकी कुल नेटवर्क 1.7 ट्रिलियन डॉलर है, जो भारत की कुल जीडीपी का 60 फीसदी बैठता है। यह लिस्ट बताती है कि सबसे अमीर यहूदी लैरी एलिसन हैं। दूसरे नंबर पर लैरी पेज, जिनकी संपत्ति 85.2 बिलियन डॉलर है। दुनिया भर के अरबपतियों की लिस्ट में चौथा सबसे अमीर आदमी यहूदी है। इनका नाम लैरी एलिसन है। लैरी की कुल संपत्ति 107 बिलीयन डॉलर आंकी गई है। तीसरे नंबर पर सर्गेई ब्रिन हैं। उनकी संपत्ति 81.8 बिलियन डॉलर है। चौथे नंबर पर स्टीव बालमेर हैं, जिनके पास 78.9 बिलियन डॉलर संपत्ति है और पांचवें नंबर पर 76.8 बिलियन डॉलर के साथ माइकल ब्लूमबर्ग है।

साल 1948 में यहूदियों के लिए एक अलग देश बनाने का फैसला हुआ था। इसका सबसे ज्यादा समर्थन अमेरिका ने किया था। मौजूदा समय में 1948 के मुकाबले दुनिया भर में यहूदियों की जनसंख्या में गिरावट आई है, लेकिन यहूदी अरबपतियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। दुनिया भर में करीब एक करोड़ 75 लाख यहूदियों में इजराइल में ही 70 लाख हैं, जो इजरायल की कुल आबादी का 74% है। इजराइल के अलावा अमेरिका और कनाडा में सबसे ज्यादा यहूदी रहते हैं। भारत में करीब 5000 यहूदी हैं।

सामयिकी

पांच साल में दुनियाभर से एड्स के खात्मे की तैयारी

आज विश्व एड्स दिवस है। प्रत्येक वर्ष एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। गत वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यक्रम यूएनएड्स की रिपोर्ट पर गौर करें, तो एड्स से होने वाली मौतों में तकरीबन 48 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2024 में भारत में एड्स के लगभग 25.44 लाख रोगी थे, लेकिन वर्ष 2010 के बाद से नए संक्रमणों में लगातार कमी आ रही है। भारत ने 2025-26 तक नए एचआईवी संक्रमणों और एड्स से संबंधित मौतों में 80 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य रखा है और लक्ष्य के करीब पहुंच रहा है। इसका अर्थ यह हुआ कि 95 प्रतिशत एचआईवी मामलों की पहचान हो चुकी है और 95 प्रतिशत को एआरटी दिया जा रहा है। 95 प्रतिशत उपचारित व्यक्तियों में वायरस को खत्म किया जा चुका है। अच्छी बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक एड्स बीमारी के खात्मे का लक्ष्य सुनिश्चित किया है। रिपोर्ट पर गौर करें तो गत वर्ष तकरीबन चार करोड़ लोग एचआईवी संक्रमण के साथ जीवन जी रहे थे, जिनमें तकरीबन 86 प्रतिशत को पता था कि वे संक्रमित हैं। मतलब साफ है कि एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

अरविंद जयतिलक
लेखक

संयुक्त राष्ट्र के एचआइवी/एड्स पर यूएनएड्स की रिपोर्ट पर विश्वास करें तो भारत एचआइवी संक्रमित लोगों का तीसरा सबसे बड़ा घर है। एड्स किस तरह जानलेवा साबित हो रहा है, इसी से समझा जा सकता है कि वर्ष 2024 में दुनिया भर में 6.30 लाख लोगों की मौत हुई, लेकिन राहतकारी है कि यह आंकड़ा 2010 की तुलना में 54 प्रतिशत कम है। इसका श्रेय एचआईवी परीक्षण और उपचार की सुलभता को जाता है। वर्ष 2024 में 20 वर्ष से कम उम्र के लगभग 90 हजार बच्चों की मौत हुई है, जो कुल मौतों का लगभग 14 प्रतिशत है।

गौरतलब है कि मध्यम आय वाले देशों ने एड्स से निपटने के लिए 2020 तक 26 अरब डॉलर खर्च करके तकरीबन 90 प्रतिशत मरीजों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा था। इसमें काफी हद तक सफलता मिली है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने 2024 में एड्स से निपटने के लिए 3.3 अरब डॉलर का बजट रखा, जिससे एड्स से निपटने में काफी मदद मिली, लेकिन 2025 में एड्स पर बजट को लेकर भिन्न स्थिति है। अमेरिका में पीईपीएफएआर 4.7 बिलियन डॉलर के वार्षिक बजट में 42 प्रतिशत कटौती का अनुमान है, जबकि भारत ने राष्ट्रीय एड्स एव एसटीडी प्रतिक्रिया के लिए अपना बजट जारी रखा है। वित्त वर्ष 2025 के लिए ग्लोबल फंड के लिए फंडिंग, जो बहुपक्षीय योगदानों का सबसे बड़ा हिस्सा 1.65 बिलियन डॉलर थी, वह वित्त वर्ष 2023 के स्तर से 375 मिलियन डॉलर कम है।

यहां ध्यान देने वाली बात यह कि एड्स से बचाव के लिए सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर जागरुकता कार्यक्रमों में तेजी के बाद भी बचाव की दर महज 0.34 प्रतिशत ही है। बेहतर होगा कि संयुक्त राष्ट्र संघ, सरकारें और स्वयंसेवी संस्थाएं एड्स से बचाव के प्रभावी कदम उठाने के साथ लोगों को बताएं कि एड्स क्या है? यह सच्चाई है कि एड्स के बारे में लोगों को पर्याप्त जानकारी नहीं है और उसी का नतीजा है कि 1981 में एड्स की खोज से अब तक लगभग 30 करोड़ लोगों की जान जा चुकी है। आमतौर पर एड्स के संक्रमण की तीन मुख्य वजहें हैं- असुरक्षित यौन संबंध, रक्त का आदान-प्रदान और मां से शिशु में संक्रमण, लेकिन यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में एड्स के तेजी से बढ़ते संक्रमण का एक अन्य कारण लोगों की बदलती जीवन शैली तथा युवाओं में रोमांच के लिए जोखिम लेने की प्रवृत्ति भी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

मुख्य आकर्षण

- ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट (इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर + इंफोटेनमेंट + को-पैसेंजर डिस्प्ले)
- सेकंड-रो पैसेंजर स्क्रीन
- पैनोरमिक सनरूफ
- हार्मन कार्डन प्रीमियम ऑडियो सिस्टम
- वेंटिलेटेड और रिक्लाइनिंग सीट्स
- वायरलेस कनेक्टिविटी और ओवर-द-एयर अपडेट सपोर्ट
- इन सभी फीचर्स की वजह से इसका केबिन एक लग्जरी EV जैसा अहसास देता है।

महिंद्रा की इलेक्ट्रिक SUV XEV 9S

दमदार परफॉर्मेंस और फीचर्स

महिंद्रा ने भारत में अपनी नई तीन-रो इलेक्ट्रिक SUV XEV 9S को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 19.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तय की गई है। यह मॉडल कंपनी की बेस्टसेलर XUV700 का इलेक्ट्रिक अवतार माना जा सकता है, लेकिन फीचर्स, टेक्नोलॉजी और डिजाइन के मामले में इसे काफी आगे ले जाया गया है। महिंद्रा का कहना है कि XEV 9S न केवल मिड-साइज इलेक्ट्रिक SUV सेगमेंट को टार्गेट करती है, बल्कि कई हाई-एंड इलेक्ट्रिक SUVs को भी चुनौती देने के लिए तैयार है। *- फीचर डेस्क*

डिजाइन और इंटीरियर

डिजाइन के मामले में XEV 9S को महिंद्रा की नई EV डिज़ाइन लैंग्वेज पर तैयार किया गया है, जिसमें आधुनिकता और एरोडायनामिक्स का खास ध्यान रखा गया है।

- बाहरी हिस्से में दिए गए फीचर्स
- शट-ऑफ फ्रंट ग्रिल
- L-शेप्ड LED DRLs
- वर्टिकल प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स
- फुल-विड्थ रियर LED लाइट बार
- EV-ओरिएंटेड क्लीन सरफेस डिज़ाइन
- इन एलिमेंट्स के साथ यह इलेक्ट्रिक SUV काफी फ्यूचरिस्टिक और प्रीमियम लुक देती है। इंटीरियर में कंपनी ने कई हाई-टेक फीचर्स जोड़े हैं।

अन्य एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स

- Level 2+ ADAS
- ब्रेक-बाय-वायर तकनीक
- ब्लाइंड व्यू मॉनिटरिंग
- इंटेलिजेंट इमरजेंसी ब्रेकिंग
- लेन कीप असिस्ट और अडेप्टिव क्रूज़ कंट्रोल

सेफ्टी और टेक्नोलॉजी

महिंद्रा ने XEV 9S को सुरक्षा के मामले में भी काफी एडवांस्ड बनाया है। SUV में 7 एयरबैग्स तक का विकल्प मिलता है, जिसमें नी-एयरबैग भी शामिल है।

कीमत और लॉन्च टाइमलाइन

महिंद्रा ने XEV 9S की कीमतें 19.95 लाख रुपये से 29.45 लाख रुपये तक रखी हैं। कंपनी का कहना है कि यह SUV इतनी प्रीमियम फीचर्स देती है कि यह 80 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक SUVs के लिए भी कड़ी चुनौती पेश कर सकती है। टॉप मॉडल में Mahindra Secure 360 Pro सिस्टम दिया गया है, जो लाइव व्हीकल मॉनिटरिंग, एंटी-थेफ्ट अलर्ट और रीयल-टाइम कार सर्विलांस जैसी सुविधाएं प्रदान करता है।

बैटरी और परफॉर्मेंस

नई XEV 9S को महिंद्रा ने तीन अलग बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया है-59 kWh, 70 kWh और 79 kWh, इन बैटरी पैक्स के साथ मिलने वाला पावर आउटपुट 228 bhp से 282 bhp के बीच रहता है, जबकि सभी वेरिएंट्स में 380 Nm का मजबूत टॉर्क दिया गया है। इससे SUV हर तरह की ड्राइविंग कंडीशन्स में बेहतर प्रतिक्रिया देती है। महिंद्रा का दावा है कि इसका टॉप-एंड वेरिएंट केवल 7 सेकंड में 0-100 kmph की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है, जो अपनी कैटेगरी में इसे काफी स्पोर्टी बनाता है। इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के चलते ड्राइविंग ज्यादा स्मूद, साइलेंट और फास्ट रिस्पॉन्सिव होती है।

मॉय फर्स्ट राइड

डर से आत्मविश्वास तक की अनोखी यात्रा

कार चलाना हमेशा से मेरे लिए एक रोमांचक, लेकिन डराने वाला सपना था। सड़क पर तेजी से गुजरती गाड़ियों को देखकर मन में एक अजीब सा उत्साह तो आता था, लेकिन उसी के साथ लगा रहता था 'क्या मैं कभी इन्हें चला पाऊंगा?' लंबे समय तक यह सवाल मुझे रोकता रहा, लेकिन एक दिन मैंने पापा से कहा कि मुझे कार चलाना सीखना है। बस, यहीं से मेरी असली यात्रा शुरू हुई। पहले दिन जब मैं पापा के साथ कार की ड्राइविंग सीट पर बैठा, तो ऐसा लगा जैसे किसी नए संसार में प्रवेश कर रहा हूं। स्टीयरिंग व्हील पकड़ते ही हथेलियां पसीजने लगीं। पापा शांत आवाज में बोले, "डरो मत, कार आपको समझ जाएगी।" उनकी यह बात थोड़ी अजीब लगी, पर उसमें एक भरोसा था। मैंने धीरे से क्लच दबाया, गियर बदला और कार हल्के से आगे बढ़ी। वह कुछ सेकंड शायद मेरी जिंदगी के सबसे लंबे सेकंड थे। ऐसा लगा मानो मैं खुद को चला रहा हूं, कार नहीं।

ड्राइविंग सीखने के शुरुआती दिन ज्यादा चुनौतीपूर्ण थे। क्लच और एक्सेलरेटर का बैलेंस समझना एक कला है और यह कला मुझे बिल्कुल नहीं आ रही थी। सड़क पर आते ही मन में हमेशा डर रहता कि कहीं गाड़ी बंद न हो जाए या बाईं-प्रवृत्ति वाली गाड़ी दाईं तरफ न भाग जाए। कई बार ऐसा हुआ कि कार ठीक से स्टार्ट ही नहीं हुई और आसपास के लोग एक्टिंग कर के बता रहे थे कि मैं कितना नया ड्राइवर हूं, लेकिन ड्राइविंग की खूबसूरती यही है कि हर गलती से आप कुछ सीखते हैं। धीरे-धीरे पैरों का तालमेल बैठने लगा। क्लच कम छोड़ना, पहले गियर में गाड़ी को स्मूद चलाना और मोड़ पर स्टीयरिंग को सही एंगल में घुमाना, सब धीरे-धीरे आसान होता गया। कार सिखाते समय पापा अक्सर कहते थे कि "कार वही करती है, जो ड्राइवर का दिमाग चाहता है। बस दिमाग शांत रखो।"

एक दिन जब पहली बार मैंने खुद कार को थोड़ा तेज चलाया और वह बिना झटके आगे बढ़ती रही, तो यह एक अलग ही खुशी थी। ऐसा लगा जैसे किसी बड़ी परीक्षा में पास हो गया हूं। अब सड़कें इतनी डरावनी नहीं लगती थीं, बल्कि रोमांचित करती थीं। सबसे यादगार क्षण तब आया जब मैंने पहली बार बिना किसी की मदद के रोड पर लांग ड्राइव की। शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन कुछ ही मिनटों में भरोसा बढ़ गया। सड़क किनारे खड़े पेड़ों की तरफ देखकर लगा कि आज मैं सच में अपने डर को पीछे छोड़ आया हूं। ड्राइविंग सीखने के इस पूरे अनुभव ने मुझे सिर्फ कार चलाना ही नहीं सिखाया, बल्कि धैर्य, आत्मविश्वास और साहस का महत्व भी समझाया। आज जब मैं कार स्टार्ट करता हूं, तो उन शुरुआती दिनों की घबराहट याद आ जाती है और उसी के साथ वह गर्व भी कि मैंने अपने डर को हराया। कार चलाना सिर्फ एक कौशल नहीं, बल्कि अपने आप को समझने और खुद पर भरोसा करने की एक छोटी, लेकिन बेहद महत्वपूर्ण यात्रा है।

-रुद्राक्ष त्रिवेदी, बीटेक स्टूडेंट, बरेली

अपनाएं ये जरूरी टिप्स: सर्दियों में डीजल कार की मुश्किल होगी खत्म

सर्दियों का मौसम आते ही डीजल कारों के सामने कई तकनीकी दिक्कतें खड़ी हो जाती हैं, खासकर उन राज्यों में जहां तापमान शून्य के आसपास पहुंच जाता है। ठंड बढ़ने पर इंजन स्टार्ट होना मुश्किल हो जाता है, डीजल गाढ़ा पड़ने लगता है और कार की परफॉर्मेंस भी सुस्त हो जाती है। अगर आपकी डीजल कार भी हर सर्दी साथ नहीं देती, तो कुछ सरल टिप्स अपनाकर आप अपने इंजन को ठंड में भी पूरी तरह स्मूथ, भरोसेमंद और एक्टिव रख सकते हैं।

विंटर-ग्रेड डीजल का जरूर करें इस्तेमाल

पेट्रोल इंजन की तुलना में डीजल इंजन ठंड के असर को ज्यादा महसूस करते हैं। कम तापमान में डीजल गाढ़ा होकर जेल की तरह जमने लगता है, जिसे फ्यूल जेमिंग कहा जाता है। ऐसे में डीजल फ्यूल लाइनों और फिल्टर से आसानी से गुजर नहीं पाता और परिणामस्वरूप कार स्टार्ट ही नहीं होती। इस समस्या से राहत पाने के लिए हमेशा भरोसेमंद पेट्रोल पंप से विंटर-ग्रेड डीजल ही भरवाएं। साथ ही, फ्यूल को ठंड में फ्लो बनाए रखने के लिए STP Diesel Treatment जैसे एंटी-जेल एडिटिव का इस्तेमाल भी बेहद फायदेमंद रहता है। इससे इंजन स्टार्टिंग हल्की-फुल्की ठंड में भी बिना किसी झंझट के हो जाती है।

आधा खाली न रखें फ्यूल टैंक

सर्दी में फ्यूल टैंक खाली रहने पर उसके अंदर नमी बनने लगती है, जो तापमान गिरने पर बर्फ में बदल सकती है। इससे फ्यूल पाइप ब्लॉक होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसलिए कोशिश करें कि आपका फ्यूल टैंक हमेशा फुल या कम से कम तीन-चौथाई भरा हुआ रहे। इससे नमी बनने की संभावना कम होगी और फ्यूल जेमिंग का रिस्क भी काफी हद तक खत्म हो जाएगा।

सुबह गाड़ी स्टार्ट करते ही न दें रेस

बहुत से लोग ठंड में गाड़ी स्टार्ट करते ही एक्सेलरेटर दबा देते हैं, लेकिन ऐसा करना इंजन के लिए नुकसानदेह है। बेहतर होगा कि इंजन स्टार्ट करने के बाद 3-5 मिनट तक उसे आइडल रहने दें, ताकि इंजन ऑयल पूरी तरह गर्म होकर हर हिस्से तक आसानी से पहुंच सके। इसके अलावा कोशिश करें कि कार को गैरेज, शेड या ढकी हुई जगह पर पार्क करें ताकि पाला और ठंडी हवा इंजन को सीधे प्रभावित न करें।

विंटर-ग्रेड सिंथेटिक इंजन ऑयल का करें उपयोग

कम तापमान में इंजन ऑयल भी गाढ़ा हो जाता है। इससे कोल्ड इंजन में ऑयल सर्कुलेशन धीमा रहता है और इंजन पर जरूरत से ज्यादा दबाव पड़ता है। इस समस्या से बचने के लिए 5W-30 या 5W-40 जैसे विंटर-ग्रेड सिंथेटिक ऑयल का इस्तेमाल करें। यह ऑयल ठंड में भी आसानी से फ्लो होता है और इंजन को शुरुआत से ही बेहतर लुब्रिकेशन देता है।

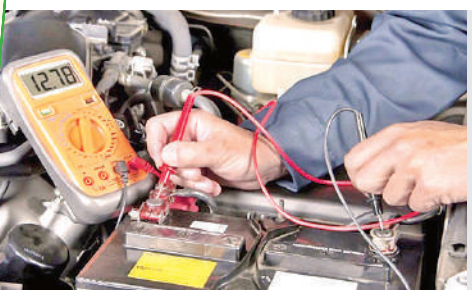

बैटरी की समय रहते कराएं जांच

सर्द मौसम में बैटरी की क्षमता घट जाती है और वोल्टेज कम होने लगता है। ऐसे में इंजन को स्टार्ट होने के लिए अधिक शक्ति चाहिए होती है और यही वजह है कि कार सुबह पहली बार स्टार्ट करते समय परेशानी देती है। इसलिए मौसम बदलने से पहले बैटरी की अच्छी तरह जांच करा लें-

- टर्मिनल्स पर जमा जंग साफ करवाएं
- बैटरी की हेल्थ और चार्ज लेवल चेक कराएं
- चार्जिंग सिस्टम और अल्टरनेटर की भी जांच करवाएं
- अगर बैटरी पुरानी है, तो ठंड शुरू होने से पहले उसे बदल देना समझदारी होगी।

नेपाल ने चीनी कंपनी को नोट छापने का ठेका दिया

काठमांडू। नेपाल राष्ट्र बैंक ने चाइना बैंकनोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50 रुपये, 500 रुपये और 1,000 रुपये के नेपाली बैंक नोट छापने का ठेका दिया है। नेपाल के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया था। इसमें देश का बदला हुआ नक्शा है, जिसमें भारत के कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्र को नेपाल में दिखाया गया है।

अमृत विचार
लखनऊ, सोमवार, 1 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

श्रम कानून नियोक्ताओं के हित में, सिर्फ संगठित क्षेत्र के 15% कर्मियों को ही लाभ

विशेषज्ञों ने कहा- कॉन्ट्रैक्टर के जरिए आने वाले कर्मियों के लिए कोई प्रावधान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रम मामलों के विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री प्रोफेसर संतोष मेहरोत्रा ने कहा है कि नई श्रम संहिता में 'फिक्स्ड टर्म' कर्मचारियों की श्रेणी में समयसीमा का जिक्र न होने और श्रम निरीक्षकों की कमी जैसी खामियां नए श्रम कानून को श्रमिकों के बजाय नियोक्ताओं के हित में बनाती हैं। उन्होंने कहा कि इस कानून से देश में काम कर रहे लगभग 61 करोड़ कामगारों में से सिर्फ संगठित क्षेत्र में कार्यरत केवल 15% कर्मचारियों को ही लाभ होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि अब कंपनियां अपने कार्यों के लिए 'कान्ट्रैक्टर' के जरिए कर्मचारी लेती हैं। ऐसे मामलों में इन कर्मचारियों का मूल नियोक्ता वह है, जहां वह काम करता है लेकिन असल में वह कानून के तहत कांट्रैक्टर या ठेकेदार का ही कर्मचारी है और सीधे नियुक्त न होने वाले इस कर्मचारी के बारे में नई श्रम संहिता कुछ नहीं कहती है। पूर्ववर्ती योजना आयोग के अंतर्गत आने वाला इंस्टिट्यूट ऑफ एप्लॉयड मैनपावर रिसर्च के महानिदेशक रह चुके मेहरोत्रा ने कहा, नई श्रम संहिता में कर्मचारियों को बहुत फायदा होता हुआ नहीं दिख रहा है। मॉस्को स्थित हायर स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स के इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन में 'लीड रिसर्च फेलो' और ब्रिटेन के बाथ विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज में 'विजिटिंग' प्रोफेसर मेहरोत्रा ने कहा, दूसरी समस्या यह है कि 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में 61 करोड़ कर्मचारी हैं। उनमें मान लिया जाए कि एक-सवा करोड़ उपक्रम संगठित क्षेत्र में पंजीकृत हैं। चार श्रम संहिताओं पर नजर रखने के लिए श्रम निरीक्षक चाहिए। देश भर में इसके स्वीकृत पद 6,000 हैं लेकिन तीन से साढ़े तीन हजार ही कार्यरत हैं। इसका मतलब है कि इसे लागू पर निगरानी करना काफी मुश्किल है।

हालांकि, मानव संसाधन सेवाएं देने वाली कंपनी रैंडस्टैड इंडिया के जनरल काउंसिल डॉ. सचिन बिराज का कहना है कि नई श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन भारत के प्रतिभा परिदृश्य में महत्वपूर्ण संरचनात्मक कदम है। श्रम संहिताएं सभी प्रकार के अनुबंधित और निश्चित अवधि के श्रमिकों को सार्थक लाभ प्रदान करती हैं और यह भारत के श्रम ढांचे में सबसे प्रगतिशील बदलावों में से एक है।

"कानून के मुताबिक कंपनी का एक मुख्य कार्य होता है और कुछ गैरमुख्य कार्य होते हैं। मुख्य कार्य में कांट्रैक्टर से कर्मचारी नहीं ले सकते हैं। उसके लिए फिक्स्ड टर्म पर ही कर्मचारी लेने हैं। यह उसी शर्त पर होगा जिस पर आप नियमित कर्मचारी को लेते है। आपको नियमित कर्मचारियों को जो सुविधा मिलती है, उसी शर्त पर ही नियुक्त करना होगा। अब सवाल है कि मुख्य कार्य और गैरमुख्य कार्यों को तय कौन करेगा। हास्यास्पद स्थिति यह है कि नियोक्ता निर्णय कर लेगा कि यह उसका प्रमुख कार्य है और यह गैर-प्रमुख कार्य है। - **प्रो. संतोष मेहरोत्रा**

अर्थशास्त्री प्रो. संतोष मेहरोत्रा के सवाल

- प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक कानून कहता है कि चाहे अनुबंध पर हो या फिर स्थाई कर्मचारी हो, उन पर वेतन और गैरवेतन नीति एक समान लागू हों। संहिता में पेचीदगी यह है कि एक नए किस्म की श्रेणी 'फिक्स्ड टर्म' के लिए नियुक्त कर्मचारी सृजित की गई है, लेकिन फिक्स्ड टर्म में उन्होंने कोई समयसीमा नहीं लिखी है। यह बड़ी खामी और गलती है। नियोक्ताओं को इसका फायदा होगा।
- नए कानून के तहत अगर किसी कर्मचारी को सीधे नियुक्त किया गया है तो उसको उतनी ही सुविधाएं एवं लाभ देने होंगे, जो आप स्थाई कर्मचारी को देते हैं। कंपनियां अभी तक कॉन्ट्रैक्टर के जरिये कर्मचारी लेती हैं। ऐसे मामलों में कर्मचारियों का मूल नियोक्ता वह है जहां वह काम करता है लेकिन असलियत में कानून के तहत कांट्रैक्टर का कर्मचारी है। कानून इस विषय में कुछ नहीं कहता।
- कर्मचारियों की समस्या यह है कि जो अभी तक कॉन्ट्रैक्ट लेबर एक्ट था, उसे स्टैचू बुक (किताबों) में ही छोड़ दिया गया है। इसका अर्थ यह है कि कंपनी के पास अब आजादी है कि वह चाहे तो कांट्रैक्टर से कामगार ले या फिर फिक्स्ड टर्म के लिए सीधे कर्मचारियों को नियुक्त कर ले। फिक्स्ड टर्म की समस्या यह है कि श्रम संहिता में समय अवधि को बड़ी होशियारी से कंपनी पर छोड़ दिया गया है।

बिजीनेस ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर: पहली छमाही में 10.07 लाख को 43,017 करोड़ ऋण

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 10 .07 लाख से अधिक लाभार्थियों को ऋण सहायता प्रदान की गई तथा बैंकों ने 43,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए। शनिवार को जम्मू में मुख्य सचिव अटल डुल्लू की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रशासित प्रदेश स्तरीय बैंकर समिति (यूटीएलबीसी) की 17वीं बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में 2025-26 की पहली तिमाही तथा पहली छमाही में बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण तथा अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के प्रदर्शन की समीक्षा की गई।

दूरसंचार विभाग ने दितवा के मद्देनजर बनाया नियंत्रण कक्ष

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने चक्रवात दितवाह के मद्देनजर संचार नेटवर्क की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे चालू रहने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, साथ ही कई और महत्वपूर्ण उपाय किए हैं। चक्रवात दितवाह के कारण तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश हुई है और अगले 24 घंटों में यह राज्य के उत्तरी हिस्सों तथा पड़ोसी पुडुचेरी की ओर बढ़ सकता है। विभाग ने कहा, दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात दितवाह के मद्देनजर दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक उपाय किए हैं।

लोढ़ा डेवलपर्स 14 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करेगी

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 14,000 करोड़ रुपये की 15 आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है। मुंबई स्थित लोढ़ा डेवलपर्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। कंपनी ने निवेशक प्रस्तुति में बताया कि लोढ़ा डेवलपर्स 2025-26 की दूसरी छमाही में 15 परियोजनाएं पेश करने की योजना बना रही है, जिसके तहत एक करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 96,200.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 474.75 अंक या 0.55 प्रतिशत चढ़ा। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 86,055.86 अंक के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया।

असम का 2023-24 का बजट हवा-हवाई अत्यधिक अनुपूरक अनुदान भी संदिग्ध

गुवाहाटी, एजेंसी

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने असम सरकार के 2023-24 के बजट अनुमानों को 'अवास्तविक और अनुमान से कहीं अधिक' करार दिया है। कैग ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि कई मामलों में मूल आवंटित राशि को खर्च भी नहीं किया गया, फिर भी अनुपूरक अनुदान स्वीकृत कर लिए गए।

कैग ने इसके अलावा कई स्वायत्त परिषदों तथा अन्य निकायों द्वारा उपयोगिता प्रमाणपत्र तथा वार्षिक लेखे जमा न करने की बात भी कही। विधानसभा में शनिवार को पेश 2023-24 की राज्य वित्त संबंधी कैग रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष के दौरान राज्य सरकार के बजट अनुमान 'लगातार अवास्तविक और अधिक' बने रहे। राज्य ने 1,69,966.13 करोड़ रुपये के अनुदान एवं विनियोग के मुकाबले केवल 1,39,449.66 करोड़ रुपये ही खर्च किए, जिसके कारण कुल 30,516.47 करोड़ रुपये बच गए। यह बचत कुल अनुदान एवं विनियोग का 17.95 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि यह बचत केवल कागजी थी, क्योंकि वास्तव में खर्च के लिए धन उपलब्ध ही नहीं था, क्योंकि वास्तविक प्राप्तियां अनुमानित 1,65,215.70 करोड़ रुपये के मुकाबले केवल 1,38,830.79 करोड़ रुपये ही थीं। कुल बची राशि में मात्र 0.35 प्रतिशत (107.08 करोड़ रुपये) ही वापस की गई, जिसके कारण अन्य विभाग इस राशि का इस्तेमाल नहीं कर पाए। इससे वित्तीय प्रबंधन की खराब स्थिति का संकेत मिलता है। कैग ने यह भी कहा कि वित्त विभाग लगातार बचत करने वाले विभागों की समीक्षा करे तथा उनके लिए यथार्थवादी बजट आवंटन और व्यय की निगरानी करे।

- कैग ने कहा- मूल आवंटित राशि खर्च किए गए बगैर स्वीकृत कर लिए अनुपूरक अनुदान

एमटीएनएल पर 5.42 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। शेयर बाजार एनएसई और बीएसई ने निदेशक मंडल में नियुक्ति से संबंधित नियमों का पालन नहीं करने के लिए कर्ज में डूबी सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी एमटीएनएल पर 5 .42 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एमटीएनएल ने शनिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसे नियमों के अनुसार चार और स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने हैं, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ रही है।

ब्रिटिश एयरवेज की भारत में सेवा के विस्तार की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विमानन बाजार में अविश्वसनीय क्षमता को देखते हुए ब्रिटिश एयरवेज बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के साथ देश में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार करेगी। एयरलाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भारत में 100 वर्षों से अधिक समय से परिचालन कर रही यह एयरलाइन वर्तमान में भारत से लंदन के लिए 56 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। मुंबई से रोजाना तीन, दिल्ली से दो तथा हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई से रोजाना एक-एक उड़ान है। ब्रिटिश एयरवेज अगले साल से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लंदन के लिए तीसरी दैनिक उड़ान शुरू करने की योजना बना रही है, जिसके लिए नियामकीय मंजूरी का इंतजार है। ब्रिटिश एयरवेज के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) रेने डी ग्रूट ने कहा, मांग जितनी मजबूत होती जा रही है, हम अपनी सेवाओं के विस्तार की निरंतर समीक्षा करते रहते हैं ताकि ग्राहकों को बेहतर संपर्क और विकल्प मिलते रहें।

मांग बढ़ने के साथ हम सेवाओं के विस्तार और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित हैं। अमेरिका के बाद भारत ब्रिटिश एयरवेज का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। ग्रूट ने कहा कि स्थानीय कर्मचारी प्रीमियम और भाषाई बाधा रहित व्यक्तिगत सेवा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में हम लगातार रोजगार के अवसर पैदा कर क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को सहयोग दे रहे हैं।

- सीओओ ने कहा- मजबूत मांग के कारण भारत में अद्भुत संभावनाएं

एमपीसी में रेपो दर .25% घटा सकता है आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

मुद्रास्फीति का दबाव कम होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी आगामी मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत कम कर सकता है। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ब्याज दर को स्थिर रख सकता है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति पिछले दो महीनों से सरकार के तय दायरे की निचली सीमा दो प्रतिशत से भी कम है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अर्थव्यवस्था में आई तेजी के कारण आरबीआई ब्याज दरों को यथावत रख सकता है। यह तेजी राजकोषीय समेकन, लक्षित सार्वजनिक निवेश और जीएसटी दर कटौती जैसे विभिन्न सुधारों से समर्थित है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 3-5 दिसंबर 2025 तक होनी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच दिसंबर को समिति के फैसलों की घोषित करेंगे। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल फरवरी में दरों में कमी शुरू की थी और कुल एक प्रतिशत की कटौती करके रेपो दर को 5.5 प्रतिशत कर दिया था। अगस्त में कटौती रोक दी गई थी।

कुछ विशेषज्ञों के अनुसार मुद्रास्फीति का दबाव कम होने से आरबीआई आने वाली मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। एचडीएफसी बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल वृद्धि अनुमान से अधिक और मुद्रास्फीति अनुमान से कम है। इसके मुताबिक, इसलिए आरबीआई के आगामी फैसले में कांटे की टक्कर रहेगी।

- अनुमान से अधिक वृद्धि और कम मुद्रास्फीति के बीच लेना है फैसला

एसबीआई की कॉरपोरेट ऋण वृद्धि दो अंक में रहेगी : शेट्टी

नई दिल्ली। आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को कॉरपोरेट ऋण की मांग में तेजी आने की उम्मीद है। एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा है कि बैंक को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की शेष दो तिमाहियों में कॉरपोरेट या कंपनियों को कर्ज के खंड में दो अंकीय वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि जहां तक कॉरपोरेट ऋण के लिए पाइपलाइन की बात है, उन्होंने कहा, बैंक के पास एक मजबूत पाइपलाइन है। हमारे पास लगभग सात लाख करोड़ रुपये के मंजूर ऋण हैं, जिसमें बिना इस्तेमाल की गई कार्यशील पूंजी सीमा और मियादी ऋण शामिल हैं जो अभी वितरण की प्रक्रिया में हैं। शेट्टी ने कहा, इसके अलावा, इसमें कई परियोजना कर्ज भी शामिल हैं जिन पर अभी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि इसलिए कॉरपोरेट कर्ज जो पिछले कुछ समय से पिछड़ रहा था, दूसरी तिमाही में इसमें 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शेष दो तिमाहियों में हम कॉरपोरेट ऋण में निचले दो अंक की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

- चेयरमैन ने कहा- बैंक के पास हैं सात लाख करोड़ के मंजूर ऋण

डालमिया सीमेंट से 266.3 करोड़ रुपये की मांग वापस

नई दिल्ली। डालमिया भारत की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड को बड़ी राहत मिली है। तमिलनाडु स्थित कर प्राधिकरण ने कंपनी से कुल 266.3 करोड़ रुपये के कर और जुर्माने की मांग वापस ले ली है।

डालमिया ने शेयर बाजार को बताया कि उसे पहले तिरुचिरापल्ली के लालगुडी के बिक्री कर अधिकारी की ओर से केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम की धारा 74 और तमिलनाडु वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम के तहत नोटिस मिले थे। कंपनी ने बताया कि ये नोटिस वित्त वर्ष 2019-20 और 2022-23 के लिए कर योग्य कारोबार और इनपुट टैक्स क्रेडिट की राशि में देखे गए कुछ अंतर से संबंधित थे।

पर्यटन पर सर्दी की मार

श्रीनगर में इस बार सर्दी ने कई बरसों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसकी मार पर्यटन पर पड़ी है। इक्का-दुक्का पर्यटक ही घाटी के इस खूबसूरत शहर में दिखाई दे रहे हैं। शहर में शनिवार की रात न्यूनतम तापमान -4 .4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पर्यटकों के न आने की वजह से रविवार को डल झील के किनारें तमाम नावें एक कतार में खड़ी नजर आईं। आमतौर पर डल झील पर पर्यटकों की भीड़ रहती हैं। लोग यहां नाव में सैर करने का भरपूर आनंद लेते हैं।

ए320 बेड़े के 323 विमानों के लिए सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा किया

नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने उड़ान नियंत्रण से संबंधित संभावित मुद्दे के समाधान के लिए ए320 बेड़े के परिचालनरत 323 विमानों पर सॉफ्टवेयर अपग्रेड का काम पूरा कर लिया है। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार को यह जानकारी दी।

एयरबस ने शुक्रवार को कहा था कि तीव्र सौर विकिरण की वजह से ए320 श्रेणी के काफी विमानों में उड़ान नियंत्र के लिए जरूरी डेटा खराब हो सकता है और इस समस्या को ठीक करने के लिए सॉफ्टवेयर अपडेट करने के दौरान परिचालन में बाधा आएगी। इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के ए320 बेड़े के कुल 338 विमानों को सॉफ्टवेयर अपग्रेड (अद्यतन) के लिए शुरू में चिह्नित किया गया था। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इनमें से 323 विमान परिचालनर में थे, छह बेस मेंटेनेंस में थे तथा बाद में पता चला कि एयर इंडिया के बेड़े में मौजूद नौ विमानों को इस अपग्रेड की आवश्यकता नहीं है।

हरित अर्थव्यवस्था के लिए बने वित्त संस्थान, प्रौद्योगिकी कोष

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष वित्त संस्थान और प्रौद्योगिकी कोष बनाने की अपील की है। इससे देश में लंबे समय वाली और कम लागत वाली पूंजी की उपलब्धता बढ़ेगी।

सीआईआई ने कहा कि भारत जल्द ही 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है, और ऐसे में हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना अब कोई विकल्प नहीं बल्कि रणनीतिक जरूरत बन गया है। उद्योग मंडल ने अपने बजट पूर्व सुझावों में एक विशेष हरित वित्त संस्थान (जीएफआई) बनाने का प्रस्ताव रखा है, जो नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन, हरित भवन और औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन में कमी के लिए बड़े पैमाने पर कम लागत वाली पूंजी जुटाए।

एनसीएलएटी ने वोल्टास के खिलाफ दिवाला याचिका को खारिज किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने वोल्टास के खिलाफ एक अर्जी खारिज कर दी है। इसमें टाटा समूह की कंपनी के खिलाफ उसके एक परिचालन ऋणदाता द्वारा दिवाला कार्यवाही शुरू करने की अपील की गई थी।

एनसीएलएटी की दो सदस्यों वाली पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के पहले के आदेशों को बरकरार रखा है, जिसने 27 मई, 2025 को पहले से मौजूद विवाद के आधार पर अर्जी खारिज कर दी थी। एनसीएलएटी ने एनसीएलटी के निष्कर्षों को उचित ठहराते हुए कहा कि उसने अपील करने वाली एयर वेव टेक्नोक्राफ्ट्स और वोल्टास के बीच ई-मेल के आदान-प्रदान के आधार पर इस मौजूदा जारी विवाद मानने में कोई गलती नहीं की है। यह कार्य प्रमाणन, राशि और उससे जुड़े दस्तावेजों से संबंधित है। एनसीएलएटी ने कहा, हमें इस मामले में एनसीएलटी के नजरिए से अलग रुख अपनाने का कोई कारण नहीं दिखता, जिसने पहले से मौजूद विवादों के सही आधार पर धारा-9 आवेदन को खारिज कर दिया था। हमें अपील में कोई दम नहीं मिला।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार से 3,765 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजार में फिर बिकवाल बन गए हैं। अक्टूबर में थोड़े ठहराव के बाद विदेशी निवेशकों ने नवंबर में भारतीय शेयरों से शुरू रूप से 3,765 करोड़ रुपये निकाले हैं।

ऐसा वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की क्षमता में कमी, वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी शेयरों में उतार-चढ़ाव और प्राथमिक बाजार को प्राथमिकता देने की वजह से हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले अक्टूबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में14,610 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं सितंबर में उन्होंने 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

नवंबर में एफपीआई की निकासी में वैश्विक और घरेलू कारकों दोनों की भूमिका रही। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख, प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर कटौती के रुख को लेकर अनिश्चितता, डॉलर में मजबूती, उभरते बाजारों में जोखिम लेने की श्रमता कमजोर होने से विदेशी निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी एफपीआई की धारणा प्रभावित हुई।

एंजेल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकार जावेद खान ने कहा कि नवंबर में निकासी की मुख्य वजह वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की धारणा, प्रौद्योगिकी शेयरों में उतार-चढ़ाव रही है। इसके अलावा उपभोक्ता सेवाएं और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के शेयर भी इससे प्रभावित हुए। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार का मानना है कि एफपीआई प्रवाह में रुख में बदलाव का अभी कोई साफ सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि एफपीआई कुछ दिन खरीदार थे और कुछ दिन बिकवाल। यह एक संकेत है कि हालात बदलने पर उनके प्रवाह का रुख बदल सकता है। वर्ष 2025 में अब तक, एफपीआई ने शेयरों से 1.43 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा निकाले हैं। इस बीच, ऋण या बॉन्ड बाजार में एफपीआई ने सामान्य सीमा के तहत 8,114 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। वहीं इसी अवधि के दौरान उन्होंने स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 5,053 करोड़ रुपये निकाले हैं।

- अक्टूबर में शेयर बाजार में डाले थे 14,610 करोड़ रुपये

बीमा समेत नौ आर्थिक विधेयक पेश होंगे शीतकालीन सत्र में

वित्तीय सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 74 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में पेश करने के लिए नौ आर्थिक विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें बीमा कानूनों में संशोधन करने वाला एक विधेयक और तंबाकू तथा पान मसाला जैसी हानिकारक वस्तुओं पर कर और उपकर लगाने से संबंधित दो अन्य विधेयक शामिल हैं। साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों का पहला बैच 1 से 19 दिसंबर तक चलने वाले शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किया जाएगा।

संसद सदस्यों को भेजी गई विधेयकों की सूची के अनुसार, सरकार नई पीढ़ी के वित्तीय सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) की सीमा 74 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने के लिए बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश करने की योजना बना रही है। अब तक बीमा क्षेत्र ने एफडीआई के माध्यम से 82,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है। इसके अलावा, केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 और 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' को सोमवार को लोकसभा में पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। विधेयक में सिगरेट जैसे तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने का प्रावधान है, जो जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा।

'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगने वाले मुआवजा उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए संसाधन बढ़ाना और उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाना है जिनसे निर्दिष्ट वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है। वर्तमान में तंबाकू और पान मसाला पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है, इसके साथ अलग-अलग दरों पर मुआवजा उपकर भी वसूला जाता है। इसके अलावा, प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक 2025 को सूचीबद्ध किया गया है। यह विधेयक व्यापार में आसानी के लिए एक एकीकृत प्रतिभूति बाज़ार संहिता सुनिश्चित करेगा।

जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025 चर्चा के लिए लाया जाएगा। यह विधेयक अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और इसे एक चयन समिति को भेजा गया था। अन्य आर्थिक विधेयकों में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025, मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025, राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2025 और कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 शामिल हैं।

- जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की जगह तंबाकू उत्पाद पर लगेगा उत्पाद शुल्क

हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा संबंधों में बाधा नहीं बनेगा

● बांग्लादेश ने कहा-एक मुद्दे पर अटके नहीं रहेंगे हमारे संबंध

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि उसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत से शीघ्र प्रत्यर्पण होने की उम्मीद है, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अकेला यह मुद्दा नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में बाधा नहीं बनेगा। अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने ढाका स्थित विदेशी पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की।

उनसे जब पूछा गया कि क्या अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री को स्वदेश वापस भेजे जाने तक नई दिल्ली के साथ बेहतर संबंधों की उम्मीद की जा सकती है, तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारे (द्विपक्षीय) संबंध केवल एक मुद्दे पर अटके नहीं रहेंगे। हालांकि, हुसैन ने कहा कि चूंकि हसीना अब एक घोषित अपराधी हैं, इसलिए बांग्लादेश उम्मीद करता है कि जल्द से जल्द भारत से उनकी वापसी होगी। पूर्व प्रधानमंत्री को पिछले साल छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर उनकी सरकार की क्रूर कार्रवाई के लिए मानवता के खिलाफ अपराध को लेकर 17 नवंबर को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई थी। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में हुसैन ने कहा कि भारत को नई वास्तविकताओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए कुछ समय चाहिए।

कैलिफोर्निया: गोलीबारी में चार लोगों की गई जान

स्टॉकटन। कैलिफोर्निया के स्टॉकटन शहर में एक बैंक्वेट हॉल में एक समारोह के दौरान की गई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। शेरिफ कार्यालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। सैन जोएकिन काउंटी के शेरिफ कार्यालय की प्रवक्ता हीदर ब्रेंट ने कहा कि पीड़ितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं और प्रारंभिक संकेतों के अनुसार यह लक्षित हमले का मामला हो सकता है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध हमलावर को अब तक पकड़ा नहीं गया है और उन्होंने लोगों से मदद की अपील की है। सैन जोएकिन काउंटी के जिला अटॉर्नी रॉन फ्रेटास ने कहा, यदि इस व्यक्ति के बारे में आपको कोई जानकारी है तो तुरंत संपर्क करें।

विकसित देशों में सुरक्षा चूक: बढ़ती चिंता

विकसित देशों में सुरक्षा चूक एक बढ़ती चिंता का विषय है, जो न केवल इन देशों की सुरक्षा को खतरे में डालती है बल्कि वैश्विक सुरक्षा को भी प्रभावित करती है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी जैसे देशों में हाल के वर्षों में कई सुरक्षा चूक की घटनाएं हुई हैं। व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आवास एवं कार्यालय) के पास बुधवार को हुई गोलीबारी की घटना में वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड की मौत और स्टाफ सार्जेंट गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल पर घटना को अंजाम देने के आरोप लगाए गए हैं। इस घटना ने विकसित देशों में सुरक्षा चूक की चिंता बढ़ा दी है। आइये जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं और निदान के बारे में।

सुरक्षा चूक पर लगाम जरूरी

● **सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करना :** विकसित देशों को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करना होगा, जिसमें सुरक्षा एजेंसियों को अधिक संसाधन प्रदान करना, सुरक्षा प्रोटोकॉल को अद्यतन करना और सुरक्षा कर्मियों को प्रशिक्षित करना शामिल है।

● **वैश्विक स्तर पर सहयोग करना :** विकसित देशों को वैश्विक स्तर पर सहयोग करना होगा, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिए एक साझा रणनीति बनाना, सुरक्षा जानकारी को साझा करना और आतंकवादी संगठनों के खिलाफ साझा कार्रवाई करना शामिल है।

● **सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान देना :** विकसित देशों को सामाजिक और आर्थिक विकास पर ध्यान देना होगा, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर प्रदान करना शामिल है। इससे आतंकवाद के प्रति आकर्षित होने वाले लोगों की संख्या कम हो सकती है।

कुछ महत्वपूर्ण घटनाएं

● **अमेरिका :** 2025 में व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड पर गोलीबारी, जिसमें एक जवान की मौत दूसरा घायल। 2019 में एल पासो में गोलीबारी, जिसमें 22 लोग मारे गए थे और 24 घायल हुए थे। 2018 में पिट्सबर्ग में सिनेगॉग में गोलीबारी, जिसमें 11 लोग मारे गए थे और 6 घायल हुए थे।

● **ब्रिटेन :** 2017 में लंदन ब्रिज पर आतंकी हमला, जिसमें 8 लोग मारे गए थे और 48 घायल हुए थे। 2017 में मैनचेस्टर एरीना पर आतंकी हमला, जिसमें 22 लोग मारे गए थे और 500 घायल हुए थे। 2019 में लंदन ब्रिज पर दूसरा आतंकी हमला, जिसमें 2 लोग मारे गए थे और 3 घायल हुए थे।

● **फ्रांस :** 2015 में पेरिस में आतंकी हमला, जिसमें 130 लोग मारे गए थे और 350 घायल हुए थे। 2016 में नीस में आतंकी हमला, जिसमें 86 लोग मारे गए थे और 450 घायल हुए थे। 2019 में पेरिस में आतंकी हमला, जिसमें 1 पुलिस अधिकारी मारा गया था और 2 घायल हुए थे।

● **जर्मनी :** 2016 में बर्लिन में आतंकी हमला, जिसमें 12 लोग मारे गए थे और 48 घायल हुए थे। 2017 में हैम्बर्ग में आतंकी हमला, जिसमें एक पुलिस अधिकारी मारा गया था और 6 घायल हुए थे। 2019 में हाले में आतंकी हमला, जिसमें 2 लोग मारे गए थे और 2 घायल हुए थे।

अमेरिका में शरण देने पर पाबंदी

नेशनल गार्ड के सदस्यों पर गोलीबारी के बाद अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने विदेशी नागरिकों को शरण देने संबंधी सभी फैसलों पर और अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों को वीजा देने पर रोक लगा दिया है। वॉशिंगटन में गोलीबारी में नेशनल गार्ड के जवान की मौत की घटना के बाद प्रशासन ने वैध आव्रजन को नियंत्रित करने के प्रयासों को और तेज कर दिया है। जांच अधिकारी इस हमले की मंशा का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। रिपब्लिकन प्रशासन ने कुछ गरीब देशों से नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश को रोकने तथा अन्य वैध प्रवासियों की समीक्षा करने का वादा किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

इराक में गोलीबारी में एक सैनिक की मौत

बगदाद। दक्षिणी इराक के मायसन प्रांत में शनिवार को हुई गोलीबारी में एक सैनिक की मौत हो गई और एक घायल हो गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह घटना अल-कहला इलाके में सुरक्षा बनाए रखने और वांछित लोगों को गिरफ्तार करने के लिए बनाई गयी एक जांच चौकी पर आकस्मिक जांच के दौरान हुई मंत्रालय ने कहा कि चार लोगों को ले जा रहा एक पिकअप ट्रक जांच चौकी पर रुका नहीं और उसने अचानक रास्ता बदल लिया। जब सुरक्षा बलों ने गाड़ी का पीछा किया तो संदिग्धों ने सैनिकों पर गोलियां चला दीं, जिससे एक सैनिक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया।

यमन में अल-कायदा के दो आतंकी मारे गए

सना। यमन में मारिब प्रांत के पूर्व में अल वादी जिले के अल-हुसून इलाके में शनिवार को एक अमेरिकी ड्रोन हमले में अल-कायदा के दो कथित आतंकवादी मारे गए। एक स्थानीय सरकारी सुरक्षा सूत्र ने कहा कि ड्रोन ने दोनों युवक अल-वादी जिले के थे, लेकिन उन्होंने अपने नाम नहीं बताए। यह हमला यमन में चल रहे आतंकवाद निरोध अभियान के बीच हुआ, जहां अमेरिकी ड्रोन ने समय-समय पर उन लोगों को निशाना बनाया है जिनके बारे में माना जाता है कि वे अल-कायदा समेत आतंकवादी समूह से जुड़े हैं।

पूर्वी फ्रांस में आग लगने से पांच लोगों की मौत

न्यूवेस-मैसन्स। पूर्वी फ्रांस के एक छोटे कस्बे में एक घर में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि न्यूवेस-मैसन्स शहर में लगी आग पर काबू पाने के लिए रातभर 70 दमकलकर्मी और लगभग 40 वाहनों को तैनात किया गया था। इस घटना की नैंसी के अभियोजक कार्यालय ने जांच शुरू की है। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण श्वास लेने में परेशानी महसूस करने वाले छठे व्यक्ति का उपचार किया गया और उसका जीवन खतरे से बाहर है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पीड़ितों में दंपति और 17 से 20 वर्ष की आयु के तीन युवा शामिल थे।

नेपाल में आया 4.4 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत के बझांग जिले में रविवार को 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:09 बजे आए भूकंप का केंद्र बझांग जिले में साइपाल पर्वत था। एनईएमआरसी ने बताया कि झटके पश्चिमी प्रांत के बाजुरा सहित पड़ोसी जिलों के लोगों ने भी महसूस किए।

तमिलनाडु में चक्रवात दितवा के कारण भारी बारिश में तीन की मौत, जलभराव

24 घंटों में चक्रवात के राज्य के उत्तरी हिस्सों के तटों और पुडुचेरी के समानांतर बढ़ने की संभावना

● तटीय शहरों रामेश्वरम और नागपट्टिनम में जनजीवन प्रभावित

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई : चक्रवात दितवा के कारण कासिमेडु समुद्र तट पर उठ रहीं ऊंची लहरें। ● एजेंसी

चक्रवात दितवा के प्रभाव से तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है जबकि वर्षा से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। मौसम कार्यालय ने कहा कि अगले 24 घंटों में चक्रवात के राज्य के उत्तरी हिस्सों के तटों और पड़ोसी पुडुचेरी के समानांतर बढ़ने की संभावना है। तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा जिलों में भारी बारिश के कारण रामनाथपुरम और नागपट्टिनम जिलों में भारी बारिश हुई है। तटीय शहरों रामेश्वरम और नागपट्टिनम में जनजीवन प्रभावित रहा क्योंकि भारी बारिश के कारण कई निचले इलाके जलमग्न हो गए।

क्षेत्रीय मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात 7 किमी प्रति घंटे की गति से लगभग उत्तर की ओर बढ़ गया है और यह कुड्डालोर से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, कराईकल से 100 किमी उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 110 किमी दक्षिणपूर्व, वेदारण्यम से 140 किमी उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 160 किमी दक्षिणपूर्व और चेन्नई से 180 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित है। मौसम विभाग द्वारा रविवार दोपहर कहा गया है कि उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों से चक्रवात के केंद्र की न्यूनतम दूरी लगभग 70 किमी है। कहा गया है कि अगले 24 घंटों के दौरान इसके उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के समानांतर उत्तर की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है। उत्तर की ओर बढ़ते हुए, चक्रवाती तूफान 30 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर न्यूनतम 60 किमी और तमिलनाडु-पुडुचेरी तटरेखा से 30 किमी की दूरी पर केंद्रित होगा। चक्रवात के प्रभाव के कारण, अगले 24 घंटों में कुड्डालोर, नागापट्टिनम, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवरूर, अरियालुर, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और रानीपेट जिलों तथा पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

श्रीलंका में चक्रवात के कारण 334 की मौत, बचाव अभियान जारी

कोलंबो। श्रीलंका ने चक्रवात दितवा के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही और 300 से अधिक लोगों की मौत के बाद रविवार को भारत की सहायता से राहत और बचाव कार्य जारी रखा। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की ओर से रविवार दोपहर 12 बजे जारी किए गए ताजे आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार से अब तक 334 लोगों की मौत हो चुकी है और 370 लोग लापता हैं। डीएमसी ने बताया कि 11,18,929 लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, भारत की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय वायुसेना के कर्मी लोगों की जान बचाने में श्रीलंकाई अधिकारियों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। मौसमी परिस्थितियां बिगड़ने के बाद कोलंबो हवाई अड्डे पर फंसे 320 से अधिक भारतीय नागरिकों को रविवार को भारतीय वायुसेना और वाणिज्यिक उड़ानों के जरिए स्वदेश भेजा गया।

भारतीय भाषाओं की घटती पहचान चिंताजनक : भागवत

नागपुर, एजेंसी

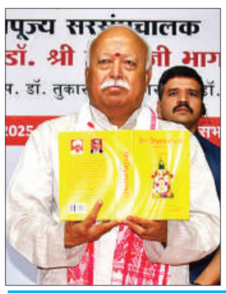

● नागपुर में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोले आरएसएस प्रमुख

● संघ प्रमुख ने कहा-कुछ भारतीयों को अब अपनी ही भाषाओं का ज्ञान नहीं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को दैनिक जीवन में भारतीय भाषाओं की घटती उपस्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि कुछ भारतीयों को अब अपनी ही भाषाओं का ज्ञान नहीं रहा है। भागवत ने नागपुर में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए, लोगों से इस बात पर विचार करने का आग्रह किया कि भारत की भाषाई विरासत किस प्रकार धीरे-धीरे खत्म हो रही है। उन्होंने याद दिलाया कि एक समय था जब संस्कृत देश में संचार, ज्ञान साझा करने और दैनिक कार्यों का प्राथमिक माध्यम थी। उन्होंने टिप्पणी की, आज, अक्सर विदेशी विद्वान हमें संस्कृत सिखाते हैं, जबकि इसके विपरीत होना चाहिए था।

भागवत ने कहा कि कई बच्चे अपनी मातृभाषा के बुनियादी शब्द ज्ञान में भी संघर्ष करते हैं और अक्सर घरों में अंग्रेजी और अपनी मूल भाषाओं के मिश्रण में बात करते हैं। उनके अनुसार, यह समस्या अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा से उत्पन्न नहीं होती है, बल्कि परिवारों द्वारा अपने घरों के भीतर भारतीय भाषाओं का उपयोग नहीं करने के निर्णय से आती है। उन्होंने कहा कि अगर हम केवल अपने घरों में अपनी भाषाओं का सही ढंग से उपयोग करने की आदत बना लें, तो स्थिति में सुधार होगा। लेकिन हम ऐसा नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक नेता भी वैश्विक संदर्भों में अंग्रेजी में दर्शकों को संबोधित करते हैं, जो समझ में आता है, फिर भी यह बदलती भाषाई प्राथमिकताओं को दर्शाती है। आरएसएस प्रमुख ने संत ज्ञानेश्वर का उदाहरण देते हुए, इस बात पर प्रकाश डाला कि संत ने भगवद गीता के सार को आम लोगों के लिए सुलभ बनाने हेतु मराठी में कैसे अनुवादित किया। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय भाषाओं में व्यक्त किए गए विचारों की गहराई को व्यक्त करने में अंग्रेजी अक्सर विफल रहती है। उदाहरण के लिए कल्पवृक्ष जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शब्द, जब अनुवादित किए जाते हैं, तो अपना बहुत अर्थ खो देते हैं।

समाज कल्याण की शिक्षा देती हैं भारतीय परंपराएं

संघ प्रमुख ने जोर दिया कि भारतीय परंपराएं व्यक्तियों को व्यक्तिगत लाभ से परे सोचने और परिवार तथा समाज के कल्याण पर विचार करने की शिक्षा देती हैं। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान सदियों से विभिन्न रूपों और अभिव्यक्तियों के माध्यम से संप्रेषित किया गया है। आरएसएस प्रमुख ने भगवद गीता की व्याख्याओं को संबोधित करते हुए, कहा कि यह पाठ ज्ञान को प्राथमिकता देता है या कर्म को, इस बारे में चर्चाएं पाठ के समग्र संदेश को याद करती हैं।

चांद से मिट्टी के नमूने लाएगा चंद्रयान-4

चेन्नई, एजेंसी

● इसरो चीफ नारायणन बोले-यह हमारे लिए सबसे जटिल प्रयास

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 2028 तक भारी लैंडर और रोवर के साथ चंद्रयान-4 लूनर मिशन लॉन्च करने की योजना बना रहा है जो प्रयोग के लिए चांद से नमूने लेकर धरती पर वापस आएगा। इसरो चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन ने शनिवार शाम यहां एक निजी विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में कहा कि इस मिशन में उनके खास पेलोड, लैंडर और रोवर का वज़न अधिक होगा।

ये चांद की सतह से नमूने लेंगे। यह क्षमता अभी सिर्फ़ अमेरिका, रूस और चीन ने दिखाई है। डॉ नारायणन ने बताया कि जहां चंद्रयान-3 के लैंडर का वज़न सिर्फ 1600 किलो था, वहीं चंद्रयान-4 के लैंडर का वज़न 6,800 किलोग्राम होगा। इसी तरह, चंद्रयान-3 के रोवर का वज़न सिर्फ 25 किलो था, जबकि नए चंद्रयान के रोवर का वज़न 350 किलो होगा। चांद की मिट्टी के नमूने वापस लाने के लिए तैयार किया जा रहा चंद्रयान-4 मिशन इसरो का सबसे जटिल प्रयास होगा। डॉ. नारायणन ने विद्यार्थियों के साथ इसरो के कई कार्यक्रम साझा किये जिन पर अभी काम जारी है। इसमें 2040 में एक स्पेस स्टेशन बनाना, चांद पर मानवयुक्त मिशन और 40 मंज़िला इमारत के बराबर ऊंचा वाला अब तक का सबसे ऊंचा रॉकेट बनाना शामिल है।

उन्होंने कहा कि अभी पृथ्वी की कक्षा में 57 भारतीय उपग्रह हैं जिनका टीवी प्रसारण, दूरसंचार, टेली-शिक्षा, टेली-चिकित्सा, पृथ्वी अवलोकन, आपदा चेतावनी और शमन, रेलगाडियों के आवागमन संबंधी आंकड़ों के अलावा समुद्र में संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्रों की निगरानी जैसे ज़रूरी क्षेत्रों में आवश्यक अनुप्रयोग हो रहा है।

हांगकांग आग में मृतकों की संख्या बढ़कर 146 हुई

बीजिंग/हांगकांग। हांगकांग में सात ऊंची आवासीय इमारतों में लगी आग में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 146 हो गई, जबकि 150 लोगों का अब भी पता नहीं चल पाया है। तलाशी अभियान पांचवें दिन भी जारी है। भ्रष्टाचार निरोधक निकाय ने बुधवार को आग लगने वाली इमारतों के नवीकरण कार्य से जुड़े एक महिला सहित आठ लोगों को ज्वलनशील और घटिया सामग्री का उपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि अग्निकांड में मरने वालों की संख्या 146 हो गई है, जिसमें एक अग्निशमनकर्मी भी शामिल है।

नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से मांगा क्षमादान

यरुशलम, एजेंसी

● अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार केस के बीच किया अनुरोध

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि वे उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों से क्षमादान प्रदान करें। नेतन्याहू ने ऐसा करके लंबे समय से जारी भ्रष्टाचार के उस मुकदमे पर रोक का प्रयास किया है जिसने देश को बुरी तरह विभाजित कर दिया है।

नेतन्याहू इन आरोपों को लेकर देश की न्याय व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलावों के दौर में देश को एकजुट करने में मदद करेगा। हालांकि नेतन्याहू के विरोधियों ने तुरंत इसकी निंदा की और कहा कि इससे इजराइल की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी और यह खतरनाक संदेश जाएगा कि वह कानून के शासन से ऊपर हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी विभाग को क्षमादान का अनुरोध प्रस्तुत किया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे एक असाधारण अनुरोध बताया, जिसके महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

तीन अलग-अलग मामलों में मुकदमे

नेतन्याहू इजराइली इतिहास में एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो तीन अलग-अलग मामलों में धोखाधड़ी, विश्वासघात और रिश्वत के आरोपों को लेकर मुकदमे का सामना कर रहे हैं। उन पर धनी राजनीतिक समर्थकों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। नेतन्याहू ने आरोपों को खारिज किया है और इस मामले की निंदा करते हुए इसे मीडिया, पुलिस और न्यायपालिका द्वारा साजिश के तहत निशाना बनाये जाने का आरोप लगाया है। यह अनुरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इजराइल से नेतन्याहू को क्षमा करने का आग्रह करने के कुछ सप्ताह बाद आया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 19.01 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

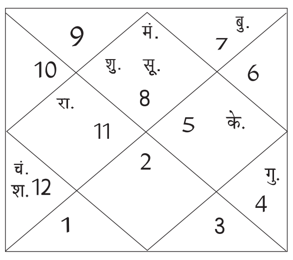

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 23.18 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज आपको परेशानियों का अनुभव करना पड़ सकता है। अचानक बड़े खर्च सामने आने आ सकते हैं। गैस और कब्जियत की समस्या होने की आशंका है। दूसरों के मामले में बिना मांगे सलाह न दें। आपको अपनी छवि की चिंता रहेगी।

वृष — आज आपकी कार्यशैली से लोग प्रभावित रहेंगे। गंभीर विषयों पर चर्चा करने का विचार बनाएंगे। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। प्रबंधन संबंधी कार्यों के लिए दिन बहुत शुभ है। पार्टनरों के साथ मतभेद दूर होंगे।

मिथुन — आज लापरवाही में काम बिगड़ने की आशंका है। व्यापार में तरक्की मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। समय का दुरुपयोग न करें। लंबित मामलों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। नए तरीके से काम करने के अवसर मिलेंगे। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कर्क — आज व्यापार में बेहतरीन अवसर मिलेंगे। कला क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ नहीं है। व्यर्थ के कार्यों में आपका समय बर्बाद हो सकता है। कार्यक्षेत्र में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। गैर-जरूरी वस्तुओं को खरीदने पर आपका धन खर्च होगा।

सिंह — आज जॉब में छोटी-मोटी परेशानियां लगी रहेंगी। सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं। कृषि कार्यों से धन लाभ होगा। संपत्ति विवादों का निपटारा होने के योग बन रहे हैं। बातचीत के दौरान गलत शब्दों का चयन न करें।

कन्या — आज अधिकारी वर्ग आपकी काफी प्रशंसा करेगा। नया काम शुरू करने के लिए दिन बहुत अच्छा है। काम के अतिरिक्त बोझ के बावजूद आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमीजन से अपने प्रेम अभिव्यक्त कर सकते हैं।

तुला — आज व्यापार में उत्पादन क्षमता बढ़ने से प्रसन्नता होगी। सामाजिक कार्यों में संलग्न रहेंगे। परिवार में आपका प्रभाव बढ़ेगा। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। मार्केटिंग से जुड़े कार्यों में विशेष सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आज कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी। भविष्य को लेकर थोड़े आशंकित हो सकते हैं। तनावपूर्ण स्थितियों के बाद भी आप अपना काम अच्छी तरह से कर लेंगे। दांपत्य जीवन का आनंद उठाएंगे। पुराने मित्रों से आपकी मुलाकात होगी।

धनु — आज बड़ा महत्वपूर्ण काम करना उचित नहीं है। महत्वपूर्ण सामान गुम हो सकता है। आपको एक साथ कई काम करने से बचना चाहिये। जॉब में परेशानियाँ बढ़ने की आशंका है। शत्रु पक्ष आपको परेशान कर सकते हैं। मित्रों के साथ अनबन हो सकती है।

मकर — आज मनोरंजन के भरपूर अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में लाभ की स्थितियां बनेंगी। आपकी कोई योजना सफल हो सकती है। वैवाहिक संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय शुभ है।

कुंभ — आज नई संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप काम के अलावा अन्य गतिविधियों पर भी ध्यान देंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है।

मीन — आज आपके चलते हुए काम रुक सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे विरोध व्यक्त कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में बाधा आ सकती है। अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहें। किसी बुजुर्ग के सेहत की चिंता रहेगी। काम के दबाव में स्वयं को फंसा हुआ महसूस करेंगे।

सुडोकू-177

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
			1					
6			7					
							7	
	8							
					5			
		7						3
			2					

सुडोकू - 176 का हल

9	5	8	4	6	1	2	3	7
4	7	3	9	5	2	8	6	1
6	2	1	3	7	8	5	4	9
7	6	5	8	1	4	3	9	2
8	3	2	6	9	5	7	1	4
1	9	4	2	3	7	6	5	8
2	4	6	1	8	3	9	7	5
3	8	7	5	4	9	1	2	6
5	1	9	7	2	6	4	8	3

> अगर मैं कहूं कि हम आखिर में नर्वस नहीं हुए थे तो यह झूठ होगा। हम वनडे क्रिकेट काफी समय बाद खेल रहे थे। लेकिन हम लगातार विकेट लेते रहे और हमारे गेंदबाजों ने अपनी योजनाओं पर टिके रहकर गेंदबाजी की।
>
> -केएल राहुल, कप्तान

हाईलाइट

हरमनप्रीत कौर ने पिंक सिटी हॉफ मैराथन को हरी झंडी दिखाई

जयपुर : विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 'रन फॉर जीरो हंगर' अभियान के तहत यहां पिंक सिटी हाफ मैराथन के 10वें सत्र को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मैराथन में तीन श्रेणियां शामिल थीं। पेशेवर धावकों के लिए 21 किमी हाफ मैराथन, मध्यम धावकों के लिए 10 किमी 'कूल रन' के अलावा पांच किमी का 'ड्रीम रन (परिवार के साथ दौड़ने वालों और शौकिया धावकों के लिए) इस आयोजन में 'रन फोर जीरो हंगर' अभियान के समर्थन में लगभग 15,000 धावकों ने भाग लिया और नंदघरों में बच्चों के लिए एक लाख पोषण पैक जुटाए।

ला लीगा : बार्सिलोना ने अल्वेस को हराया

बार्सिलोना : राफिन्हा के शानदार खेल और दानी ओल्मो के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने ला लीगा में अल्वेस पर 3-1 से जीत दर्ज की। राफिन्हा ने टीम के शुरुआती दो गोल में मददगार की भूमिका निभाई जबकि युवा लामिन यामन ने भी एक गोल करने के साथ एक गोल में मददगार की भूमिका निभाकर लय में वापसी के संकेत दिए। इस जीत से टीम को चैंपियंस लीग में पिछले सप्ताह चेल्सी से मिली 0-3 की हार से उबरने में मदद मिलेगी। आगे कर दिया।

भारत- अफगानिस्तान के बीच फाइनल रद्द

बेंगलुरु : भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मैच खराब मौसम की वजह से रविवार को यहां रद्द हो गया। भारत अंडर-19 टीम 19 ओवर में पांच विकेट पर 79 रन बनाकर जूझ रही थी जब बारिश और खराब रोशनी की वजह से खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पहले वनडे में 17 रनों से हराया

कोहली ने बनाया 52वां शतक, रोहित शर्मा ने भी खुद को साबित किया

135 रन
120 गेंद
11 चौके
7 छक्के

रांची, एजेंसी

भारत ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (135 रन) के 52वें वनडे शतक के बाद तेज गेंदबाज हर्षित राणा (तीन विकेट) और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव (चार विकेट) के झटकों की बदौलत रविवार को यहां पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। दूसरा वनडे तीन दिसंबर को रायपुर में खेला जाएगा।

कोहली ने 120 गेंद की तेज पारी के दौरान 11 चौके और सात छक्के जमाए जिससे भारत ने आठ विकेट पर 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। क्रिकेट के एकमात्र इस प्रारूप में खेलने वाले कोहली ने फिर अपनी अहमियत और दबदबे को साबित किया। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा (51 गेंद में 57 रन) के साथ 136 रन की साझेदारी करके जेएससीए स्टेडियम की सपाट पिच पर भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने 56 गेंद में 60 रन की अर्धशतकीय पारी

भारत

349/8 (50 ओवर)

यशस्वी का डिकॉक बो बर्गर	18
रोहित शर्मा पगबाधा यानसन	57
कोहली का रिकेल्टन बो बर्गर	135
रूतुराज का ब्रेविस बो बार्टमैन	08
वाशिंगटन का बॉश बो बार्टमैन	13
राहुल का डिकॉक बो यानसन	60
रविंद्र जडेजा का मारक्रम बो बॉश	32
हर्षित राणा नाबाद	03
अर्शदीप सिंह बो बॉश	00
कुलदीप यादव नाबाद	00

गेंदबाजी : यानसन 10-0-76-2, बर्गर 10-0-65-2, बार्टमैन 10-0-60-2, सुब्रयन 10-0-73-0, बॉश 10-0-56-2

352 छक्के वनडे में लगाकर रोहित शर्मा ने विश्व रिकॉर्ड बनाया

दक्षिण अफ्रीका

332/10 (49.2 ओवर)

एडन मारक्रम का राहुल बो अर्शदीप	07
रेयान रिकल्टन का हर्षित राणा	00
डिकॉक का राहुल बो हर्षित राणा	00
मैथ्यू ब्रीट्ज्के का कोहली बो कुलदीप	72
टोनी डिजॉर्जी पगबाधा बो कुलदीप	39
ब्रेविस का गायकवाड़ बो हर्षित राणा	37
मार्को यानसन का जडेजा बो कुलदीप	70
कॉर्बिन बॉश का रोहित बो प्रसिद्ध कृष्णा	67
प्रेनलन सुब्रयन का राहुल बो कुलदीप	17
नांद्रे बर्गर का राहुल बो अर्शदीप	17
ओटनील बार्टमैन नाबाद	00

गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 10-1-64-2, हर्षित राणा 10-0-65-3, वाशिंगटन सुंदर 3-0-18-0, प्रसिद्ध कृष्णा 7.2-1-48-1, कुलदीप यादव 10-0-68-4, रविंद्र जडेजा 9-0-66-0

खेली और रविंद्र जडेजा ने 20 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत काफी खराब हुई, उससे 11 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। पर मैथ्यू बीट्जके (72 रन), मार्को यानसन (70 रन) और कॉर्बिन बॉश (67 रन) ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेली लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके जो 49.2 ओवर में 332 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। कुलदीप ने 68 रन देकर चार विकेट और हर्षित राणा ने 65 रन देकर तीन विकेट झटके। अर्शदीप सिंह को दो विकेट मिले। प्रसिद्ध कृष्णा ने अंतिम बल्लेबाज बॉश को आउट करके भारत को जीत दिलाई। कोहली अब टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेलते हैं और अगले आठ महीनों में भारत को सिर्फ छह वनडे मैच खेलने हैं इसलिए 36 साल के इस क्रिकेटर के लिए इस प्रारूप का हर मैच अब अहमियत रखता है। उन्होंने अपनी पारी से चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन को याद दिलाया कि वह इस प्रारूप में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने हुए हैं। रोहित के पास भी खुद को साबित करने का एक शानदार मंच था। उन्होंने एक रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाया और मार्को यानसन की गेंद पर पगबाधा होने से पहले अर्धशतक ही बना सके। क्रिकेट प्रेमी कोहली और रोहित की बड़ी पारी खेलने के लिए बेकरार हैं और दोनों के बीच 136 रन की भागीदारी इन दोनों खिलाड़ियों का ही आत्मविश्वास नहीं बढ़ाएगी बल्कि टीम प्रबंधन को भी भरोसा देगी कि वे अब भी बड़े मंच के स्टार हैं और भारत के लिए अभी और खेल सकते हैं। पिच सपाट थी लेकिन दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने भी सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी नहीं की। यानसन के अलावा नांद्रे बर्गर, कॉर्बिन बॉश और ओटनील बार्टमैन ने दो दो विकेट झटके। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (18 रन) बर्गर की गेंद पर बल्ला छुआकर आउट हो गए जिसके बाद कोहली क्रीज पर उतरे। रांची के दर्शकों को रोहित-कोहली (रो-को) की जोड़ी से जैसे प्रदर्शन की उम्मीद थी, उन्होंने वैसा ही खेल दिखाया। रोहित को बर्गर की गेंद पर टोनी डी जोर्जी ने कैच छोड़कर जीवनदान दे दिया और इस बल्लेबाज ने इसका फायदा उठाते हुए यानसन और बॉश के खिलाफ लगातार बाउंड्री लगा दीं। उन्होंने यानसन पर पांच गेंद के अंदर दो बाउंड्री लगाईं और बॉश की अंदर आती गेंदों को आसानी से फ्लिक किया और शॉर्ट गेंदों को पुल किया। कोहली शानदार फॉर्म में दिख रहे थे और उन्होंने बर्गर की गेंद पर मिड-ऑफ के ऊपर से छक्का मारकर अपने इरादे स्पष्ट किए। इसके बाद उन्होंने एक शानदार कवर ड्राइव लगाया।

57 रन
51 गेंद
5 चौके
3 छक्के

त्रिशा-गायत्री ने बचाई उपाधि, श्रीकांत चूके

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

त्रिशा जॉली (दाएं) और गायत्री गोपीचंद पुलेला।

किदांबी श्रीकांत।

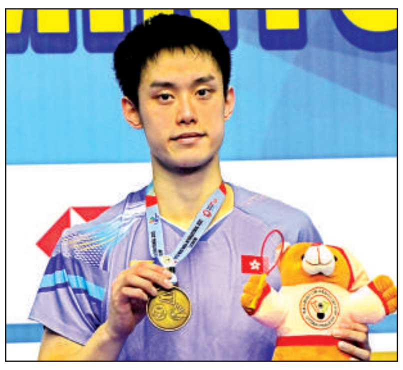

हांगकांग के जेसन गुनावान।

अमृत विचार: शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में कड़े संघर्ष के बाद मिली रोमांचक जीत के साथ जहां खिताब अपने नाम किया। दूसरी ओर स्टार भारतीय शटलर के.श्रीकांत को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हांगकांग के जेसन गुनावन से हारकर उपविजेता रहे।

भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में दर्शकों से खचाखच भरी अकादमी में रविवार को फाइनल मैच खेले गए। महिला युगल का खिताब पिछली विजेता शीर्ष वरीय भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने जीता जिन्होंने रोमांचक फाइनल में जापान की काहो ओसावा व माई तानाबे के खिलाफ 17-21, 21-13, 21-15 से जीत दर्ज की। एक घंटा 16 मिनट तक चले इस रोमांचक मैच में भारतीय जोड़ी को कड़ी टक्कर मिली, लेकिन शानदार रैली के बावजूद उन्हें पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दूसरे गेम में त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने रणनीति बदली और दमदार कोर्ट कवरेज और शानदार जुगलबंदी के सहारे 9-2 की बढ़त के बाद जीत हासिल की। तीसरे और निर्णायक गेम में भी दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन भारतीय जोड़ी ने कड़ी चुनौती पेश करते हुए आखिरी में छह मैच प्वाइंट अपने नाम करते हुए लगातार दूसरी बार खिताब पर कब्जा जमा लिया। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी इससे पूर्व पिछले वर्ष विजेता रही थी, जबकि 2022 में उन्हें उपविजेता रहकर संतोष करना पड़ा। वहीं, पुरुष एकल फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन ने पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के के.श्रीकांत को एक घंटा 7 मिनट चले मैच में 21-16, 8-21, 22-20 से हराया। हांगकांग के वर्ल्ड 59वीं रैंकिंग जेसन गुनावन ने पहला गेम 21-16 से जीता। दूसरे गेम में श्रीकांत ने वापसी करते हुए 13 गेम प्वाइंट हासिल कर जीत दर्ज की। हालांकि निर्णायक तीसरे गेम में श्रीकांत ने कई मौके गंवाए, जबकि गुनावन ने दबाव बनाए रखा।

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

महिला एकल फाइनल में जापान की हीना जीतीं

महिला एकल फाइनल में जापान की हीना अकेची ने तुर्किये की नेस्लिहान अरीन को 21-16, 21-14 से हराया। पुरुष युगल के विजेता छठीं वरीय मलेशिया के एरन ताय व कांग खाई शिंग रहे जिन्होंने मलेशिया के ही ल्वी शेंग हाओ व चिया वेइजिए को 21-9, 21-19 से हराया। मिश्रित युगल खिताब इंडोनेशिया के देजान फर्डिनानस्याह और बर्नाडिन अनिंदिया वारदाना ने थाईलैंड के पक्कापोन तीरारतसाकुल व सप्सिरी तेरत्तनाचाईन को 21-19, 21-16 से हराकर जीता।

अभिषेक ने 12 गेंदों पर जड़ा संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक

हैदराबाद, एजेंसी

- सैयद मुश्ताक अली टी-20 में किया कारनामा

भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के खिलाफ पंजाब के मैच में नाबाद 148 रन बनाने के दौरान संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा और टी-20 की एक पारी में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। अभिषेक ने पांच छक्के और इतने की चौके की मदद से सिर्फ 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया जो किसी भारतीय द्वारा संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी है।

दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज ने अपनी आक्रामक पारी में कुल 16 छक्के और आठ चौके लगाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के साथ 12.3 ओवरों के में 205 रन की साझेदारी की। एक पारी में उनके 16 छक्के अब अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई और न्यूजीलैंड के फिन एलन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं। एस्टोनिया के भारतीय मूल के साहिल चौहान के नाम एक टी20 पारी में सर्वाधिक छक्के (18) लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने जून 2024 में साइप्रस के खिलाफ लगाया था। अभिषेक ने जिमखाना मैदान पर खेले गए एलीट ग्रुप सी मुकाबले में 12 गेंदों में अर्धशतक जड़कर अपने गुरू और पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

अभिषेक ने भारतीय गेंदबाज मोहम्मद शमी और आकाश दीप की मौजूदगी वाले बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना किया और अपनी पारी की शुरुआती 12 गेंद में केवल एक डॉट गेंद का सामना करते हुए पांच छक्के और इतने ही चौके लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

उन्होंने बंगाल के गेंदबाजों के खिलाफ मैदान की हर दिशा में रन बाउंड्री लगाये जिसमें ज्यादा रन स्ट्रेट और लेग साइड में आये। पुरुषों के टी20 में किसी भी भारतीय के लिए सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड आशुतोष शर्मा के नाम है। उन्होंने 2023-24 में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी मैच में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ रेलवे की ओर से खेलते हुए 11 गेंदों में यह रिकॉर्ड बनाया था।

जूनियर हॉकी विश्व कप : स्पेन ने बेल्जियम को 2-0 से हराया

मदुरै, एजेंसी

गोल का प्रयास करते जापान के शुन हारा (बाएं) और चीन के यानवेई डि। जापान ने यह मैच 3-2 से जीता। एजेंसी

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज स्पेन ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के पूल डी मैच में रविवार को यहां बेल्जियम को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल कर क्वार्टरफाइनल की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए। स्पेन ने जुआन प्राडो (20वें मिनट) के मैदानी गोल और ब्रूनो अविला (32वें मिनट) के पेनल्टी कॉर्नर से किए गए गोल की बदौलत जीत दर्ज की। स्पेन ने इससे पहले शुक्रवार को अपने पहले मैच में मिस्र को 8-0 से शिकस्त दी थी। इस जीत से स्पेन छह अंक के साथ पूल डी में शीर्ष पर है। दुनिया की सातवें नंबर की टीम बेल्जियम दो मैच में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। स्पेन अब मंगलवार को नामीबिया से भिड़ेगा जबकि बेल्जियम का मुकाबला इसी दिन मिस्र से होगा।

पूल डी के एक अन्य मैच में नामीबिया ने मिस्र को 4-2 से हराया। नामीबिया के लिए लियाम ब्रूस (23वें मिनट), जेम्स डि जैगर (26वें मिनट) और जोश वान डर मर्वे (32वें मिनट) ने तीन मैदानी गोल किए जबकि जॉन पॉल ब्रिट्ज ने 60वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। मिस्र के लिए अब्देलरहमान कासेम (28वें मिनट) और मोहब हेगाब (53वें मिनट) ने गोल किए।

रविवार को यहां हुए दूसरे मैचों में दुनिया की पांचवें नंबर की नीदरलैंड ने मलेशिया को 6-1 से हरा दिया। वहीं जापान ने चीन को 3-2 से हरा दिया।

नई जिम्मेदारी | केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में 'पावर कोच' के रूप में शामिल हुए

आंद्रे रसेल ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा की

कोलकाता, एजेंसी

> मैंने आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं अभी भी दुनिया भर की विभिन्न लीगों और केकेआर की अन्य सभी फ्रेंचाइजी के लिए सक्रिय रूप से खेलता रहूंगा। मैंने (आईपीएल में) कुछ शानदार पल और बेहतरीन यादें साझा कीं, छक्के जड़े, मैच जीते, एमवीपी हासिल किए।
>
> -आंद्रे रसेल

आक्रामक हरफनमौला आंद्रे रसेल ने 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से पहले रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा के साथ बताया कि वह तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। सैंतीस साल के रसेल आईपीएल 2014 से केकेआर टीम का अभिन्न अंग रहे हैं। वह 2026 सत्र से पहले 'पावर कोच' के रूप में टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। आईपीएल के आगामी सत्र के लिए अबू धाबी में नीलामी होगी।

रसेल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा आईपीएल से संन्यास ले रहा हूं... लेकिन मेरा आक्रामक अंदाज वैसा ही रहेगा। आईपीएल में पिछले 12 साल का सफर शानदार रहा। केकेआर परिवार को ढेर सारा प्यार।

उन्होंने कहा, ''सबसे अच्छी बात यह है कि मैं दुनिया भर की अन्य लीग में छक्के जड़ता और विकेट लेता रहूंगा। मैं अपना घर (केकेआर) नहीं छोड़ रहा हूं और आप मुझे एक नई भूमिका में केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में 2026 के पावर कोच के रूप में देखेंगे। नया अध्याय। वही ऊर्जा। हमेशा के लिए 'नाइट'। सपोर्ट स्टाफ में शामिल होकर रसेल ने कैरेबियाई टीम के एक और दिग्गज टी20 क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड के नक्शेकदम पर चलना शुरू कर दिया। पोलार्ड मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच के रूप में काम किया है। पोलार्ड इससे पहले लंबे समय तक खिलाड़ी के तौर पर मुंबई टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा जब मैंने यह फैसला लिया, तो मुझे लगा कि इस समय यह सबसे अच्छा फैसला था। मैं अपने पीछे एक विरासत छोड़ना चाहता हूं कि प्रशंसक संन्यास क्यों नहीं ले रहे कि जगह संन्यास अभी क्यों ले रहे जैसे सवाल पूछे। उन्होंने कहा जब आप सोशल मीडिया पर होते हैं, तो आप खुद को अलग-अलग टीमों की जर्सी में फोटोशॉप की हुई तस्वीरों में देखते रहते हैं। मुझे खुद को बैंगनी और सुनहरे रंग (केकेआर की जर्सी) के अलावा किसी और रंग में देखकर अजीब लगता था और ये विचार मेरे दिमाग में घूमते रहते थे, जिससे मैं कुछ रातों तक सो नहीं पाया। रसेल ने कहा मेरे आईपीएल सफर के एक और अध्याय के बारे में मेरे और वेंकी मैसूर और शाहरुख खान के बीच काफी बातचीत हुई है। उन्होंने मुझे प्यार और सम्मान दिया है और मैदान पर मेरे काम की सराहना की है। एक परिचित प्रणाली में होना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा जब मैंने 'पावर कोच' नाम सुना, तो मुझे लगा कि यह आंद्रे रसेल का सबसे अच्छा वर्णन करता है।

कैरेबियाई दिग्गज ने 2012 से एक भी सत्र नहीं छोड़ा

रसेल 2012 से आईपीएल का एक भी सत्र नहीं छोड़ा है। उन्होंने अपनी शुरुआती दो सत्र में दिल्ली की फ्रेंचाइजी (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) का प्रतिनिधित्व करने के बाद 2014 से केकेआर के साथ है। अपने बल्ले और गेंद से मैच का रूख किसी भी समय मोड़ने की क्षमता रखने वाले शमी के नाम 140 मैचों में 174.18 की स्ट्राइक रेट से 2651 रन बनाए है। उन्होंने 123 विकेट लिए है। रसेल से एक दिन पहले 41 वर्षीय फाफ डु प्लेसिस ने घोषणा की थी कि वह इस साल के आईपीएल सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि वह किसी अन्य लीग में खेलेंगे।